फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 112 प्रभात जयपुर, सोमवार 23 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot



The Day Leelki Woke Up

My village now sends two things to the city by truck: its boys and its shrimps

A Silent Protest Against Child Marriage

Facts about Kishangarh Paintings

Artists used natural stone colours prepared from minerals and precious stones, they often took nearly 72 hours to mix and prepare properly before use

भारत यात्रा के पहले दिन बालेन्द्र शाह की जयशंकर से महत्वपूर्ण चर्चा

शाह प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक में भारत-नेपाल संबंधों की समीक्षा करेंगे

- **नेपाल के प्रधानमंत्री के साथ, 34 सदस्यीय उच्चस्तरीय सरकारी प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है।**

नई दिल्ली, 22 नवंबर। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह रविवार को दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे। मार्च 2026 में नेपाल के प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है।

नई दिल्ली पहुंचने पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। इसके बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उनसे मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की।

नेपाली प्रधानमंत्री के स्वागत में विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, बालेन्द्र शाह का नई दिल्ली में राजकीय यात्रा पर हार्दिक स्वागत है।

22 से 23 नवंबर तक चलने वाली अपनी इस यात्रा के दौरान बालेंद्र शाह सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इस उच्च-स्तरीय बैठक में भारत-नेपाल संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की जाएगी और आपसी हित के क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान होगा। इसके अलावा वे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी शिष्टाचार मुलाकात करेंगे।

नेपाल के प्रधानमंत्री के साथ 34 सदस्यीय उच्च-स्तरीय सरकारी प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है, जिसमें वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले, विदेश मंत्री शिशिर खनाल, मुख्य सलाहकार कुमार ब्यंजनकर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

मोदी अपने नेपाली समकक्ष और उनके प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में आधिकारिक दोपहर के भोज की मेजबानी भी करेंगे।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिवों का प्रशिक्षण शिविर जयपुर में

- **दस दिवसीय शिविर को राहुल गांधी व खड़गे भी संबोधित करेंगे।**

जयपुर, 22 नवंबर। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय सचिवों का आगामी 30 नवंबर से 9 दिसंबर तक जयपुर में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें कांग्रेस पार्टी के कई केंद्रीय दिग्गज नेता पार्टी के राष्ट्रीय सचिवों को आवश्यक गुरु ज्ञान और टिप्स देंगे।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़के भी इस प्रशिक्षण शिविर में पार्टी के राष्ट्रीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सपा व कांग्रेस में भाजपा को रोकने की इच्छा नहीं है - चंद्रशेखर आज़ाद

उन्होंने कहा कि यूपी में भाजपा को हराने के लिए बड़े शेयर वाले गठबंधन की आवश्यकता है

- **आज़ाद ने दावा किया कि मायावती के नेतृत्व वाली बसपा में लोगों का विश्वास कम हुआ है। इसीलिए उसका वोट शेयर 21 प्रतिशत से घट कर 9 प्रतिशत रह गया है।**

नई दिल्ली, 22 नवंबर। आजाद समाज पार्टी (कांशी राम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने रविवार को दावा किया कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस भाजपा को हराने के लिए गंभीर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा को एकजुट होकर चुनौती देने के लिए सामाजिक परिवर्तन मोर्चा में शामिल होने के द्वार इन दलों के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीमा पर तनाव कम करने के लिए भारत व चीन के सीमा कमांडरों की बैठक

नागालैंड के डीमापुर में हुई बैठक में ले. जनरल गिरीश कालिया ने भारत का नेतृत्व किया

- **अरूणाचल प्रदेश में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल के कुछ हिस्सों में लगातार तनाव बना हुआ है। भारतीय और चीनी सैनिक आमने-सामने हैं।**

नई दिल्ली, 22 नवंबर। अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर कड़ाके की ठंड शुरू होने से पहले तनाव कम करने के लिए भारत और चीन के बीच दूसरे दौर की कमांडर स्तर की सैन्य वार्ता पूरी हो गई है।

नागालैंड के दीमापुर में भारतीय सेना के थर्ड कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग, लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। उन्होंने अपने चीनी समकक्ष और अन्य सैन्य अधिकारियों के साथ बातचीत की। इस बैठक में विदेश मंत्रालय (एमईए) के अधिकारी भी मौजूद थे।

इस बातचीत का मकसद दोनों सेनाओं के बीच स्पष्ट कार्य-प्रक्रिया तय करना, गश्ती दलों के बीच टकराव से बचना, बातचीत के रास्ते खुले रखना और स्थानीय स्तर पर होने वाले टकराव को किसी बड़े सैन्य गतिरोध में बदलने से रोकना था।

यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब अरुणाचल प्रदेश में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के कुछ हिस्सों में लगातार तनाव बना हुआ है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दीपक विवाद पर तमिलनाडु सरकार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुँची

- **दीपथून पर दिया जलाने के, शर्तों के साथ दिए गए अंतरिम आदेश के खिलाफ पुर्नविचार याचिका लगाई।**

नई दिल्ली, 22 नवंबर। मदुरै की तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर आस्था और अधिकार की दशकों पुरानी जंग एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की दहलीज पर पहुंच गई है। तमिलनाडु सरकार के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग (एचआरसीई) ने सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश पर पुनर्विचार याचिका दायर की है। इसमें पहाड़ी की चोटी पर स्थित प्राचीन पत्थर के स्तंभ दीपथून पर 24 नवंबर को एक बार के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आइज़नकोट, इज़रायल में सरकार बनाने के नज़दीक पहुँचे

- **उनकी पार्टी की दक्षिणपंथी लिकुड पार्टी से लंबी वार्ता शीघ्र होगी।**

यरुशलम, 22 नवंबर। इज़रायल की अगली सरकार बनाने की जिम्मेदारी संभाल रहे गादी आइज़नकोट ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की दक्षिणपंथी लिकुड पार्टी को गठबंधन वार्ता के लिए आमंत्रित किया है। आइज़नकोट की पार्टी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

जेरूसलम पोस्ट के अनुसार, आइज़नकोट ने शनिवार को अपनी पार्टी यशर की वार्ता टीम को निर्देश दिया कि वह लिकुड के प्रतिनिधियों को लंबे, मैराथन दौर की बातचीत के लिए बुलाए, ताकि एक व्यापक गठबंधन सरकार के गठन की दिशा में प्रगति हो सके। सरकार बनाने के लिए आइज़नकोट के पास दिसंबर तक का समय है।

इस पहल के बाद लिकुड ने भी शनिवार को राष्ट्रीय एकता सरकार के गठन के लिए अपनी शर्तें सामने रखीं।

कुछ ही देर बाद बेयाचद पार्टी के प्रमुख नफ्ताली बैनेट ने लिकुड के साथ "एकता सरकार" बनाने का समर्थन किया। बैनेट ने कहा कि आइज़नकोट के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मोदी की सलाह ने लाखों ज्वैलरों को भारी नुकसान से बचाया'

चैम्बर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने प्रधानमंत्री की सोना नहीं खरीदने की सलाह पर आभार व्यक्त किया

- **सीटीआई चेयरमैन ने कहा कि जब प्रधानमंत्री ने सोना नहीं खरीदने की सलाह दी थी, तब सोना 1.90 करोड़ प्रति किलो था, जो अब 1.25 करोड़ प्रति किलो रह गया। इस प्रकार प्र.मंत्री की सलाह से 65 लाख रूपए प्रति किलो का नुकसान होने से बच गए।**
- **सीटीआई ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि सोना-चाँदी जैसे संवेदनशील बाज़ार पर सरकार आगे भी समय-समय पर व्यापारियों का मार्गदर्शन करती रहे।**

नई दिल्ली, 22 नवंबर। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर आभार जताया है। सीटीआई ने कहा है कि सोने की खरीददारी को लेकर प्रधानमंत्री की दी गई सलाह ने लाखों व्यापारियों और निवेशकों को भारी नुकसान से बचा लिया। सीटीआई ने कहा कि कुछ महीने पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को सोने की खरीदारी से बचने की सलाह दी थी। उस समय उनकी इस सलाह का काफी विरोध हुआ था, लेकिन आज साबित हो गया कि प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता ने लाखों व्यापारियों और निवेशकों को भारी नुकसान से बचा लिया।

सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोना न खरीदने की सलाह दी थी, तब सोने का भाव 1 करोड़ 90 लाख रुपये प्रति किलो था। आज सोने का भाव गिरकर 1 करोड़ 25 लाख रुपये प्रति किलो हो गया है। यानी प्रति किलो 65 लाख रुपये की गिरावट आई है। बृजेश गोयल ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री की सलाह को नजरअंदाज करके व्यापारियों ने उस समय सोना खरीदा होता, तो आज प्रति किलो 65 लाख रुपये का नुकसान होता। लाखों ज्वेलर कर्ज में डूब जाते, कंगाल हो जाते।

सीटीआई ने कहा कि देशभर के लाखों ज्वेलरी कारोबारी कई-कई महीनों का स्टॉक रखते हैं। अगर उन्होंने 1.90 करोड़ के भाव पर स्टॉक खरीदा होता, तो आज वे करोड़ों के घाटे में होते। ऑनलाइन-ऑफलाइन सोने का व्यापार करने वाले लाखों छोटे ट्रेडर और शेयर बाजार के निवेशकों को भी भारी नुकसान से बचाया गया।

सीटीआई के ग्रुपों में लगातार मैसेज आ रहे हैं कि पीएम मोदी ने बचा लिया। सीटीआई ने कहा कि जिस सलाह का उस समय विरोध हुआ था, आज वही ज्वेलर और व्यापारी कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री सही थे। सीटीआई ने आगे कहा कि अभी शादी का सीजन चल रहा है। सोना सस्ता होने से आम ग्राहक को भी फायदा हो रहा है।

सीटीआई ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया है कि सोने-चांदी जैसे संवेदनशील बाज़ार पर सरकार आगे भी समय-समय पर व्यापारियों को मार्गदर्शन देती रहे, ताकि सट्टेबाजों और जमाखोरों से बाजार को बचाया जा सके।

'हर सभ्यता को बात रखने का बराबर अधिकार मिले'

- **शंघाई सहयोग संगठन ने इन्द्रप्रस्थ घोषणा पत्र जारी किया।**

नई दिल्ली, 22 नवंबर। भारत की मेज़बानी में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सभ्यता संवाद मंच में रविवार को इंद्रप्रस्थ घोषणापत्र जारी किया गया। इस दस्तावेज में दुनिया की हर सभ्यता को समान सम्मान और अपनी बात रखने का बराबर अधिकार देने पर जोर दिया गया है। इसके साथ ही सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने और उसकी अवैध तस्करी रोकने की जरूरत भी बताई गई है। तीन दिवसीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रघुराज प्रताप सिंह, उर्फ राजा भैया, जो भदरी के राजपरिवार में जन्मे हैं, सात बार लगातार कुंडा विधानसभा सीट से जीते हैं पर, उनके लंबे राजनीतिक जीवन में उनकी "बाहुबली" की छवि विवादों से परे नहीं रही है

- **यू.पी. में राजपूतों की जनसंख्या लगभग दस प्रतिशत है।**
- **लगभग 80 विधायक व 20 सांसद इस समुदाय के राजनैतिक प्रभाव का जीवन्त प्रमाण हैं।**
- **उनका सबसे लंबा कटु संघर्ष, मायावती से रहा है और मायावती के शासन में उन्हें गिरफ्तार किया गया था, "प्रिवैन्शन ऑफ टैररिज़्म एक्ट (पोटा)" के तहत।**
- **लेकिन 2003 में, जेल से रिहा होने पर, सपा के बड़े-बड़े नेता उनको लेने गए थे और वे अखिलेश यादव की सरकार में मंत्री बने। उसके बाद कल्याण सिंह, राजनाथ सिंह, राम प्रकाश गुप्ता, मुलायम सिंह यादव व अखिलेश यादव की सरकार में मंत्री बने।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 नवम्बर। मंच तो रामकथा के लिए सजा था लेकिन कुंडा से जो राजनीतिक संदेश निकला उसे नज़रअंदाज़ करना नामुमकिन था। जब उत्तर प्रदेश के कुछ सबसे प्रभावशाली ठाकुर नेता और बाहुबली, बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की राम कथा में शामिल होने के लिए राजा भैया के गढ़ में पहुंचे, तो यह आयोजन महज एक आध्यात्मिक सभा से कहीं बढ़कर कुछ और ही नज़र आने लगा।

यह शक्ति प्रदर्शन था, राजनीतिक प्रभाव दिखाने का प्रयास था और शायद यह जताने की कोशिश भी थी कि उत्तर प्रदेश में ठाकुर राजनीति पर किसका दबदबा है।

अलग-अलग राजनीतिक दलों और क्षेत्रों के प्रभावशाली नेताओं की मौजूदगी ने इस कथा को 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले एक बड़े राजनीतिक आयोजन का रूप दे दिया। कुंडा से सात बार विधायक रह चुके राजा भैया के लिए यह ठाकुर समुदाय के प्रभावशाली नेताओं को एक मंच पर लाने का अवसर था।

यह आयोजन राजनीतिक वर्ग को यह संदेश भी था कि उत्तर प्रदेश में ठाकुर वोट बैंक, जो परंपरागत रूप से भाजपा के सबसे मजबूत सामाजिक आधारों में से एक रहा है, को हल्के में नहीं लिया जा सकता।

इस आयोजन में योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्रियों के अलावा, छह बार सांसद रह चुके बृजभूषण शरण सिंह भी शामिल हुए, जिनका पूर्वी उत्तर प्रदेश में काफी प्रभाव है। जौनपुर के प्रमुख राजनीतिक नेता और पूर्व सांसद धनंजय सिंह, पूर्व एमएलसी बृजेश सिंह, जिनके परिवार का पूर्वांचल में लंबे समय से प्रभाव रहा है, भाजपा विधायक अभय सिंह, जो पूर्व में समाजवादी पार्टी से जुड़े थे और एमएलसी विनीत सिंह सहित, अन्य बहुत से नेता भी मौजूद थे।

दिलचस्प बात यह है कि इसी महीने की शुरुआत में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने "हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट" में उत्तर प्रदेश के कथित माफिया सरगनाओं की जो सूची पढ़ी थी, उसमें लगभग यही नाम शामिल थे। इस सूची में बहुत से बाहुबली ठाकुर नेताओं के नाम थे। अखिलेश ने इस सूची के जरिए योगी आदित्यनाथ सरकार की कानून-व्यवस्था पर हमला किया था।

इस सूची में राजा भैया का नाम प्रमुखता से शामिल था। समाजवादी पार्टी बार-बार भाजपा सरकार पर आरोप लगाती रही है कि वह अन्य जातियों और समुदायों के नेताओं के खिलाफ तो कार्रवाई करती है, लेकिन ठाकुर बाहुबलियों के प्रति नरमी बरतती है। विंडबना यह है कि राजा भैया और समाजवादी पार्टी, जो आज राजनीतिक रूप से एक-दूसरे के विरोधी खेमों में खड़े दिखते हैं, कभी लंबे समय तक एक-दूसरे के करीबी सहयोगी हुआ करते थे।

उत्तर प्रदेश के कुल मतदाताओं में ठाकुर या क्षित्रय समुदाय की हिस्सेदारी अनुमानित रूप से 10 प्रतिशत है, लेकिन उनका राजनीतिक प्रभाव उनकी संख्या से कहीं अधिक है। राज्य की लगभग 70 से 80 विधानसभा सीटों और करीब 20 लोकसभा सीटों पर इस समुदाय का खास राजनीतिक महत्व है।

चुनाव के बाद किए गए विश्लेषणों के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनावों में करीब 90 प्रतिशत ठाकुर मतदाताओं ने भाजपा का समर्थन किया था, जबकि उत्तर प्रदेश में पार्टी को बड़ा झटका लगा था। सन् 2022 के विधानसभा चुनावों में भी भाजपा के लिए इस समुदाय का समर्थन लगभग 87 प्रतिशत आंका गया था। उन चुनावों में पार्टी ने 71 क्षत्रिय उम्मीदवारों को टिकट दिया था, जिनमें से 43 चुनाव जीतकर विधायक बने थे।

योगी आदित्यनाथ सरकार पर आरोप लगते रहे हैं कि प्रशासन में ठाकुरों का वर्चस्व है। साथ ही, यह भी कहा जाता है कि सरकार ब्राह्मणों तथा अन्य सामाजिक समुदायों की अनदेखी करके मुख्यमंत्री के अपने समुदाय को ज्यादा तरजीह देती है।

भाजपा के भीतर ठाकुरों और ब्राह्मणों के बीच खींचतान समय-समय पर सामने आती रही है, जिससे पार्टी के लिए असहज राजनीतिक परिस्थितियां पैदा हुई हैं। अगस्त 2025 में यह तनाव खुलकर सामने आया था, जब, खबरों के अनुसार, करीब 40 ठाकुर विधायकों ने बैठक की और समुदाय के हितों को मजबूत करने के लिए "कुटुंब", यानी परिवार बनाने पर चर्चा की।

इसके जवाब में, दिसंबर 2025 में ब्राह्मण नेताओं ने भी इसी तरह अपनी ताकत दिखाई। उस समय करीब 52 ब्राह्मण विधायक और विधान परिषद सदस्य लखनऊ में एक साथ जुटे थे, जिसे एक "जन्मदिन समारोह" का नाम दिया गया था। यह जमावड़ा ठीक उसी समय हुआ, जब भाजपा ने ओ.बी.सी. नेता पंकज चौधरी को उत्तर प्रदेश इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया था।

इसलिए कुंडा का यह शक्ति प्रदर्शन भाजपा के लिए यह याद दिलाने जैसा था कि उसका ठाकुर समर्थन आधार राजनीतिक रूप से अभी भी महत्वपूर्ण है और यह समुदाय सत्ता तथा प्रभाव में अपनी हिस्सेदारी की अपेक्षा रखता है। यह बात ऐसे समय में खास मायने रखती है, जब पार्टी पिछड़े समुदायों को अपने साथ जोड़ने और ओबीसी वर्ग में अपना समर्थन बढ़ाकर अपना सामाजिक आधार मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

रघुराज प्रताप सिंह, जिन्हें आमतौर पर राजा भैया के नाम से जाना जाता है, कोई सामान्य क्षेत्रीय नेता नहीं हैं। तीन दशकों से अधिक समय से वे उत्तर प्रदेश के प्रभावशाली राजनीतिक नेताओं में शामिल रहे हैं। सन् 1993 से वे प्रतापगढ़ जिले की कुंडा विधानसभा सीट पर लगातार अपना कब्जा बनाए हुए हैं।

भदरी के पूर्व राजघराने में जन्मे राजा भैया की राजनीतिक पहचान उनकी शाही पृष्ठभूमि से ज्यादा, कुंडा पर उनकी मजबूत पकड़ के कारण बनी है। उन्होंने 1993 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में पहली बार विधानसभा चुनाव जीता था। इसके बाद से वे लगातार सात बार इस सीट से जीत चुके हैं। बदलते राजनीतिक समीकरणों, सरकारों और गठबंधनों के बावजूद, उन्होंने अपनी सीट बरकरार रखी है। इस दौरान उन्होंने अक्सर बड़े राजनीतिक दलों के समर्थन से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को भी हराया है। उनकी, राजनीतिक जीवन में विवाद और दबंग नेता की छवि भी रही है। सन् 2003 में मायावती सरकार ने 2003 में उनके खिलाफ आतंकवाद निरोधक कानून (प्रिवेन्शन ऑफ टैररिज़्म एक्ट पोटा) लगाया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

पराधीनता समाज के समस्त मौलिक निमयों के विरुद्ध है। –मान्तेस्क्यु

हम असहमत होना भूलते जा रहे हैं

कभी ऐसा भी होता था कि दो मित्र किसी बात पर जमकर बहस करते, एक-दूसरे के तर्कों की धज्जियाँ उड़ाते और फिर साथ बैठकर चाय पीते हुए अगली मुलाक़ात का कार्यक्रम बना लेते। असहमति उनकी मित्रता के रास्ते में नहीं आती थी। आज स्थितियां बदल गई हैं। बहस का अंत किसी निष्कर्ष पर नहीं, कई बार सम्बन्ध-विच्छेद पर होता है। सोशल मीडिया ने तो इस सम्बन्ध-विच्छेद को और भी आसान बना दिया है। एक बटन दबाइए और बरसों पुरानी मित्रता से छुटकारा पा लीजिए! अनफ्रेंड और ब्लॉक जैसे शब्द हमारी सामाजिक शब्दावली का हिस्सा बन गए हैं।

सवाल यह है कि हम असहमत होना क्यों भूलते जा रहे हैं? क्या हमारे विचार इतने कमज़ोर हो गए हैं कि किसी दूसरे विचार की उपस्थिति मात्र से उन्हें ख़तरा महसूस होने लगता है? या फिर हम अपने विचारों के प्रति इतने आश्वस्त हो गए हैं कि दूसरे की बात सुनना ही अनावश्यक समझने लगे हैं? कहीं ऐसा तो नहीं कि हमने विचारों को अपनी पहचान का ऐसा अभिन्न हिस्सा बना लिया है कि उन पर उठाया गया कोई भी प्रश्न हमें अपने अस्तित्व पर आक्रमण लगता है? वास्तव में असहमति किसी भी स्वस्थ समाज की अनिवार्य शर्त है। विचारों का विकास सहमति से कम और असहमति से अधिक होता है। विज्ञान, दर्शन, साहित्य और सामाजिक परिवर्तन का इतिहास इस बात का साक्षी है कि स्थापित मान्यताओं से असहमति व्यक्त करने वालों ने ही अनेक बार नए रास्ते खोले हैं। यदि हर पीढ़ी अपने से पहले की पीढ़ी के विचारों को अन्तिम सत्य मानकर स्वीकार कर लेती, तो मानव सभ्यता आज जहाँ है, वहाँ तक कभी नहीं पहुँच पाती।

असहमति का इतिहास केवल विचारों की प्रगति का इतिहास नहीं है। वह असहमति व्यक्त करने वालों को दी गई यातनाओं, उनके बहिष्कार और दमन का इतिहास भी है। स्थापित सत्ताएँ, चाहे वे राजनीतिक हों, धार्मिक हों या सामाजिक, प्राय: अपने विरोध में उठने वाली आवाज़ों को सहजता से स्वीकार नहीं करतीं। इसलिए यह मान लेना भी ठीक नहीं होगा कि पहले का समाज असहमति के प्रति बहुत उदार था और आज अचानक असहिष्णु हो गया है। अन्तर शायद यह है कि आज असहमति व्यक्त करने के साधन अधिक सुलभ हैं, लेकिन उसे सुनने का धैर्य उसी अनुपात में नहीं बढ़ा है। अभिव्यक्ति के अवसर बढ़े हैं, संवाद की सम्भावनाएँ घटी हैं।

आज राजनीति में विरोधी विचार रखने वाला व्यक्ति केवल प्रतिद्वन्द्वी नहीं रह जाता, उसे शत्रु मान लिया जाता है। उसके किसी अच्छे काम की प्रशंसा करना भी अपने पक्ष के प्रति विश्वासघात समझा जा सकता है। सार्वजनिक जीवन में धीरे-धीरे ऐसी स्थिति बनती जा रही है जिसमें किसी व्यक्ति के विचारों का मूल्यांकन इस आधार पर कम होता है कि वह क्या कह रहा है, और इस आधार पर अधिक कि वह किस पक्ष से जुड़ा हुआ है। एक ही बात यदि हमारे प्रिय पक्ष का समर्थक कहे तो स्वीकार्य हो सकती है और विरोधी कहे तो आपत्तिजनक। इस प्रवृत्ति का असर केवल राजनीति तक सीमित नहीं है। परिवारों में भी असहमति को सहजता से स्वीकार करना कठिन होता जा रहा है। नई पीढ़ी यदि पुरानी मान्यताओं पर प्रश्न उठाती है तो उसे संस्कारहीनता कहकर चुप कराने की कोशिश होती है। दूसरी ओर, पुरानी पीढ़ी की किसी भिन्न राय को बिना सुने ही अप्रासंगिक मान लिया जाता है। दोनों यह भूल जाते हैं कि अनुभव और नवीनता एक-दूसरे के विरोधी नहीं, पूरक भी हो सकते हैं।

यहीं हम अपनी शिक्षा-व्यवस्था पर भी विचार कर सकते हैं। हमारे शिक्षा संस्थान विद्यार्थियों को प्रश्न करना सिखाते हैं या केवल वे सही उत्तर देना जो उन्हें सिखाए-रटाए गए हैं? किसी विद्यार्थी का शिक्षक से असहमत होना उसकी जिज्ञासा का प्रमाण माना जाता है या अनुशासनहीनता का? हम बच्चों को तर्कशील बनाने की बात तो करते हैं, लेकिन जब वे हमारे अपने विचारों पर प्रश्न उठाते हैं, तब हम कई बार असहज हो जाते हैं। यह विरोधाभास केवल शिक्षा का नहीं, हमारी पूरी सामाजिक मानसिकता का है।

हमारी सार्वजनिक संवाद-संस्कृति भी इस समस्या के लिए कम ज़िम्मेदार नहीं है। टेलीविज़न की बहसों में तर्क से अधिक महत्त्व आवाज़ की ऊँचाई का हो गया है। वहाँ किसी की बात सुनने के लिए नहीं, उसे चुप कराने के लिए बोला जाता है। बहस का संचालन करने वाला व्यक्ति भी कई बार संवाद का सूत्रधार कम और किसी प्रतियोगिता का निर्णायक अधिक दिखाई देता है। दर्शक भी शायद इसी बात के अभ्यस्त होते जा रहे हैं। उन्हें विचारों की जटिलता से अधिक यह जानने में रुचि होती है कि किसने किसको चुप करा दिया। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ाया है। वहाँ तत्काल प्रतिक्रिया देने का दबाव है। किसी विचार को समझने, उस पर सोचने और फिर अपनी राय बनाने का अवकाश ही कहाँ है? किसी ने कुछ कहा नहीं कि हम उसके समर्थन या विरोध में मोर्चा सँभाल लेते हैं।

सोशल मीडिया की एक और विशेषता है। वहाँ हमें धीरे-धीरे वही विचार अधिक दिखाई देने लगते हैं जिनसे हम पहले से सहमत हैं। हम भी प्राय: उन्हीं लोगों को पढ़ना और सुनना पसंद करते हैं जो हमारी मान्यताओं की पुष्टि करते हैं। इस तरह हम अपने चारों ओर एक ऐसी दुनिया बना लेते हैं जिसमें हमारी ही आवाज़ बार-बार लौटकर सुनाई देती है। हमें भ्रम होने लगता है कि जो हम सोचते हैं, वही अधिकांश लोग सोचते हैं और जो हमसे असहमत हैं, वे या तो अज्ञानी हैं या दुर्भावनाग्रस्त। इससे दूसरों को समझने की क्षमता कम होती जाती है।

असहमति का इतिहास केवल विचारों की प्रगति का इतिहास नहीं है। वह असहमति व्यक्त करने वालों को दी गई यातनाओं, उनके बहिष्कार और दमन का इतिहास भी है। स्थापित सत्ताएँ, चाहे वे राजनीतिक हों, धार्मिक हों या सामाजिक, प्रायः अपने विरोध में उठने वाली आवाज़ों को सहजता से स्वीकार नहीं करतीं। इसलिए यह मान लेना भी ठीक नहीं होगा कि पहले का समाज असहमति के प्रति बहुत उदार था और आज अचानक असहिष्णु हो गया है।

इससे भी बड़ी समस्या यह है कि हम विचार और व्यक्ति के बीच का अन्तर भूलते जा रहे हैं। किसी के विचार से असहमत होने का अर्थ यह नहीं कि वह व्यक्ति सम्मान के योग्य नहीं रहा। एक ही व्यक्ति के कुछ विचार हमें स्वीकार्य और कुछ अस्वीकार्य हो सकते हैं। लेकिन आज हम किसी एक असहमति के आधार पर पूरे व्यक्ति का मूल्यांकन कर डालते हैं। मानो मनुष्य कोई जटिल, बहुआयामी अस्तित्व न होकर केवल एक मत का नाम हो। किसी लेखक की एक टिप्पणी पसंद नहीं आई तो उसकी सारी रचनाएँ व्यर्थ हो जाती हैं। किसी मित्र ने किसी राजनीतिक या सामाजिक प्रश्न पर भिन्न राय व्यक्त कर दी तो वर्षों का आत्मीय सम्बन्ध संदिग्ध हो जाता है। वो ज़रा-सी बात पे बरसों के याराने गए! हम भूल जाते हैं कि मनुष्य का व्यक्तित्व उसके किसी एक विचार से कहीं बड़ा होता है। यह प्रवृत्ति साहित्य और बौद्धिक जगत में भी, जहाँ असहमति को सबसे अधिक सम्मान मिलना चाहिए, दिखाई देती है। किसी रचना की आलोचना को रचनाकार पर व्यक्तिगत आक्रमण मान लिया जाता है। किसी विचारधारा से असहमति होते ही उसके समर्थकों की समूची रचनात्मक उपलब्धियों को नकारने की कोशिश होने लगती है। दूसरी ओर, अपने प्रिय लेखक की कमज़ोर रचना की भी प्रशंसा करना मानो निष्ठा का प्रमाण बन जाता है, जबकि साहित्य का मूल स्वभाव ही प्रश्न उठाना है।

लेकिन असहमति का सम्मान करने का अर्थ यह नहीं कि हर विचार समान रूप से उचित है। पूर्वाग्रह, घृणा, भेदभाव और असत्य का प्रतिवाद आवश्यक है। यदि कोई विचार मनुष्य की गरिमा और समान अधिकारों को नकारता है, तो उसका विरोध करना सामाजिक ज़िम्मेदारी है। असहमति की संस्कृति का अर्थ निष्क्रिय तटस्थता नहीं है। लेकिन प्रतिवाद और अपमान एक ही बात नहीं हैं। किसी विचार का दृढ़ता से विरोध करते हुए भी व्यक्ति की गरिमा का ध्यान रखा जा सकता है। सभ्य संवाद का अर्थ अपने विचारों से समझौता करना नहीं, बल्कि उन्हें तर्क और विवेक के आधार पर प्रस्तुत करना है।

यहीं एक और बात ग़ौर तलब है। हम दूसरों से असहमत होने का अधिकार तो चाहते हैं, लेकिन दूसरों को हमसे असहमत होने का अधिकार देने के लिए तैयार नहीं हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की असली परीक्षा तब होती है जब कोई ऐसी बात कही जाए जो हमें नापसंद हो। अपनी पसंद की बात सुनना किसी उदारता की माँग नहीं करता। उदारता की आवश्यकता तब पड़ती है जब सामने वाला हमारे विश्वासों को चुनौती देता है। असहमति को स्वीकार करने के लिए सबसे पहले यह मानना ज़रूरी है कि हमारे ग़लत होने की भी सम्भावना है। यह स्वीकार करना आसान नहीं होता। जो व्यक्ति कभी अपने विचारों पर पुनर्विचार नहीं करता, वह वस्तुत: विचार करना ही बन्द कर देता है। एक और बात भी ध्यान देने योग्य है। असहमति के लिए केवल बोलने का साहस पर्याप्त नहीं, सुनने का धैर्य भी चाहिए। हममें से बहुत-से लोग दूसरों की बात सुनते हुए भी वस्तुत: सुन नहीं रहे होते। हम केवल इस प्रतीक्षा में रहते हैं कि सामने वाला अपनी बात समाप्त करे और हम उसका उत्तर दे सकें।

लोकतंत्र केवल चुनाव कराने या बहुमत से सरकार बनाने की व्यवस्था नहीं है। वह साथ रहने की एक संस्कृति भी है। ऐसी संस्कृति जिसमें भिन्न विचारों, विश्वासों और जीवन-पद्धतियों वाले लोग एक-दूसरे के अस्तित्व और अधिकारों को स्वीकार करते हैं। लोकतंत्र में बहुमत को निर्णय लेने का अधिकार अवश्य मिलता है, लेकिन इससे अल्पमत की आवाज़ का महत्त्व समाप्त नहीं हो जाता। असहमति की उपस्थिति लोकतंत्र की कमज़ोरी नहीं, उसकी शक्ति है। यदि समाज में असहमति के लिए स्थान सिकुड़ता जाएगा, तो लोकतंत्र का बाहरी ढाँचा भले बना रहे, उसकी आत्मा कमज़ोर होती जाएगी।

शायद हमें फिर से असहमत होने की कला सीखनी होगी। ऐसी कला जिसमें अपनी बात कहने का साहस हो और दूसरे की बात सुनने का धैर्य भी। जिसमें तर्क हों, लेकिन कटुता न हो; दृढ़ता हो, लेकिन दुराठाह न हो। जिसमें यह स्वीकार करने की विनम्रता भी हो कि सत्य पर किसी एक व्यक्ति, समूह या विचारधारा का एकाधिकार नहीं है। और सबसे बढ़कर यह विश्वास हो कि किसी बात पर असहमत होने के बाद भी हम एक-दूसरे के साथ बैठ सकते हैं, बातचीत कर सकते हैं और चाय पी सकते हैं।

इसकी शुरुआत बहुत छोटे स्तर पर करनी होगी। अगली बार जब कोई अपना हमसे असहमत हो, तो उसे तत्काल ग़लत सिद्ध करने के बजाय एक बार यह पूछकर देखें कि वह ऐसा क्यों सोचता है। सम्भव है हम तब भी उससे सहमत न हों। लेकिन इतना तो हो ही सकता है कि हम उसे थोड़ा बेहतर समझने लगें। असहमति बनी रहे और आत्मीयता भी-क्या यह कोई छोटी उपलब्धि होगी?

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

जयपुर की पतंगबाजी : आसमान में उड़ती रंगीन विरासत, 'वो काटा' के शोर में गूंजता भाईचारा

जैपुर - तीन सदियों का गुलाबी सफ़र....



डॉ. गोरधन लाल शर्मा

राजमहल की छतों से शुरू हुआ पतंगबाजी का सफर आज देशभर में पहचान बना चुका है। मकर संक्रांति पर गुलाबी नगरी का आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से सज उठता है। सिटी पैलेस म्यूजियम में संरक्षित सैकड़ों वर्ष पुरानी पतंगें, चरखियां और मांझे इस अनूठी परंपरा की ऐतिहासिक गवाही देते हैं।

जयपुर की पहचान उसके महलों, हवेलियों और गौरवशाली स्थापत्य तक सीमित नहीं है। यहां की कुछ परंपराएं ऐसी हैं, जो शहर की सांस्कृतिक धड़कनों में रची-बसी हैं। मकर संक्रांति पर आसमान में लहराती रंग-बिरंगी पतंगें, छतों से उठती 'वो काटा' की आवाजें और उल्लास में डूबे लोग इसी जीवंत परंपरा की तस्वीर पेश करते हैं। जयपुर की पतंगबाजी महज मौसमी मनोरंजन नहीं, बल्कि शाही विरासत, कारीगरी, खेल कौशल, रोजगार और सामाजिक सौहार्द का अनूठा संगम है।

उपलब्ध ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, जयपुर में पतंगबाजी का प्रचलन महाराजा रामसिंह के शासनकाल में विकसित हुआ। कला प्रेमी महाराजा ने पतंग बनाने वाले कारीगरों को भी राजाश्रय दिया था। उस दौर में पतंगों को 'तुक्कल' कहा जाता था। पतंगसाज इन्हें तैयार कर राजमहल पहुंचाते और मोटी सूतली से बांधकर सिटी पैलेस की छतों पर लगी खूंटियों के सहारे हवा में तान देते थे। महाराजा इन पतंगों को आकाश में लहराते देखकर आनंदित होते और कारीगरों को पुरस्कृत करते थे। जयपुर के राजघराने में भगवान गोविंददेवजी को राजा और स्वयं को उनका सेवक मानने की परंपरा रही है। मान्यता है कि भगवान के मनोरंजन के लिए ही राजमहल में पतंगें उड़ाई जाती थीं। आज भी आराध्य गोविंददेवजी को सोने-चांदी की पतंग और चरखी अर्पित करने की परंपरा इस ऐतिहासिक जुड़ाव को जीवंत रखती है। सिटी पैलेस म्यूजियम में प्रदर्शित सैकड़ों वर्ष पुरानी पतंगें, चरखियां और मांझे इस विरासत के साक्षात दस्तावेज हैं। **तुक्कल से मांझे तक, बदलता गया अंदाज :** शुरुआती दौर में पतंगें मोटी सूतली और बंटे हुए धागे से उड़ाई जाती थीं। तेज हवा में जब कभी तुक्कल टूटकर दूर जा गिरती, तो उसे वापस लाने के लिए घुड़सवार तक दौड़ा दिए जाते थे। राजमहल की पतंगों ने आमजन को आकर्षित किया तो पतंग निर्माण और बिक्री का कारोबार भी फैलने लगा। उस समय जमनजी पतंग वाले की दुकान खासी प्रसिद्ध थी। छिदम्मल, घेलवी, अद्दी, मझौली, पौनी और पट्टी कम जैसी अनेक किस्मों की पतंगें बनने लगीं। पतंग निर्माण में मुस्लिम कारीगरों का विशेष योगदान रहा, जबकि जयपुर में मांझा तैयार करने का काम कोली समाज के लोगों ने संभाला। शुरुआती दौर में चावल और कांच से मांझा तैयार होता था। बाद में लखनऊ और बरेली के मांझे तथा वहां के कारीगरों के आने से इस कला में नए प्रयोग हुए। अलग-अलग मिश्रणों से मांझे की मजबूती और धार बढ़ी।

छतों से मैदानों तक पहुंचे पतंगों के दंगल

लगभग 1920 के आसपास जयपुर में पतंगबाजी का दायरा बढ़ने लगा। यह निजी मनोरंजन से आगे बढ़कर कौशल प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धा का खेल बन गई। लाल डूंगरी, जलमहल और भट्टियों के मैदान पतंगबाजों के प्रमुख अखाड़े बने। मकर संक्रांति पर लखनऊ, बरेली और रामपुर से पतंग-डोर बेचने आने वाले व्यापारी त्योहार के बाद स्थानीय पतंगबाजों के साथ मुकाबले करते। उनके दांव-पेच देखने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग जुटते थे। राजपुरोहित रामप्रताप, उदयनारायण और कन्हैयालाल तिवाड़ी जैसे शौकीनों ने इस परंपरा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शुरुआती मुकाबलों में 'सह के पेच' प्रमुख थे, जिनमें पतंगें लंबे समय तक एक-दूसरे के साथ उलझी रहती थीं। बाद में दांव-पेच की तकनीक विकसित हुई, जिसमें फुर्ती और सूझबूझ की जरूरत होती थी। अहसान मियां, मोहम्मद हसन, गुल हसन, रतनजी, भौमजी, भिक्खी महाराज, पं. दुर्गादत्त और खान मोहम्मद जैसे अनेक पतंगबाजों ने जयपुर की इस कला को विशिष्ट पहचान दिलाई।

जब 'वो काटा' ने तोड़ी मजहब की दीवारें : जयपुर की पतंगबाजी का सबसे खूबसूरत पक्ष इसका सामाजिक सौहार्द रहा है। यहां आसमान में पेच लडाने वाले पतंगबाज जमीन पर दिलों को जोड़ते रहेइस भाईचारे की उल्लेखनीय तस्वीर 1947 के विभाजन के कठिन दौर में भी देखने को मिली। जब देश के कई हिस्सों में सांप्रदायिक तनाव और हिंसा का माहौल था, तब जयपुर के भट्टियों के मैदान में हिंदू-मुस्लिम पतंगबाज आपसी सद्भाव के साथ पेच लड़ाते रहे। यह प्रसंग बताता है कि पतंगबाजी ने जयपुर के सामाजिक जीवन में कितनी गहरी जगह बनाई थी।

अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं से मिली राष्ट्रीय पहचान

जयपुर की पतंगबाजी को संगठित पहचान दिलाने में अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं की अहम भूमिका रही। वर्ष 1961 में जलमहल ग्राउंड पर पहली अखिल भारतीय पतंग प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसका पूरा खर्च कन्हैयालाल तिवाड़ी ने वहन किया था। दिल्ली और बरेली की नामी टीमों ने इसमें हिस्सा लिया, हालांकि बरेली की दो टीमों के बीच प्रस्तावित फाइनल मुकाबला नहीं हो सका।

वर्ष 1974 में काइट फ्लाइंग एसोसिएशन ने दूसरी अखिल भारतीय प्रतियोगिता आयोजित की, जिसमें राजस्थान और देश के अन्य हिस्सों की 68 टीमों ने भाग लिया। जयपुर की पिंक सिटी काइट क्लब ने प्रथम पुरस्कार जीता। अलीमुद्दीन, बाबू पहलवान और अब्दुल शकूर उर्फ ऊनी भाई ने अपने शानदार पेचों से दर्शकों को रोमांचित किया। दिल्ली दूसरे और मुंबई तीसरे स्थान पर रही। 18 मार्च 1978 को जयपुर अढ़ाई-शती समारोह समिति की ओर से तीसरी अखिल भारतीय प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें दिल्ली की नेशनल काइट क्लब प्रथम, जयपुर की शौकीन काइट क्लब द्वितीय और दिल्ली की राजधानी काइट क्लब तृतीय रही। इन आयोजनों ने जयपुर को राष्ट्रीय स्तर पर पतंगबाजी के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया।

हुनर के साथ रोजगार का भी आसमान

जयपुर की पतंगबाजी ने मनोरंजन के साथ रोजगार के अवसर भी पैदा किए। पतंग निर्माण के काम में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग तक भागीदारी निभाते रहे हैं। यहां तैयार पतंगें देश के विभिन्न हिस्सों में भेजी जाती हैं। जयपुर के पतंगसाज अहमदाबाद, दिल्ली, भड़ौच और गुजरात के अन्य शहरों में भी अपनी दुकानें लगाते हैं। हरिनारायण मीणा, नवरत्न जैन, रामनारायण और बाबू भाई कुरैशी जैसे कारीगरों के बनाए पतंगों की प्रतियोगिताओं में सराहना होती रही है।

ऑल राजस्थान स्टेट काइट फ्लाइंग एसोसिएशन और जयपुर काइट फ्लाइंग एसोसिएशन जैसी संस्थाएं प्रतियोगिताओं के जरिए इस कला को आगे बढ़ा रही हैं। इन आयोजनों से नई प्रतिभाओं को मंच मिलता है और अनुभवी पतंगबाजों को अपना हुनर दिखाने का अवसर मिलता है।

मकर संक्रांति पर उत्सव बन जाता है पूरा शहर

मकर संक्रांति आते ही जयपुर का रंग-ढंग बदल जाता है। त्योहार से कई दिन पहले चांदपोल बाजार, जौहरी बाजार और हल्दियों के रास्ते में पतंगों और डोर की दुकानें सज जाती हैं। सुबह से शाम तक आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से भर जाता है और 'वो काटा' की गूंज पूरे शहर में सुनाई देती है।

जयपुर की पतंगबाजी का असली वैभव यही है कि इसमें राजसी अतीत, धार्मिक आस्था, कारीगरों का हुनर और आमजन का उत्साह एक साथ दिखाई देता है। सिटी पैलेस की छतों से शुरू हुई एक तुक्कल ने सदियों का सफर तय कर पूरे शहर को अपना बना लिया। आज गोविंददेवजी को अर्पित सोने-चांदी की पतंगों से लेकर मकर संक्रांति पर घरों की छतों तक, यह परंपरा अपनी जड़ों से जुड़ी हुई है। जब गुलाबी नगरी का आसमान पतंगों से भरता है, तब हर रंग के साथ जयपुर की एक कहानी भी उड़ान भरती है। यह कहानी है विरासत की, हुनर की, उमंग की और उस भाईचारे की, जो पतंगों के पेचों से आगे बढ़कर दिलों को जोड़ता है।

–डॉ. गोरधन लाल शर्मा,
राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त लेखक,
समाजशास्त्री एवं राजस्थान
प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ
अधिकारी

विभाजित होता समाज में सहिष्णुता का महत्व



रचना सिद्धा

आज का समय एक विचित्र विरोधाभास से गुजर रहा है। एक तरफ हम पूरी दुनिया से जुड़े हुए हैं एक क्लिक की दूरी पर हैं दूसरी ओर हम उतने ही अकेले हैं। तकनीक ने हमें पूरी दुनिया से जोड़ दिया है, लेकिन हम अपने ही आसपास के लोगों से भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। हमारे पास अपनी बात कहने के लिए अनेक मंच हैं, लेकिन दूसरों की बात सुनने का धैर्य कम होता दिखा देता है। विचारों का आदान-प्रदान कई बार विचारों के युद्ध में बदल जाता है। सामाजिक माध्यमों पर किसी की राय पसंद न आने पर उसे अपमानित करना, उसके चरित्र पर प्रश्न उठाना या उसे अपने विरोधी खेमे का व्यक्ति मान लेना सामान्य होता जा रहा है। ऐसे वातावरण में सहिष्णुता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। सहिष्णुता वह मानवीय गुण है, जो हमें दूसरों के विचारों, मान्यताओं, भावनाओं, आस्थाओं और जीवनशैली से असहमत होने के बावजूद उनका सम्मान करना तथा मतभेदों को धैर्य, विवेक और संवेदनशीलता के साथ स्वीकार करना सिखाता है।

असहमतियों के बीच भी संवाद, समझ और संवेदनशीलता के माध्यम से समाधान खोजते हुए मनुष्यता को बचाए रखने की कला ही सहिष्णुता है। सहिष्णुता एक ऐसी मानवीय दृष्टि है, जो हमें दूसरों के विचारों, विश्वासों, संस्कृतियों और जीवन-पद्धतियों के प्रति सम्मान रखना सिखाती है। यह हमें बताती है कि असहमति शत्रुता नहीं है, भिन्नता विरोध नहीं है और किसी विचार से असहमत होने का अर्थ उस विचार को रखने वाले व्यक्ति का अपमान करना नहीं है।

विचारों की विविधता समाज को समृद्ध बनाती है, जबकि असहिष्णुता उसे संकीर्णता की ओर ले जाती है। मनुष्य की पहचान केवल उसकी भाषा, धर्म, जाति, संस्कृति या विचारों से नहीं होती, बल्कि इस बात से भी होती है कि वह दूसरों की भिन्नताओं के प्रति कितना संवेदनशील है। किसी दूसरे व्यक्ति का विचार हमारे विचारों से अलग हो सकता है, उसकी जीवनशैली हमारी जीवनशैली से भिन्न हो सकती है और उसकी आस्थाएं हमारी मान्यताओं से मेल नहीं खा सकतीं। लेकिन क्या इन भिन्नताओं के कारण उसके सम्मान और अधिकारों में कोई कमी आनी चाहिए? निश्चित रूप से नहीं। इसी बोध का नाम सहिष्णुता है। एक परिपक्व और सहिष्णु समाज वही है, जहाँ एक व्यक्ति अपने विचार खुलकर रख सके और दूसरे व्यक्ति को भी ऐसा करने की स्वतंत्रता दे। सहिष्णुता न केवल हमें प्रतिक्रियाओं का गुलाम बनने से बचाती है बल्कि यह हमें किसी भी परिस्थिति में सोचने, समझने और उचित निर्णय लेने का अवसर देती है। संवेदनशील समाज वह नहीं होता जहाँ सभी लोग एक जैसा सोचते और करते हों। ऐसा समाज कभी संभव भी नहीं है। ऐसा तो एक परिवार में भी संभव नहीं होता। एक परिवार के सदस्यों की विचारधारा और सोच अलग अलग होती है। फिर भी परिवार बना रहता है एक दूसरे की भावनाओं और विचारों का सम्मान करते हुए। इसी तरह संवेदनशील समाज भी ऐसा ही होना चाहिए जहाँ अलग सोचने वाले लोग भी एक-दूसरे के साथ सम्मानपूर्वक रह सकें। जहाँ विवाद होने पर भी संवाद के रास्ते बंद न हों। जहाँ शक्ति का उपयोग दूसरों को दबाने के लिए नहीं, बल्कि कमजोरों की रक्षा के लिए किया जाए। भारतीय संविधान भी प्रत्येक नागरिक को समानता, धार्मिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे महत्वपूर्ण अधिकार प्रदान करता है। इन अधिकारों की सार्थकता तभी है, जब हम दूसरों के अधिकारों का भी उतना ही सम्मान करें जितना अपने अधिकारों का करते हैं। लोकतंत्र केवल बहुमत की राय का नाम नहीं है; वह अल्पमत की आवाज सुनने और असहमति को सम्मान देने की व्यवस्था भी है और सहिष्णुता इसकी एक महत्वपूर्ण शर्त है।

सहिष्णुता की सबसे पहली पाठशाला हमारा परिवार है। सहिष्णु समाज का निर्माण किसी कानून या सरकारी अभियान से ही नहीं हो सकता। इसकी शुरुआत परिवार से होती है। जहां बच्चे अपने घर में बड़ों को एक-दूसरे की बात सुनते, घरेलू सहायकों का सम्मान करते और भिन्न विचारों के प्रति संयम बरतते देखते हैं, तो वे स्वाभाविक रूप से यही संस्कार सीखते हैं।

एक ही घर में रहने वाले लोगों की पसंद, स्वभाव, विचार और जीवन के अनुभव अलग-अलग होते हैं। पीढ़ियों के बीच विचारों का अंतर भी स्वाभाविक है। बुजुर्गों की जीवन-दृष्टि और युवाओं की आकांक्षाएँ हमेशा एक जैसी नहीं हो सकतीं। यदि हर मतभेद को अवज्ञा या अपमान समझ लिया जाए, तो घरों में संवाद की जगह तनाव लेने लगता है। माता-पिता जब बच्चों की बात सुनते हैं, उनकी जिज्ञासाओं का सम्मान करते हैं और गलती होने पर समझाने का रास्ता चुनते हैं, तो परोक्ष रूप से वे उन्हें सहिष्णुता की सीख ही दे रहे होते हैं। इसी तरह बच्चे जब बुजुर्गों के अनुभवों को समझने का प्रयास करते हैं, तो पीढ़ियों के बीच विश्वास का पुल मजबूत होता है।

विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को केवल परीक्षा में अच्छे अंक दिलाना या रोजगार के लिए तैयार करना नहीं, बल्कि संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। बच्चों को सफल होने की शिक्षा देना ही पर्याप्त नहीं है; उन्हें दूसरों के प्रति संवेदनशील होना, असफलता को स्वीकार करना, आलोचना से सीखना और मतभेदों को संवाद के माध्यम से सुलझाना भी सिखाना होगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानवान व्यक्ति बनाना नहीं, बल्कि विवेकशील और संवेदनशील नागरिक तैयार करना भी है। समूह गतिविधियों, संवाद, साहित्य, कला और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से सहानुभूति तथा सहयोग की भावना विकसित की जा सकती है। आज के डिजिटल युग में सहिष्णुता का महत्व बहुत ज्यादा बढ़ गया है। सोशल मीडिया ने जहां अभिव्यक्ति को अभूतपूर्व विस्तार दिया है वहीं त्वरित प्रतिक्रिया, अधूरी जानकारी, अपमानजनक टिप्पणियों और घृणा फैलाने वाली सामग्री की चुनौती भी हमारे सामने आई है। किसी संदेश को पढ़े बिना साझा कर देना, किसी तस्वीर या वीडियो के आधार पर निष्कर्ष निकाल लेना और बिना तथ्य जाँचे किसी व्यक्ति को दोषी ठहरा देना इन सबसे समाज में अविश्वास और अराजकता का माहौल बन रहा है। हमें इसीलिए डिजीटली भी सहिष्णु बनने का प्रयास करना होगा। डिजिटल सहिष्णुता का अर्थ है लिखने से पहले सोचना, प्रतिक्रिया देने से पहले तथ्यों को परख लेना और असहमति व्यक्त करते समय शब्दों की मर्यादा बनाए रखना। भारत की सभ्यता और संस्कृति विविधताओं के सह-अस्तित्व की समृद्ध परंपरा से निर्मित हुई है और यह सह अस्तित्व सहिष्णुता के बिना संभव नहीं है। हमारे देश में सर्वे भवन्तु सुखिन: की भावना विद्यमान है। यहां अनेक भाषाएं, धर्म, पंथ, रीति-रिवाज और जीवन-पद्धतियां साथ-साथ विकसित हुई हैं। अलग-अलग खानपान, पहनावे और लोक परंपराओं के बावजूद भारतीय समाज की साझा सांस्कृतिक चेतना ने आज तक देश को एक सूत्र में बांधे रखा है। किसी समाज की वास्तविक प्रगति केवल उसकी आर्थिक समृद्धि, तकनीकी उपलब्धियों या भौतिक संसाधनों से नहीं आँकी जा सकती। उसकी प्रगति इस बात से भी पहचानी जाती है कि वहाँ कमजोर व्यक्ति कितना सुरक्षित है, असहमत व्यक्ति कितना स्वतंत्र है और भिन्न पहचान वाला व्यक्ति कितना सम्मानित है। हर साल 16 नवंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस, हमें एक-दूसरे से अधिक जुड़ते हुए भी विभाजित होते विश्व में मानवता के साझा मूल्यों की याद दिलाता है।

यूनेस्को द्वारा निर्धारित यह दिवस सभ्यताओं के बीच आपसी सम्मान, स्वीकृति और समझ की आवश्यकता पर बल देता है। संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1995 में सहिष्णुता के सिद्धांतों की घोषणा के साथ इस दिवस की स्थापना की थी। इसका उद्देश्य समाज में शांति, पारस्परिक सम्मान, विविधता की स्वीकृति और सहिष्णुता की भावना को मजबूत करना है। आज जब दुनिया अनेक प्रकार के वैचारिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संघर्षों से गुजर रही है, तब इस दिवस का महत्व और भी बढ़ जाता है।

– रचना सिद्धा

राशिफल सोमवार 23 नवम्बर, 2026



पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, चतुरदशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत-2083, भरणी नक्षत्र रात्रि 2:02 तक, वारियान योग सायं 7:59 तक, गर करण दिन 1:10 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मेष, मंगल-सिंह, बुध-तुला, गुरू-सिंह, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

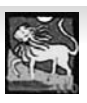
रवियोग रात्रि 2:02 तक है। भद्रा रात्रि 11:43 से आरम्भ होगी। आज वैकुण्ठ चतुरदशी, काशी विश्वनाथ प्रतिष्ठ दिवस, भरणी दीपम है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– अमृत सूर्योदय से 8:15 तक, शुभ 9:35 से 10:54 तक, चर 1:32 से 2:51 तक, लाभ-अमृत 2:51 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल– 7:30 से 9:00 तक, सूर्योदय 6:56, सूर्यास्त 5:30



मेष
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में असंतुलन बना रहेगा। आज मानसिक तनाव दूर होगा।



सिंह
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। शुभ कार्य से संबंधित यात्रा संभव है। आज महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।



धनु
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्

सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है दरिया पूजन : देवनानी

भगवान झूलेलाल के समक्ष की आराधना, पारंपरिक छेज़ और भक्ति संगीत में भाग लिया

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को दीव में सिंधी समाज (ऊना) द्वारा आयोजित वर्ल्ड सिंधी मेला-2026 के अंतर्गत आईएनएस खुकरी मेमोरियल में आयोजित पूजा बेहराणा साहिब कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने विधि-विधान के साथ दरिया पूजन कर भगवान झूलेलाल के प्रति श्रद्धा व्यक्त की तथा सिंधी समाज की समृद्ध आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े आयोजन में भाग लिया।



विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने दीव में वर्ल्ड सिंधी मेलो-2026 के अंतर्गत पूजा बेहराणा साहिब में सहभागिता की।

- देवनानी ने दीव के विकास, क्षेत्र की विकासात्मक गतिविधियों से संबंधित विषयों पर चर्चा की
- इस अवसर पर समाज एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान भी किया
- भारत के विभिन्न क्षेत्रों तथा विदेशों से आए सिंधी समाज के लोगों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया

कार्यक्रम में भगवान झूलेलाल साहिब के समक्ष पारंपरिक छेज़ के साथ भक्ति संगीत एवं गीतों की प्रस्तुतियां दी गईं। देवनानी ने उपस्थित श्रद्धालुओं एवं समाजबंधुओं के साथ इस सांस्कृतिक आयोजन में सहभागिता की। भारत के विभिन्न क्षेत्रों तथा विदेशों से आए सिंधी समाज के लोगों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। पारंपरिक वेशभूषा, लोकगीतों, संगीत और सामूहिक छेज़ ने आयोजन को विशिष्ट सांस्कृतिक स्वरूप प्रदान किया। इस अवसर पर समाज एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान भी किया गया।

देवनानी ने कहा कि भगवान झूलेलाल में सिंधी समाज की अटूट आस्था तथा दरिया पूजन की परंपरा उसकी सांस्कृतिक पहचान और आध्यात्मिक चेतना का अभिन्न अंग है। सिंधी समाज ने विस्थापन और अनेक ऐतिहासिक चुनौतियों के बावजूद अपनी भाषा, संस्कृति, संस्कारों और धार्मिक परंपराओं को अक्षुण्ण बनाए रखा है। विश्वभर में फैला सिंधी समाज अपनी उद्यमशीलता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों के माध्यम से भारतीय सभ्यता की विशिष्ट पहचान को प्रतिष्ठित कर रहा है।

इस अवसर पर दीव के जिला कलेक्टर ने भी विधानसभा अध्यक्ष देवनानी से भेंट की। इस दौरान दीव के विकास, क्षेत्र की संभावनाओं तथा विकासात्मक गतिविधियों से संबंधित विषयों पर चर्चा हुई।

उल्लेखनीय है कि सिंधी समाज (ऊना) द्वारा आयोजित वर्ल्ड सिंधी मेलो-2026 का उद्देश्य विश्वभर में निवासरत सिंधी समाज को एक साझा मंच प्रदान करना तथा उसकी भाषा, संस्कृति, परंपराओं और ऐतिहासिक विरासत का संरक्षण एवं संवर्धन करना है। आयोजन का भाव दुनिया जे सिंधियुन जो मेलो दरिया ते सिंधी समाज की वैश्विक एकजुटता और सांस्कृतिक आत्मीयता को अभिव्यक्त करता है।

कार्यक्रम के पश्चात विधानसभा अध्यक्ष देवनानी दीव से रवाना होकर अहमदाबाद पहुंचे।

देवली में 3 करोड़ रूपये की स्मैक बरामद

देवली। जिलेभर मे नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत टोंक पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के नेतृत्व मे नशा युक्त सफेद पाउडर स्मैक के विरुद्ध एक और बड़ी कार्रवाई सामने आई है। यह कार्रवाई जिला स्पेशल पुलिस और देवली उपखंड घाड़ थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से की है। डीएसटी टोंक और घाड थाना पुलिस ने तस्कर रमेश से 3 करोड़ रूपये की स्मैक बरामद हुई है। इसी के साथ पुलिस ने स्मैक तस्कर को भी गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार टोंक जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन पर जिलेभर मे चलाए जा रहे नशा मुक्त अभियान के तहत टोंक डीएसटी टीम और घाड़ थाना पुलिस ने स्मैक नशा के विरुद्ध स्मैक बरामद की है। पुलिस ने यह कार्रवाई देवली उपखंड के बंथली रोड पर घेराबंदी करते हुए की है। इस दौरान पुलिस ने स्मैक तस्कर रमेश पुत्र भंवरलाल तंवर निवासी घाटोली जिला

- पुलिस ने यह कार्रवाई देवली उपखंड के बंथली रोड पर घेराबंदी करते हुए की

झालावाड़ को गिरफ्तार किया है। पुलिस की संयुक्त टीम ने तस्कर रमेश तवर के कब्जे से 1 किलो 475 ग्राम स्मैक बरामद करते हुए आरोपी से एक मोबाइल फोन और 11 सौ 60 रुपए नकद भी अपने कब्जे में ले लिए हैं। जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई देवली डीएसपी मदन ढाका के सुपरविजन में घाड थाना प्रभारी हरिराम वर्मा और टोंक डीएसटी प्रभारी ओम प्रकाश ने संयुक्त रूप से की है। पुलिस ने तस्कर रमेश तवर के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर मामले से जुड़े सूत्रों की जांच शुरू कर दी है।



जयपुर। गोपालबाड़ी स्थित ओके प्लस रूबी सुइट्स में रविवार को अधिवक्ता वर्तिका मेहरा के नवनिर्मित चैंबर्स का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर चंद्रशेखर सिन्हा, संकल्प टोडी, बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव शशांक अग्रवाल एवं पूर्व महासचिव अंशुमान सक्सेना सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शादी समारोह में युवती की कार का शीशा तोड़कर चोरी

जयपुर। राजधानी में चोरों ने शादी समारोह में शामिल होने गई युवती की कार को निशाना बनाते हुए शीशा तोड़कर सामान चोरी कर लिया। चोर कार में रखा आईपैड, लॉ की किताबें, नकदी, मेकअप किट, पावर बैंक और एडिडास कंपनी के जूते तक ले गए। पीड़िता की शिकायत पर जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पीड़िता विधुती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि 20 नवंबर को वह अपनी सहेली के भाई की शादी में शामिल होने पैराडाइज मैरिज गार्डन गई थी। उसने अपने पिता की कार शाम करीब 7:30 बजे मैरिज गार्डन के सामने जेएलएन मार्ग पर खड़ी की थी। पीड़िता ने बताया कि रात करीब 9:30 बजे जब वह वापस लौटी तो कार का पिछला शीशा टूटा हुआ मिला। कार की जांच करने पर उसमें रखा सामान गायब मिला। चोर आईपैड, लॉ की किताबें, मेकअप किट, पावर बैंक और अन्य सामान के साथ 5300 रुपए नकद भी चोरी कर ले गए।

जयपुर जिला परिषद के जिला प्रमुख पद के लिए कांग्रेस में आधा दर्जन नेताओं के नाम चर्चा में

जयपुर। जयपुर जिला परिषद में जिला प्रमुख का पद हासिल करने के लिए कांग्रेस पार्टी के चुने हुए आधा दर्जन से ज्यादा वार्ड मेंबर पार्टी में अपने-अपने संपर्क सूत्रों के आधार पर जिला प्रमुख बनने के लिए भरसक प्रयास कर रहे हैं जयपुर जिला परिषद में कांग्रेस पार्टी ने घोषित 55 वार्डों में 21 वार्डों में सफलता हासिल करके पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया था, इसलिए जयपुर जिला परिषद में कांग्रेस पार्टी का जिला प्रमुख बनना निश्चित है, जिला प्रमुख पद के लिए 25 नवंबर को नामांकन होगा, इसलिए जयपुर से लेकर दिल्ली तक जिला प्रमुख पद के उम्मीदवार के लिए पार्टी में विचार विमर्श का दौर चल रहा है, कुछ प्रमुख कांग्रेस पार्टी के वार्ड मेंबरों के नाम जिला प्रमुख पद के लिए चर्चा में चल रहे हैं, जिनमें श्रवण गुर्जर, यशवीर सुरा, तनु शर्मा और सीताराम यादव के नाम शामिल हैं।

इन चार नाम में से कांग्रेस पार्टी किसी एक को उम्मीदवार बनाएगी या फिर इन चारों के अलावा किसी और

- कुछ प्रमुख कांग्रेस पार्टी के वार्ड मेंबरों के नाम जिला प्रमुख पद के लिए चर्चा में चल रहे हैं, जिनमें श्रवण गुर्जर, यशवीर सुरा, तनु शर्मा और सीताराम यादव के नाम शामिल हैं

वार्ड मेंबर का भाग्य खुलेगा, इसका पता तो नामांकन वाले दिन ही चल पाएगा, जब कांग्रेस पार्टी अपने घोषित उम्मीदवार को सिंबल आवंटित करेगी

उल्लेखनीय है कि उप जिला प्रमुख मोहन डागर वार्ड मेंबर का चुनाव हार गए अन्यथा मोहन डागर भी जिला प्रमुख पद के प्रमुख दावेदार होते, क्योंकि डागर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दोनों के काफी करीबी हैं, इसलिए अगर डागर चुनाव में विजय होते तो उनके जिला प्रमुख पद पर विराजमान होने के प्रबल चांस थे

जानकार लोगों का कहना है कि जयपुर जिला प्रमुख पद सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित है जिसमें महिला और पुरुष कोई भी उम्मीदवारी कर सकता है, इसलिए अगर कांग्रेस पार्टी यहां पर सामान्य वर्ग में महिलाओं में अच्छा संदेश देने के बारे में सोचेगी तो उसमें 24 साल की तनु शर्मा के नाम पर विचार करने की ज्यादा संभावना बताई जा रही है।

दूसरी तरफ श्रवण गुर्जर ओबीसी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं इसलिए जातिगत समीकरण साधने की कोशिश में श्रवण गुर्जर के नाम पर विचार किया जा सकता है तो दूसरी तरफ यशवीर सुरा जो पूर्व में राजस्थान युवा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रह चुके हैं और संगठन में काम करने का इन्हें अच्छा अनुभव है इसलिए इनका नाम भी चर्चा में है, इसके अलावा यादव समाज में अच्छा मैसेज देने के लिए सीताराम यादव के नाम पर भी विचार कर सकती है।

गुरु नानक देव जी का प्रकाश पुरब हर्षोल्लास से मनाया

जयपुर। सिक्ख धर्म के संस्थापक व प्रथम गुरु, श्री गुरु नानक देव जी के 24 नवंबर को प्रकाश पुरब के उपलक्ष्य पर रविवार को हर्षोल्लास के साथ नगर कीर्तन निकाला गया। यह आयोजन पानीपेच स्थित गुरुद्वारा नेहरू नगर की ओर से जन समूह को संदेश देने के किया

- मोबाइल होर्डिंग द्वारा गुरु नानक देव जी की मुख्य शिक्षाओं का प्रदर्शन किया। पुलिस बैंड के साथ नगर कीर्तन सिंधी कॉलोनी,पुलिस अकादमी रोड से होते हुए नेहरू नगर गुरुद्वारे पहुंचा

गया। सर्वप्रथम गुरुद्वारा में भाई मंदीप सिंह द्वारा मर्यादानुसार नगर कीर्तन प्रारंभ करने के लिए अरदास की गई। उपरांत, गुरुद्वारा सचिव, सूर्य उदय सिंह के नेतृत्व में माधो सिंह सर्किल, बनीपार्क पर संगत एकत्रित हुई, जिसके पश्चात पांच प्यारों की अगुवाई में, श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की फूलों से सजी पालकी निकली।

संगत ने गुरु नानक देव जी की महिमा के शबद गायन किए। पूरा वातावरण रूहानी और आत्मिक हो गया। धन गुरु नानक और जो बोले सो निहाल के जयकारे चारों तरफ गूंज रहे थे, जिसने संगत को भावविभोर कर दिया।



पानीपेच के गुरुद्वारा नेहरू नगर द्वारा नगर कीर्तन का आयोजन हुआ।

नगर कीर्तन का मुख्य आकर्षण तख्तियों द्वारा गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं का प्रदर्शन रहा। साथ ही बच्चों के गतका (मार्शल आर्ट) प्रदर्शन ने सभी को हैरान कर दिया। इसके साथ ही, मोबाइल होर्डिंग द्वारा गुरु नानक देव जी की मुख्य शिक्षाओं का प्रदर्शन किया गया। पुलिस बैंड के साथ नगर कीर्तन सिंधी कॉलोनी, भास्कर मार्ग और पुलिस अकादमी रोड से होते हुए नेहरू नगर गुरुद्वारे पहुंचा। यहां फूलों की वर्षा और आतिशबाजी के साथ नगर कीर्तन का भव्य समापन हुआ।

प्रधान जगमोहन सिंह आनंद ने बताया कि प्रकाश पुरब के उपलक्ष्य में विशेष दीवान 23 नवंबर शाम को और 24 नवंबर की सुबह से रखा जाएगा। जिसमें भाई कुलजीत सिंह जी नीरोबी वाले, भाई अरविंदर सिंह जी, हजूरी रागी दरबार साहिब, भाई हरमीत सिंह जी जम्मू-कश्मीर से शबद कीर्तन व कथा से संगत को निहाल करेंगे। शाम के दीवान में बच्चों द्वारा शबद गायन भी होगा और दोनों दिन गुरु का लंगर अटूट बरताया जाएगा। गुरुद्वारा सचिव, सूर्य उदय सिंह ने बताया कि प्रकाश पुरब से पहले नगर कीर्तन का चलन वर्षों पुराना है। इसका उद्देश्य ईश्वरीय संदेश को जन-जन तक पहुंचाना और आमजन को सेवा, एकता और भाईचारे का संदेश देना है। इसके साथ ही, जन समूहों को विभिन्न आयोजनों से अवगत करवाना भी है।

जयपुर में बाइक चोरों का आतंक

जयपुर। राजधानी में बाइक चोरों के हौसले बुलंद हैं। शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरों ने मोटरसाइकिल चोरी की लगातार वारदातों को अंजाम दिया। घरों के बाहर खड़ी बाइक से लेकर बैंक, पार्किंग और सार्वजनिक स्थानों पर रखे वाहनों तक को निशाना बनाया गया। सांगानेर, खो-नागोरियान, करणी विहार, वैशाली नगर, हरमाड़ा, मानक चौक, मानसरोवर और झालाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं सामने आई हैं। लगातार हो रही वारदातों से वाहन सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सांगानेर थाना क्षेत्र में चोर दो मोटरसाइकिलें चोरी कर ले गए। खो-नागोरियान इलाके में जेएनयू के पास खड़ी बाइक को निशाना बनाया गया। वहीं, करणी विहार थाना क्षेत्र में पार्किंग और घर के बाहर खड़ी दो मोटरसाइकिलें चोरी हो गईं।

वैशाली नगर में कोटक महिंद्रा बैंक के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी हो गई। हरमाड़ा थाना क्षेत्र में सीतावाली फाटक के पास रानी बाग गार्डन के बाहर खड़ी बाइक को चोर ले गए। इसके अलावा मानक चौक इलाके में गोपालजी के रास्ते से भी एक मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है।मानसरोवर के अशोक विहार में 20 नवंबर को हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल चोरी हो गई। इसी दिन अग्रवाल फार्म इलाके में घर के बाहर खड़ी स्मार्ट स्प्लेंडर को भी चोर ले गए। वहीं, झालाना घोड़ इलाके में रामतीर्थ मार्ग से यामाहा आर-15 मोटरसाइकिल चोरी हुई।

मुख्यमंत्री जनादेश की वास्तविकता स्वीकार करें : टीकाराम जूली

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पंचायत राज चुनावों में भाजपा की करारी हार पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा लगता है जनता के इस स्पष्ट जनादेश को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। पंचायत राज चुनावों के परिणाम भाजपा सरकार के प्रति जनता की नाराजगी और कांग्रेस के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रमाण हैं। जिला परिषद चुनावों में कांग्रेस को भाजपा से 13 लाख 95 हजार 817 वोट अधिक मिले हैं। कांग्रेस को 43.40 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए जबकि भाजपा को मात्र 37.77 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए हैं। पिछले तीन दशकों में राजस्थान के जिला परिषद चुनावों में भाजपा की यह सबसे बड़ी पराजय है। जूली ने कहा कि पंचायत समिति चुनावों में भी कांग्रेस को 39.15 प्रतिशत वोट मिले हैं, जबकि भाजपा 33.78 प्रतिशत पर सिमट गई।

इन परिणामों से साफ है कि ग्रामीण राजस्थान ने भाजपा सरकार के खिलाफ अपना फैसला सुना दिया है। मुख्यमंत्री जी को समझना चाहिए कि जनता का विश्वास खोने के बाद केवल बयानबाजी से राजनीतिक वास्तविकता नहीं बदल सकती।

- 'जिला परिषद चुनावों में कांग्रेस को भाजपा से 13 लाख 95 हजार 817 वोट अधिक मिले, वोट प्रतिशत में भी कांग्रेस को स्पष्ट बढ़त'

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इससे पहले शहरी निकाय चुनावों में भी भाजपा को जनता ने करारा झटका दिया था। वहां कांग्रेस और भाजपा के बीच मतों का अंतर एक प्रतिशत से भी कम था। इसके बावजूद भाजपा ने सत्ता का जमकर दुरुपयोग किया और चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। लेकिन तमाम सरकारी ताकत और संसाधनों के इस्तेमाल के बावजूद भाजपा जनता का विश्वास नहीं जीत सकी। अब पंचायत चुनावों में आए नतीजों ने भाजपा की राजनीतिक स्थिति पूरी तरह स्पष्ट कर दी है। जूली ने मुख्यमंत्री से कहा कि इन दोनों चुनावों के परिणामों के बाद वास्तविकता यह है कि आप जनमत खो चुके हैं। इस्तीफा देना है या नहीं, यह आपकी पार्टी का आंतरिक विषय है।लेकिन जनता का विश्वास खो चुकी।

सार-समाचार

पूर्व छात्र यूनियन मसोसा ने एमबीसीएल 6.0 की उद्घोषणा की



जयपुर। रविवार को तिलक नगर स्थित विद्यालय में पूर्व छात्र यूनियन मसौसा की बैठक मसोसा अध्यक्ष सीए शरद काबरा की अध्यक्षता में पूर्व छात्र टीमों के कप्तानों, टीम प्रायोजकों और कार्यकारिणी सदस्यों के साथ सम्पन्न हुई। मसोसा विगत पांच वर्षों से सफलतापूर्वक पूर्व छात्रों में सहयोग और सद्भावना बढ़ाने के लिए प्रतिष्ठित खेल प्रतियोगिता एम बी सी एल का आयोजन जय क्लब में करता आ रहा है। बैठक में अगले वर्ष 2027 में होने वाला एम बीसी एल 6.0 संस्करण बैच 97 द्वारा योगेश तवंर के नेतृत्व में किया जाएगा की घोषणा करी गई। बैठक में मौजूद सभी सदस्यों के सुझाव लिए गए और टीमों के प्रायोजकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही साथ बैच 93 को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस वर्ष के एमबीसीएल 5.0 के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए। बैठक में विनय अग्रवाल उपाध्याय, संजीव जैन-मंत्री अभिषेक लाटा-कोषाध्यक्ष ,राजीव नागौरी, अजय मालपाणि, कार्यकारी सदस्य एवं छात्र टीमों के कप्तानो के साथ टीम प्रायोजक उपस्थित रहे। बैठक में टीम 97 के रजत शर्मा, पवन मधेपुरिया और आशीष मोदी ने आगामी प्रतियोगिता से संबंधित अपने विचार रखे।

शादी में युवक का 3.25 लाख रुपए से भरा बैग चोरी

जयपुर। हरमाड़ा थाना इलाके में बहन की शादी में भात की रस्म निभाने पहुंचे एक युवक का रुपयों से भरा बैग चोरी हो गया। बैग में 3 लाख 25 हजार रुपए रखे हुए थे। घटना सीकर रोड स्थित मंगल बेला गार्डन की है। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार चावंड का मंड निवासी पप्पू शर्मा 21 नवंबर को अपनी बहन की शादी में भात की रस्म निभाने मंगल बेला गार्डन पहुंचा था। दोपहर करीब 2:30 बजे रस्म के दौरान उसका रुपयों से भरा बैग गायब हो गया। रस्म पूरी होने के बाद जब उसने बैग संभाला तो वह नहीं मिला। बैग में 3 लाख 25 हजार रुपए रखे हुए थे। काफी तलाश करने के बावजूद बैग का पता नहीं चलने पर पप्पू शर्मा ने हरमाड़ा थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है।

टोल प्लाजा पर फायरिंग करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। रिंग रोड स्थित सीतारामपुरा टोल प्लाजा पर फायरिंग कर दहशत फैलाने के मामले में सांगानेर सदर थाना पुलिस और जयपुर दक्षिण जिला विशेष टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अवैध पिस्टल बरामद की हैं। वारदात में इस्तेमाल की गई कैंपर गाड़ी भी जब्त कर ली गई है। रविवार को पुलिस दोनों आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच घटनास्थल पर मौका तस्दीक के लिए लेकर पहुंची। इस दौरान दोनों आरोपी पैरों में चोट के कारण लंगड़ाकर चलते नजर आए। जयपुर दक्षिण के पुलिस उपायुक्त राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी धनराज उर्फ डीके गुर्जर (26), निवासी सूरजपुरा, जयपुर दक्षिण और बनवारी मीणा उर्फ बन्नू चांदा, निवासी थूणी मंगलदास, जयपुर दक्षिण हैं। प्लाजा पर बिना नंबर की कैंपर गाड़ी में सवार होकर आए बदमाशों ने टोल का बैरियर तोड़ दिया था। इसके बाद टोलकर्मियों को जान से मारने और दहशत फैलाने की नीयत से फायरिंग की थी। घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। अनुसंधान के दौरान डीके गुर्जर के पास से वारदात में इस्तेमाल की गई अवैध पिस्टल बरामद की गई।

भाजपा वह पार्टी, जो जीत और हार के बाद समान रूप से समीक्षा करती है : शेखावत

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि डबल इंजन सरकार होने के बावजूद पंचायत चुनाव में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलना भारतीय जनता पार्टी के लिए आत्मावलोकन का अवसर है। सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ जनता तक पहुंचाने में कहां कमी रह गई? पार्टी इसकी समीक्षा करेगी और जरूरी सुधार भी करेगी। उन्होंने कहा कि यह समीक्षा जमीनी स्तर, जिला स्तर और निर्वाचन क्षेत्र के स्तर पर होगी, और बाद में जयपुर में भी की जाएगी।

रविवार को पार्टी कार्यालय में मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ऐसी पार्टी है, जो जीत और हार दोनों परिस्थितियों में पूरे सम्मान और ऊर्जा के साथ परिणामों की समीक्षा करती है। भाजपा के कार्यकर्ता और नेता चुनावी परिणामों से निराश होने वाले नहीं हैं। यह वह पार्टी है, जिसने दो सीटों से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू कर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने तक का सफर तय किया है। इसलिए किसी एक चुनाव का परिणाम पार्टी के आत्मविश्वास और संकल्प को प्रभावित नहीं कर सकता।

- पंचायतीराज चुनावों के नतीजों पर कहा, पार्टी समीक्षा करेगी और जरूरी सुधार भी करेगी

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार के कामकाज, डिलीवरी और प्रदर्शन को जनता तक पहुंचाने में जहां भी कमी रह गई है। इस पहलू पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। पार्टी यह आकलन करेगी कि सरकार के काम और योजनाओं का संदेश जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में कहां चूक हुई। शेखावत ने वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव को लेकर विश्वास जताया कि भारतीय जनता पार्टी फिर से सत्ता में वापसी करेगी।

अशोक गहलोत के चौथी बार मुख्यमंत्री पद की दावेदारी से जुड़े सवाल पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि यह उनकी पार्टी का विषय है, लेकिन वर्ष 2028 में भाजपा राजस्थान में सरकार रिपीट कर रही है, वर्ष 2034 में यदि उनकी पार्टी ने उनको कोई संकेत दिया है तो उनको निर्णय करना है।

जयपुर पुलिस को 10 नए पेट्रोलिंग वाहन मिले

झोटवाड़ा क्षेत्र के 10 थानों को नए वाहन मिले

जयपुर। जयपुर पुलिस की गश्त व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से रविवार को पुलिस थाना करधनी (पश्चिम) परिसर में 10 नए पेट्रोलिंग वाहनों का फ्लैग ऑफ समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं पुलिस कमिश्नर जयपुर सचिन मित्तल ने फ्लैग ऑफ कर 10 नए पेट्रोलिंग वाहनों को रवाना किया।

- कमिश्नर सचिन मित्तल ने कहा कि नए पेट्रोलिंग वाहनों से विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की गश्त व्यवस्था को मजबूती मिलेगी



कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने फ्लैग ऑफ कर वाहनों को रवाना किया।

मंत्री कर्नल राठौड़ ने कहा कि अपराध नियंत्रण में जयपुर पुलिस द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है। झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के 10 थानों को पेट्रोलिंग वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्यक्षमता बढ़ाने और आमजन को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाना उनकी प्राथमिकता है।

पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय एवं सहयोग से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने कहा कि नए पेट्रोलिंग वाहनों से विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की गश्त व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इससे पुलिस की क्षेत्र में निगरानी, अपराध नियंत्रण तथा आपात परिस्थितियों में त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने की क्षमता में भी वृद्धि होगी।

इस कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर, कानून एवं व्यवस्था डॉ. अजय सिंह, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (यातायात एवं प्रशासन) प्रदीप मोहन शर्मा, उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण सहित जयपुर पश्चिम जिले के अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद रहे।

कोटा शंभूपुरा बाईपास पर सड़क हादसा, खाटूश्यामजी से लौट रहे 9 लोगों की मौत

हाईवे पर जा रहे ट्रक के चालक ने गाड़ी चेक करने के लिए उसे सड़क पर ही रोका था और नीचे उतरा था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही क्रूजर सीधे खड़े ट्रक में जा घुसी

कोटा, (निसं)। नेशनल हाईवे 52 पर कोटा के शंभूपुरा बाईपास के पास शनिवार देर रात एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। खाटू श्यामजी के दर्शन कर महाराष्ट्र लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक क्रूजर गाड़ी सड़क पर खड़े ट्रक में जा घुसी। रात करीब 12.30 बजे हुए इस भीषण हादसे में नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि आठ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस हादसे पर पीएम ने भी दुख जताया है।

पुलिस उप अधीक्षक पंचम हिमांशु सिंह ने बताया कि मूल रूप से महाराष्ट्र के धुले निवासी यह लोग हैं। यह बीते 6 दिनों से राजस्थान की धार्मिक यात्रा पर थे। दुर्घटना में 9 लोगों की मौत हुई है। इनमें ऊषाबाई पत्नी सज्जन, सुशीला पत्नी बाबूलाल पंवार, कैलाश पुत्र भगवान पंवार, सानवी पुत्री गणेश, सज्जन पुत्र दौलत पंवार, अनीता पुत्री कैलाश, बाबूलाल पंवार पुत्र दौलत पंवार, जानवी पुत्री कैलाश पंवार, माधवी पत्नी गणेश पंवार हैं। इस हादसे में 8 लोग घायल हैं जिनमें मनीषा पत्नी शरद पंवार, मयूरी पुत्री शरद पंवार, जगदीश पुत्र कैलाश पंवार, श्रीजीत पुत्र गणेश पंवार, शरद पुत्र बाबूलाल पंवार, गणेश पुत्र सैयद पंवार और क्रूजर चालक कैलाश और ट्रक चालक हारून पुत्र सलीम है। पुलिस उपअधीक्षक (द्वितीय) राजेश टेलर ने बताया कि हाईवे पर जा रहे ट्रक के चालक ने गाड़ी चेक करने के लिए उसे सड़क पर ही रोका था और नीचे उतरा था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही क्रूजर सीधे खड़े ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि क्रूजर के परखच्चे उड़ गए और अधिकांश श्रद्धालुओं ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस भिड़ंत में ट्रक चालक भी घायल हुआ है।

पुलिस उप अधीक्षक राजेश टेलर ने बताया कि यह लोग मंगलवार रात 10 बजे तीन गाड़ियों में सवार होकर करीब 36 लोग राजस्थान की धार्मिक यात्रा के लिए महाराष्ट्र के धुले से निकले थे। यह लोग सबसे पहले मध्यप्रदेश के ओंकारेश्वर, उज्जैन महाकाल गए। उसके बाद सांवरिया जी, पुष्कर, अजमेर, सालासर बालाजी और खाटू श्यामजी के दर्शन इन्होंने किया। महाराष्ट्र के रहने वाले श्रद्धालु तीन गाड़ियों के काफिले में खाटू श्यामजी के दर्शन करने आए थे।

दर्शन के बाद सभी लोग वापस अपने घर महाराष्ट्र लौट रहे थे। बूंदी की तरफ से आते हुए जब उनका काफिला शंभूपुरा गांव के नजदीक पहुंचा तो सबसे आगे चल रही क्रूजर गाड़ी अनियंत्रित होकर ट्रक से टकरा गई। इस दुर्घटना में अधिकांश की मौत मौके पर ही हो गई थी। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने शेष गंभीर घायलों को भी मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सभी नौ मृतकों के शवों को मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। जबकि आठ घायलों का ईलाज जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम सहित तमाम आला अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने बिना देर किए अपने वाहनों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। टक्कर के बाद क्रूजर चालक और कई यात्री बुरी तरह से क्षतिग्रस्त वाहन में फंस गए थे, जिन्हें कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस प्रशासन के साथ-साथ अस्पताल प्रबंधन को भी अलर्ट मोड पर रखा गया था। मौके पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजेश जोशी व एडीएम सिटी विनोद कुमार मल्होत्रा सहित कई अधिकारी अस्पताल पहुंच गए थे।

अस्पताल प्रबंधन ने तत्काल आनन-फानन में इमरजेंसी में सभी डॉक्टर को बुला लिया था। अस्पताल पहुंचने के बाद तत्काल घायलों का ईलाज शुरू किया गया। कोटा शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि दुर्घटना के पूरे मामले में जांच पड़ताल की जा रही है। यह लोग खाटू श्यामजी से आकर धार मध्यप्रदेश होते हुए धुले महाराष्ट्र जा रहे थे। इनके अन्य परिजन भी दूसरी गाड़ी में थे। मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा। एडीएम राजेश जोशी ने बताया कि पुलिस ने काफी तत्परता दिखाते हुए इन लोगों को अस्पताल पहुंचाया है। घटना के मामले में जांच भी करवाई जाएगी।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर कहा है कि राजस्थान के कोटा में हुए दुखद हादसे में लोगों की जान जाने से वे बेहद दुखी हैं और इस दुख की घड़ी में उनकी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

बैंक से 14.23 लाख की चोरी का फरार आरोपी पकड़ा

डूंगरपुर, (निसं)। चितरी थाना क्षेत्र में आरबीएल फिनसर्व लिमिटेड बैंक से 14 लाख 23 हजार 217 रुपए की चोरी के मामले में पुलिस ने अंतरराज्यीय चोर गिरोह के फरार इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मुकेश डामोर गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने और वेश बदल रहा था। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से राजस्थान और गुजरात में दबिश देकर उसे गिरफ्तार किया। इस मामले में पुलिस पहले ही गिरोह के तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा कर चुकी है।

चितरी थानाधिकारी रमेश मीणा ने बताया कि आरबीएल फिनसर्व लिमिटेड बैंक के ब्रांच मैनेजर राजेश कुमार सैनी ने 7 सितंबर 2026 को थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट के अनुसार 6 सितंबर की रात करीब 11 बजे तीन दिन का कैश मिलान कर 14,23,217 रुपए बैंक के लॉकर में रखे गए थे। इस दौरान लॉकर की चाबियां बैंक में ही छोड़ दी गई थीं। अगले दिन सुबह बैंक पहुंचने पर लॉकर, अलमारी और ड्रॉअर खुले मिले। जांच करने पर बैंक से पूरी नकदी गायब मिली।

फॉर्च्यूनर कार से 489 किलो 420 ग्राम डोडा चूरा बरामद



राजसमंद पुलिस और पाली डीएसटी की संयुक्त टीम ने बडी कार्रवाई कर मादक पदार्थ जब्त किए।

राजसमंद। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत राजसमंद पुलिस और पाली डीएसटी की संयुक्त टीम ने बडी कार्रवाई को अंजाम दिया है।

- **जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित बाजार कीमत करीब 74 लाख रुपये आंकी गई**

पुलिस ने चारभुजा थाना क्षेत्र में एक फॉर्च्यूनर कार से 489 किलो 420 ग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद किया है। साथ ही एक देशी पिस्टल और पांच जिंदा कारतूस भी जब्त किए हैं। जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित बाजार कीमत करीब 74 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार 22 नवंबर 2026 की रात्रि में चारभुजा थाना सर्कल के मानावतों का गुडा-नीचला घाटडा रोड पर मागेला के पास सडक किनारे खाई में सफेद रंग की फॉर्च्यूनर कार पलटी हुई मिली। पुलिस ने जेसीबी की सहायता से कार को सीधा करवाकर खडा किया।

तीन बाल श्रमिक मुक्त कराए

डूंगरपुर। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, कोतवाली पुलिस और सृष्टि सेवा समिति की टीम ने तीन बाल श्रमिकों को मुक्त कराया। यह कार्रवाई बाल अधिकारिता विभाग की ओर से संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन ने की। चाइल्ड हेल्पलाइन के सुपरवाइजर कमलेश जैन ने बताया कि 1098 पर कोतवाली थाना क्षेत्र में बच्चों से बालश्रम कराने की सूचना मिली थी। इसके बाद चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक मेहुल शर्मा ने कोतवाली पुलिस को इसकी जानकारी दी। संयुक्त टीम ने बिलडी स्थित भेरूनाथ कचोरी सेंटर से एक बालक को मुक्त कराया। सिन्टेक्स मील के पास भवन निर्माण के काम में लगे दो बालकों को भी मुक्त कराया गया।

लेपर्ड ने 6 बकरियों का शिकार किया

उदयपुर (कास)। जिले के भीण्डर थाना क्षेत्र के वाणियातलाई गांव में बीती रात लेपर्ड ने एक बाड़े में घुसकर 6 बकरियों का शिकार कर लिया। सुबह जब मालिक उठा तो बाड़े में बकरियां मृत पड़ी दिखीं। लेपर्ड के हमले में सभी 6 बकरियों मर गईं।

घटना शनिवार रात की है। सरकारी सी. सैकंडरी स्कूल से करीब 300 मीटर दूर मोडा पुत्र अमरा रावत के बाड़े में घुसकर लेपर्ड ने बाड़े में बंधी हुई बकरियोंका शिकार किया। घटना के बाद ग्रामीणों की बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई। सूचना पर भींडर थाना पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटना का जायजा लिया।

कार और टेम्पो ट्रेवलर मिनी बस की भिड़ंत में तीन लोगों की मौत

जोधपुर, (कासं)। शनिवार देर शाम देचू थाना क्षेत्र के मंडला के पास कार और टेम्पो ट्रेवलर मिनी बस की आमने-सामने भिड़ंत में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हो गए। हादसे में कार सवार मध्य प्रदेश के दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मिनी बस में सवार एक घायल ने जोधपुर के अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस और एम्बुलेंस की मदद से घायलों को देचू अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया।

- **हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस और एम्बुलेंस की मदद से घायलों को देचू अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया।**

जानकारी के अनुसार, शनिवार देर शाम देचू थाना क्षेत्र के मंडला के पास कार और मिनी बस की आमने-सामने टक्कर हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची तथा घायलों को तत्काल देचू अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने कार सवार दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान मध्य प्रदेश के देवास निवासी मुकेश बालोटिया और देवास जिले के सोनकच निवासी राजेंद्र पुत्र नथरिया के रूप में हुई है।

देचू अस्पताल प्रभारी कैलाश बिश्नोई के अनुसार, हादसे के बाद कुल 20 लोगों को अस्पताल लाया गया था। इनमें दो की मौत हो चुकी थी। शेष 18 घायलों में से 14 को प्राथमिक उपचार के बाद 108 एम्बुलेंस की मदद से जोधपुर रेफर किया गया। चार घायलों को मामूली चोटें आने पर उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। जोधपुर के मथुरादास माथुर (एमडीएम) अस्पताल पहुंचने पर घायलों में शामिल जयंतीभाई (45) की भी मौत हो गई। इस तरह हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई, जबकि 17 लोग घायल हैं।

हादसे का शिकार हुई मिनी बस में गुजरात के पालनपुर और आसपास के क्षेत्रों के 18 यात्री सवार थे। घायलों में नीलाबेन (50), रेयांश (2), सवाई सिंह (23), सतीश पटानी (12), भावना (16), हसमुख पटानी (30), आरती (24), कैलाशबेन (30), सुनीता (25), मंजूबेन (40), जितेन (42), पूजाबेन (26), सचिन (28), भरतलाल पटानी (50), अनिल (36), मनोजभाई (28) और राहुलभाई (26) शामिल हैं। इनमें अधिकांश यात्री पालनपुर और दांतीवाड़ा बनास फांटा क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं।

हादसे में दो दर्जन से अधिक लोग घायल

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के केरू इलाके के पास एक तेज रफ्तार कैंपर गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में गाड़ी में सवार दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद सभी घायलों को उपचार के लिए मथुरादास माथुर अस्पताल लाया गया। दो घायलों की हालत गंभीर है।

हादसे के बाद गाड़ी में सवार घायल लोगों ने पुलिस और चालक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। घायलों का कहना है कि पुलिस की गाड़ी उनकी कैंपर का पीछा कर रही थी। पुलिस से बचने के चक्कर में चालक वाहन को काफी तेज गति से भगा रहा था।गाड़ी में बैठे लोगों ने आरोप लगाया कि चालक से गाड़ी रोकने की गुहार भी लगाई, लेकिन गाड़ी नहीं रोकी। इसी दौरान तेज रफ्तार के कारण कैंपर बेकाबू होकर सड़क पर पलट गई। हादसे के शिकार हुए यात्री रायसर से कोलायत तीर्थस्थान के लिए जा रहे थे। करीब 25 लोग गाड़ी में सवार थे।वहीं इस पूरे मामले को लेकर झंवर थाना अधिकारी प्रहलाद सिंह का कहना है कि पुलिस ने किसी गाड़ी का पीछा नहीं किया। पिकअप चालक मोड पर संतुलन खो बैठा और गाड़ी पलटी खा गई। जिसकी वजह से हादसा हो गया।

देशनोक रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

जोधपुर, (कासं)। देशनोक में आयोजित होने वाली प्रसिद्ध धार्मिक परंपरा माता करणी के ओरण परिक्रमा के दृष्टिगत मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने आज देशनोक रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं एवं यात्रियों की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक, बीकानेर गौरव गोविल भी उनके साथ उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक त्रिपाठी ने स्टेशन पर आरक्षण एवं टिकट बुकिंग काउंटर, पैनल रूम, प्रतीक्षालय, सर्कुलेटिंग एरिया, यात्रियों के बैठने के लिए उपलब्ध स्थान तथा अन्य यात्री सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन परिसर की साफ-सफाई, यात्रियों के आवागमन, भीड़ प्रबंधन एवं श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंडल रेल प्रबंधक ने निर्देश दिए कि ओरण परिक्रमा के दौरान देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए स्टेशन पर यात्री सुविधाओं, स्वच्छता, सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही यात्रियों के बैठने एवं आवागमन के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध रखने तथा सभी व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने बताया कि देशनोक रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में और अधिक विस्तार करने के उद्देश्य से विकास एवं उन्नयन कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाएंगे।

बूंदी महोत्सव : 5 से 7 फीट लंबी मूंछें और 30 किलो तक की पगड़ियां



बूंदी उत्सव में प्रसिद्ध बीकानेर बियर्ड ग्रुप अपनी प्रस्तुति देगा।

बूंदी (निसं)। बूंदी उत्सव-2026 में इस बार राजस्थान की शाही आन-बान-शान, लोक परंपरा और सांस्कृतिक गौरव का अनूठा नजारा देखने को मिलेगा। उत्सव में बीकानेर का प्रसिद्ध बीकानेर बियर्ड ग्रुप अपनी विशिष्ट पहचान और अनूठी प्रस्तुतियों के साथ आकर्षण का केंद्र बनेगा। ग्रुप के कलाकार अपनी 5 से 7 फीट तक लंबीमूंछों, 8 से 30 किलोग्राम तकवजनी विशाल पारंपरिक पगड़ियों और राजस्थानी वेशभूषा के जरिए प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करेंगे।

- **बूंदी उत्सव में दिखेंगी बीकानेर की शाही आन-बान-शान**
- **बीकानेर बियर्ड ग्रुप के कलाकार अपनी अनूठी मूंछों, विशाल पगड़ियों और राजस्थानी पारंपरिक वेशभूषा से बिखेरेंगे लोक संस्कृति के रंग, 27 नवंबर को भव्य शोभायात्रा में होंगे शामिल**

बीकानेर निवासी श्याम सुंदर जोशी के नेतृत्व में पिछले 7-8 वर्षों से यह समूह राजस्थान की लोक संस्कृति, पारंपरिक पहनावे और राजसी शान को देशभर में पहचान दिलाने में जुटा है। समूह ने कोटा महोत्सव, गणगौर उत्सव, ब्रज की होली, माउंट आबू के सांस्कृतिक आयोजनों, दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले और जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों में अपनी प्रस्तुतियों से विशिष्ट पहचान बनाई है। पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक शरद व्यास ने बताया कि बूंदी उत्सव के तहत 27 नवंबर को सुबह 9 बजे गढ़ पैलेस से पुलिस परेड ग्राउंड तक निकलने वाली भव्य शोभायात्रा में बीकानेर बियर्ड ग्रुप के कलाकार शामिल होंगे। इस दौरान शहरवासी और पर्यटक कलाकारों की अनूठी वेशभूषा, लंबी मूंछों और विशाल पगड़ियों को करीब से निहार सकेंगे तथा उनके साथ यादगार सेल्फी भी ले सकेंगे।

सहायक पर्यटन अधिकारी प्रेमशंकर सैनी ने बताया कि बीकानेर बियर्ड ग्रुप की सबसे बड़ी विशेषता इसकी असाधारण मूंछें और विशाल पगड़ियां हैं। समूह के कई सदस्यों की मूंछें 5 से 7 फीट तक लंबी हैं। कलाकार मूंछों के सहारे तलवार थामने जैसे अनूठे करतबों से दर्शकों को रोमांचित करते हैं। वहीं 8 से 30 किलोग्राम तक वजन वाली पारंपरिक पगड़ियां घंटों धारण कर राजस्थानी परंपरा के प्रति अपनी निष्ठा और गौरव का परिचय देते हैं।

समूह के सदस्य अपनी दाढ़ी और मूंछों की देखभाल के लिए भी पारंपरिक प्राकृतिक तरीकों को अपनाते हैं। मुल्तानी मिट्टी, दही, छाछ और प्राकृतिक तेलों से इनकी देखभाल की जाती है। उनके लिए मूंछें महज व्यक्तित्व का हिस्सा नहीं, बल्कि सम्मान, स्वाभिमान और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक हैं। श्याम सुंदर जोशी और उनकी टीम का उद्देश्य केवल मनोरंजन करना नहीं, बल्कि राजस्थान की राजसी विरासत, पारंपरिक वेशभूषा और लोक संस्कृति को देशभर में प्रोत्साहित करना है। इंडिया टैलेंट फाइट से प्रेरित होकर समूह के सदस्यों में अपने इस अनूठे सांस्कृतिक हुनर को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने का उत्साह भी बढ़ा है। समूह अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से नई पीढ़ी को धोती-कुर्ता, पारंपरिक जूती, पगड़ी और मूंछों जैसी सांस्कृतिक पहचान से जुड़ने का संदेश देता है।

सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपियों को आजीवन तक कारावास

भीलवाड़ा, (निसं)। पोक्सो न्यायालय संख्या-01 ने नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में सख्त फैसला सुनाते हुए दो आरोपियों को शेष प्राकृतिक जीवन तक कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने ईशु हरिजन पर 50 हजार रुपये और आकाश सांसी पर 35 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

रिपोर्ट के अनुसार, 31 दिसंबर 2024 को शाम करीब 6:30 बजे नाबालिग पीड़िता, जो झाड़ू-पोंछे का काम करती है, रुक्मणी कॉलोनी जा रही थी। रास्ते में उसे उसकी सहेली का पति ईशु हरिजन मिला। उसने पीड़िता से कहा कि उसकी सहेली को लड़की हुई है और वह मिलने बुला रही है। भरोसे में आकर नाबालिग उसकी मोटरसाइकिल पर बैठ गई। आरोप है कि ईशु उसे जबरन पालड़ी नदी के पास जंगल में ले गया, जहाँ उसके साथी आकाश सांसी और एक अन्य व्यक्ति पहले से मौजूद थे। वहाँ पीड़िता का फोन स्विच ऑफ कर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इस दौरान आकाश सांसी और अन्य ने पीड़िता के हाथ-पैर पकड़े। साथ ही फोन से जबरन पैसे ट्रांसफर कराने का दबाव बनाया गया और सोने का मांदलिया छीनने का प्रयास किया गया।

किसी तरह भागकर पीड़िता ने फोन ऑन किया और अपने भानजे को घटना की जानकारी दी। भानजा मौके पर पहुँचा तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की। इसी दौरान सुभाषनगर थाना पुलिस की गाड़ी वहाँ पहुँची। पीड़िता ने पुलिस को घटना बताई और रात में प्रतापनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।

दो नदियों का संगम बना कुदरती अभयारण्य

बूंदी (निसं)। आमतौर पर वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए अभयारण्य और संरक्षण क्षेत्र घोषित किए जाते हैं, लेकिन बूंदी जिले में एक ऐसा अनूठा प्राकृतिक स्थल भी है, जहां किसी सरकारी घोषणा के बिना ही स्थानीय लोगों की धार्मिक आस्था वन्यजीवों के लिए सुरक्षा कवच बन गई है। घोड़ा पछाड़ और मांगली नदी का संगम स्थल प्रकृति, आध्यात्मिकता और जैव विविधता केसहअस्तित्वकी ऐसी ही अनूठी मिसाल पेश कर रहा है। यहां वन्यजीव निडर होकर विचरण करते हैं और जलीय जीवों को भी अपेक्षाकृत सुरक्षित प्राकृतिक आवास मिला हुआ है। दोनों नदियों के संगम के बाद संयुक्त जलधारा आगे कुरेल नदी के नाम से बहती है।

- **आस्था की ऐसी ढाल कि यहां बेखौफ विचरण करते हैं वन्यजीव**

संगम स्थल के दोनों किनारों पर श्रृंग ऋषि का प्राचीन आश्रम और शिव मंदिर स्थित हैं। धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व के चलते आसपास के ग्रामीणों की इस स्थान से गहरी आस्था जुड़ी हुई है। श्रद्धालुओं की नियमित आवाजाही के बावजूद यहां प्रकृति का शांत और सहज वातावरण बरकरार है। संगम के स्वच्छ जल में बड़ी संख्या में जलीयकछुएऔर विभिन्न प्रजातियों की मछलियां दिखाईदेतीहैं। वहीं आसपास के वन क्षेत्र में नीलगाय, राष्ट्रीय पक्षी मोर और स्थानीय व प्रवासी पक्षियों की अनेक प्रजातियां विचरण करती हैं। नदी किनारे मौजूद प्राकृतिक वनस्पति इन जीवों को अनुकूल आवास उपलब्ध कराती है।

इस स्थल की सबसे खास बात यह है कि धार्मिक आस्था और स्थानीय परंपराओं के चलते यहां वन्यजीवों का शिकार नहीं किया जाता। किसी औपचारिक सरकारी अधिसूचना के बिना ही यह क्षेत्र स्थानीय स्तर पर शिकार निषिद्ध क्षेत्र जैसी पहचान बना चुका है। यहां वन्यजीवों का बेखौफ विचरण इस बात का प्रमाण है कि सामुदायिक आस्था और प्रकृति के प्रति सम्मान भी जैव विविधता संरक्षण का प्रभावी माध्यम बन सकते हैं।

आस्था ने रोका शिकार, लेकिन अवैध रेत खनन बना बड़ी चुनौती

दो नदियों के संगम पर धार्मिक आस्था के चलते वन्यजीवों और जलीय जीवों का शिकार तो रुका हुआ है, लेकिन अवैध रेत खनन इस प्राकृतिक धरोहर के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है। नदी में जगह-जगह बने बड़े-बड़े गड्ढे और किनारों पर जमा रेत के ढेर लंबे समय से हो रही रेत निकासी की कहानी बयां कर रहे हैं।

रेत खनन से नदी की प्राकृतिक संरचना प्रभावित हो रही है। इससे जलीय कछुओं और अन्य जीवों के प्राकृतिक आवास तथा प्रजनन स्थलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। ऐसे में धार्मिक आस्था से सुरक्षित इस प्राकृतिक विरासत को अवैध खनन से बचाने के लिए प्रभावी निगरानी और संरक्षण की आवश्यकता है। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यहां की समृद्ध जलीय जैव विविधता प्रभावित हो सकती है।

पुष्कर: बालाजी की पूजा के साथ पुष्कर मेलें में अजमेर केसरी कुश्ती दंगल शुरू

अतिथियों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय व ग्रामीण पहलवानों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलता है और मेले की सांस्कृतिक पहचान समृद्ध होती है

पुष्कर। अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले के तहत दो दिवसीय 'पुष्कर मेला अजमेर केसरी कुश्ती दंगल-2026' का शुभारंभ पुष्कर मेला ग्राउंड में बालाजी महाराज की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। राजस्थान कुश्ती संघ के अध्यक्ष एवं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के ओएसडी राजीव दत्ता ने दंगल का शुभारंभ कर पहलवानों से परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि कुश्ती अनुशासन, आत्मविश्वास और ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है।

उद्घाटन अवसर पर पुष्कर नगर पालिका अध्यक्ष राजेंद्र बाकोलिया, आयोजन समिति अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह भाटी, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अरविंद शर्मा एवं राजस्थान राज्य कुश्ती संघ के सचिव सौरभ बजाड ने पूजा-अर्चना कर आयोजन की शुरुआत की। अतिथियों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय व ग्रामीण पहलवानों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलता है और मेले की सांस्कृतिक पहचान समृद्ध होती है।

रेफरी राम जाट के अनुसार विभिन्न भार एवं आयु वर्गों में हुए मुकाबलों में पहलवानों ने शानदार दांव-पेच दिखाए और कई खिलाड़ियों ने फाइनल में जगह बनाई।



लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के ओएसडी राजीव दत्ता ने दंगल का शुभारंभ किया।

- **अजमेर केसरी वर्ग में दिशांत, आर्यन शर्मा, अजय नारायण व कार्तिक सेन ने पहले दिन दिखाया दमखम**

अजमेर केसरी वर्ग में दिशांत, आर्यन शर्मा, अजय नारायण व कार्तिक सेन ने दमखम दिखाया। अजमेर कुमार वर्ग में मुकुल साहू, क्रिश, सिद्धार्थ, अयान खान, नितेश सिंह, शिवम, अर्जुन कसाना, राहुल जैन, लवलेश चौहान, फैजान व ग्यारसी लाल सहित अन्य पहलवानों ने भाग लिया। अजमेर बसंत वर्ग में धर्मवीर, प्रतीक बामणिया, महेंद्र, सुशील, धनराज, युवराज, डेनी, देव गुर्जर, दिनेश, मोहित, लाला राम गुर्जर, विराज, शंकर, ईशान चीता, प्रधान व कुंदर ने प्रतिभा दिखाई, जबकि अजमेर अभिमन्यु वर्ग में संदीप, रवि, कुणाल व आयुष ने अगले चरण में स्थान बनाया।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खान मोहम्मद, सीआईडी सी.आई. दिनेश कुमावत, नवनीत कौशल, मोनू बराड़, करण गुर्जर, दिनेश मुरसानी, शास्त्री लोकेश शर्मा, दीपेंद्र गौड़, कमल पुट्टी, सुनीत पुट्टी सहित आयोजन समिति सदस्य व बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

आयोजन समिति के अनुसार 23 नवंबर को पुष्कर मेला ग्राउंड में समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह होगा। इसमें केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत व राजीव दत्ता की उपस्थिति में विजेता एवं उपविजेता पहलवानों को सम्मानित कर आकर्षक नकद पुरस्कार दिए जाएंगे।

प्रवासी राजस्थानी दिवस के आयोजनों की तैयारियों को लेकर बैठक

जयपुर। प्रवासी राजस्थानी दिवस के उपलक्ष्य में 8 से 10 दिसंबर तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय विशेष आयोजनों की तैयारियों एवं रूपरेखा को लेकर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को शासन सचिवालय में बैठक ली। उन्होंने आयोजनों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए इनके सुव्यवस्थित आयोजन तथा राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, विकास यात्रा और निवेश की संभावनाओं को लेकर चर्चा की।

तीन दिवसीय आयोजनों में शेखावाटी हेरिटेज, सांस्कृतिक संध्या और प्रवासी राजस्थानी दिवस प्रमुख आकर्षण होंगे। यह कार्यक्रम भारतीय उद्योग संघ (सीआईआई) के सहयोग से आयोजित किया जायेगा।तीन दिवसीय आयोजनों की शुरुआत 8 दिसंबर को झुंझुनूं जिले के खेतड़ी स्थित अभयगढ़ में आयोजित होने वाले शेखावाटी हेरिटेज कार्यक्रम से होगी।

इसके माध्यम से शेखावाटी क्षेत्र की ऐतिहासिक हवेलियों, विशिष्ट स्थापत्य कला, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन की अपार संभावनाओं को वैश्विक पहचान दिलाने पर विशेष जोर रहेगा।

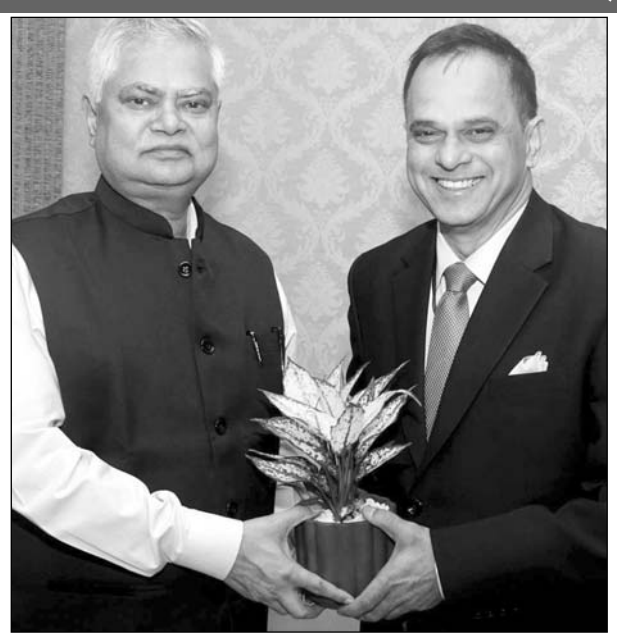
'एक राज्य, एक चुनाव' की भावना के अनुरूप राजस्थान के निर्वाचन प्रबंधन की सराहना

उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी के लिए मतदाताओं का अभिनंदन किया

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को शासन सचिवालय स्थित राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय में राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने नगरीय निकाय एवं पंचायतीराज चुनावों की अब तक की प्रक्रिया के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संचालन और निर्वाचन प्रबंधन में किए गए नवाचारों के लिए सिंह तथा आयोग की टीम को बधाई दी।

भेंट के दौरान 'एक राज्य, एक चुनाव' की व्यापक अवधारणा के संदर्भ में प्रदेश के निर्वाचन अनुभवों पर चर्चा हुई। राजस्थान में 'एक राज्य, एक चुनाव' के तहत नगरीय निकाय चुनाव दो चरण तथा पंचायतीराज चुनाव चार चरणों में आयोजित किए गए। इस व्यवस्था से मतदान केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा बलों की उपलब्धता और प्रशासनिक संसाधनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने में सहायता मिली।

नगरीय निकाय चुनावों में मतदान पिछली बार के 71.84 प्रतिशत से बढ़कर 73.56 प्रतिशत रहा। ग्राम पंचायत चुनावों में यह 82.86 से बढ़कर 83.72 प्रतिशत तथा जिला परिषद एवं पंचायत समिति चुनावों में 63.66 से बढ़कर 67.78 प्रतिशत रहा।



मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह से शिष्टाचार भेंट की।

- निकाय और पंचायतीराज चुनावों के सफल संचालन तथा नवाचारों पर दी बधाई

मतदाता जागरूकता के लिए 'एक शाम लोकतंत्र के नाम' और 'एक दीप लोकतंत्र के नाम' जैसे कार्यक्रमों के साथ निबंध, काव्यपाठ, रंगोली तथा मतदाता संवाद आयोजित किए गए।

निर्वाचन प्रबंधन में तकनीक के उपयोग के तहत दौसा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित 'दौसा बॉट' ने 1,142 अधिकारियों एवं कर्मचारियों के 16,762 प्रश्नों के उत्तर उपलब्ध कराए। जयपुर में वाहन अनुमति की ऑनलाइन व्यवस्था, चूरू एवं राजसमंद में वेबसाइट और क्यूआर कोड से निर्वाचन सामग्री की उपलब्धता तथा अभ्यर्थियों को नामांकन से पहले आवश्यक दस्तावेजों और प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण देने जैसे नवाचार अपनाए गए।

हनुमानगढ़ एवं सवाईमाधोपुर में रिटर्निंग अधिकारियों और मतदान कार्मिकों के लिए दक्षता परीक्षण आयोजित किए गए। अलवर में कार्मिक कल्याण पोर्टल से निर्वाचन ड्यूटी के लिए कार्मिकों की उपलब्धता तथा मानदेय और भत्तों के भुगतान की निगरानी की गई। राज्य के संपूर्ण मतदान केंद्रों पर विद्युत आपूर्ति बाधित होने की स्थिति के लिए जनरेटर की वैकल्पिक व्यवस्था की गई।

मुख्य सचिव ने निर्वाचन कार्य में जिला प्रशासन, पुलिस, पर्यवेक्षकों, मतदान दलों और अन्य कार्मिकों के योगदान की सराहना की। उन्होंने शांतिपूर्ण मतदान और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रदेश के मतदाताओं का भी अभिनंदन किया।

इस अवसर पर राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

गोदाम से नमकीन का कट्टा चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार



जयपुर। हरमाड़ा थाना पुलिस ने गोदाम से चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया माल बरामद कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों से अन्य चोरी की वारदातों के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है।पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि हरमाड़ा थाना पुलिस ने गोदाम से चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए मनीष जाबडौलिया (19) निवासी जयरामपुरा और गुलशन बुनकर (20) निवासी पानी की जयरामपुरा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने परिवादी का चोरी हुआ माल भी बरामद कर लिया है।पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से मामले में आगे अनुसंधान करने के साथ ही अन्य चोरी की वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है।थानाधिकारी पुलिस निरीक्षक नरेंद्र भडाना के अनुसार 19 नवंबर 2026 को परिवादी प्रकाश मोदी (52) निवासी हरमाड़ा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके मकान के अंदर ही गोदाम बना हुआ है। 18 नवंबर को दोपहर करीब 12:30 बजे जब वे सो रहे थे, तभी अज्ञात व्यक्ति गोदाम में रखा बीकाजी नमकीन का एक कट्टा चोरी कर ले गया। आसपास तलाश करने के बावजूद कट्टा नहीं मिला। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर संदिग्धों को चिह्नित किया। इसके बाद उन्हें दस्तयाब कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया।

बाड़ा पदमपुरा में होगा राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन



जयपुर। राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन को लेकर अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) की जयपुर संभाग की बैठक रविवार को शहीद अभय पारीक राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय जयपुर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष, जयपुर संभाग अर्जुन सिंह जाट ने की। बैठक में आगामी प्रदेश सम्मेलन की तैयारियों, संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा तथा सम्मेलन को सफल बनाने की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रदेश अध्यक्ष रमेश चंद्र पुष्करणा ने प्रदेश सम्मेलन की पूर्व तैयारियों के लिए सभी कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाने और निर्धारित समयावधि में दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोजन के लिए आवश्यक आर्थिक सहयोग एकत्रीकरण संतोषजनक है। 30 नवंबर तक इसे पूरा किया जाना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के दायित्वान कार्यकर्ता आवश्यक रूप से कम से एक दिन प्रवास पर गुजारे। सम्मेलन में विभिन्न सत्रों में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार व्यवस्थाओं का संचालन करने पर जोर दिया। अतिरिक्त प्रदेश महामंत्री बसन्त जिन्दल ने 15 नवंबर को प्रदेश भर में आयोजित जिला स्तरीय महिला सम्मेलनों की समीक्षा की।

स्लीपर कोच बस में शराब बोतलों के साथ अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

- जयपुर के ठेकों से 20 हजार रुपए में खरीदता था शराब
- बिहार में तीन गुना कीमत पर बेचने की थी तैयारी

जयपुर। सिंधी कैंप थाना क्षेत्र में स्लीपर कोच बसों के जरिए बिहार में शराब तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो भारी ट्रॉली बैग में प्लास्टिक की थैलियों में छिपाकर रखी गई अंग्रेजी शराब की 29 बोतलें बरामद की हैं। आरोपी शराब को जयपुर से बिहार ले जाने की फिराक में था।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि सिंधी कैंप बस स्टैंड और आसपास संचालित ट्रैवल बसों के जरिए शराब तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए विशेष टीम गठित की गई थी। जिस पर सिंधी कैंप थानाधिकारी वंदना नरूला के नेतृत्व में टीम की ओर से जयपुर से बिहार जाने वाली बसों की आकस्मिक जांच की जा रही थी। इसी दौरान दो भारी ट्रॉली बैग लेकर बस में सवार होने पहुंचे प्रमोद सिंह (48) निवासी शिवहर बिहार हाल निवासी विश्वकर्मा जयपुर पर पुलिस को संदेह हुआ। तलाशी लेने पर दोनों बैगों में प्लास्टिक की थैलियों में छिपाकर रखी गई 29 बोतल अंग्रेजी शराब मिली। जब्त शराब में आइकॉनिक व्हाइट प्राइम व्हिस्की, मैजिक मोमेंट्स फ्लेवर्ड वोडका, इंपीरियल ब्लू व्हिस्की और बोहो क्लासिक ब्लेंडेड व्हिस्की शामिल हैं।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी होने के कारण वहां राजस्थान की शराब की मांग रहती है। इसी का फायदा उठाकर वह जयपुर के अलग-अलग शराब ठेकों से करीब 20 हजार रुपए की शराब खरीदता था। शराब की बोतलों को बबल रैप और प्लास्टिक की थैलियों में पैक कर ट्रॉली बैग में रखता और स्लीपर कोच बस से बिहार ले जाता था। वहां फुटकर ग्राहकों को शराब 50 से 60 हजार रुपए तक में बेचता था। इस तरह उसे करीब तीन गुना कीमत मिल जाती थी। पुलिस आरोपी से तस्करी के नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में जिला प्रमुख और प्रधानों के उम्मीदवारों के चयन के लिए मंथन जारी

- प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पार्टी के संगठन से जुड़े नेताओं के अलावा पार्टी के जनप्रतिनिधियों, विधानसभा प्रत्याशियों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ उम्मीदवारों के चयन को लेकर कर रहे चर्चा, 23 जिला परिषद में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत, चार जिला परिषद में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी, बीकानेर में कांग्रेस पार्टी के बड़े नेताओं में टकराव

जयपुर। प्रदेश में जिला परिषद और पंचायत समितियों में अच्छी जीत हासिल करने के बाद कांग्रेस पार्टी अब जिला प्रमुख, उप जिलाप्रमुख, प्रधान और उप प्रधान के उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया में जोर-शोर से जुट गई है प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा रविवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में दिनभर पार्टी के संगठन से जुड़ेनेताओं, प्रदेश भर के जनप्रतिनिधियों, प्रदेश भर के विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रत्याशियों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ अलग-अलग जिलों में पार्टी के जिला प्रमुख और प्रधानों के चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम निर्धारित करने के लिए चर्चा करते नजर आए प्रदेश में कांग्रेस को 23 जिला परिषदों में स्पष्ट बहुमत मिला है तथा चार जिला परिषद में कांग्रेस पार्टी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में नजर आ रही है, इसलिए कांग्रेस 27 जिलों में अपने जिला प्रमुख बनाने की स्थिति में दिख रही है तो दूसरी तरफ प्रदेश में 269 पंचायत समितियों में भी कांग्रेस पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला है इसलिए इस बार एक ही दौर में पूरे प्रदेश में सभी जिला परिषदों और सभी पंचायत समितियों के चुनाव संपादित होने की वजह से पार्टी के प्रदेश नेतृत्व और पार्टी के रणनीतिकारों को जिला प्रमुख और प्रधानों के उम्मीदवार के नाम निर्धारित करने में काफी मशक्कत का सामना करना पड रहा है इसीलिए गोविंद सिंह डोटासरा जिनके चाचा का पिछले शनिवार को निधन हो गया था, डोटासरा के परिवार में गम का माहौल है लेकिन रविवार को डोटासरा जिला प्रमुख और प्रधानों के उम्मीदवारों के नाम निर्धारित करने के लिए कई घंटे तक पार्टी के नेताओं के साथ गंभीरता से मंथन करते रहे क्योंकि आगामी 25 नवंबर को जिला प्रमुख, 26 नवंबर को उप जिला प्रमुख, 27 नवंबर को प्रधान और 28 नवंबर को उपप्रधान का चुनाव होगा, इस बार जिला परिषदों में कांग्रेस पार्टी को शानदार बहुमत मिला है, और 27 जिला परिषदों में कांग्रेस पार्टी अपने जिला प्रमुख बनाने की स्थिति में है, हालांकि स्पष्ट बहुमत 23 जिला परिषदों में ही है, लेकिन चार अन्य जिला परिषदों में कांग्रेस पार्टी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर कर सामने आई है, इसलिए कांग्रेस पार्टी 27 जिलों में अपने जिला प्रमुख बनाने की कोशिशें में पूरी ताकत से जुटी हुई है, इसके अलावा 269 पंचायत समितियों में भी कांग्रेस पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला है, इसलिए प्रधान पद के लिए भी कांग्रेस पार्टी को उम्मीदवार के नाम सुनिश्चित करने हैं, इसलिए इतनी बड़ी संख्या में उम्मीदवारों के नाम फाइनल करना निश्चित रूप से प्रदेश कांग्रेस के लिए बड़ी मुश्किल और चुनौती जरूर बन गए हैं क्योंकि समय बहुत कम है और कांग्रेस पार्टी के रणनीतिकार यह चाहते हैं कि जिला प्रमुख और प्रधान कर्मठ, ईमानदार और दबंग नेता को बनाया जाए ताकि प्रदेश की भाजपा सरकार से ठीक तरह से मुकाबला कर सके

जानकारी के अनुसार पार्टी हाईकमान ने वैसे तो जिला प्रमुख और प्रधान का नाम फाइनल करने के लिए प्रदेश कांग्रेस को पूरी तरह से क्लीन चिट दे दी है, लेकिन अंतिम निर्णय जिला प्रमुख और प्रधान के उम्मीदवार के बारे में पार्टी का दिल्ली दरबार ही लेगा, इसलिए प्रदेश कांग्रेस को जल्दी से जल्दी जिला प्रमुख, उप जिला प्रमुख प्रधान और उप प्रधान के उम्मीदवारों के पैनल तैयार करके पार्टी हाईकमान को भेजने हैं, इसलिए डोटासरा पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा करके पैनल तैयार करने के कार्य में जुटे हुए हैं।

खंडित प्रतिमाओं के सम्मानजनक निस्तारण के लिए मंदिर बना संग्रहण केंद्र

जयपुर। धार्मिक आस्था से जुड़ी खंडित देवी-देवताओं की प्रतिमाओं और पूजन सामग्री के सम्मानजनक निस्तारण के उद्देश्य से नृत्यम फाउंडेशन ने वार्ड 87 में अनूठी पहल शुरू की है। इस अभियान का शुभारंभ वेदविला कॉलोनी स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर से किया गया। इसके तहत मंदिर परिसर में विशेष संग्रहण बॉक्स रखा गया है, जिसमें लोग खंडित प्रतिमाएं और पूजन सामग्री रख सकेंगे। ताकि उनका विधिवत और सम्मानजनक विसर्जन किया जा सके।

फाउंडेशन की काजल सैनी ने बताया कि सनातन धर्म में देवी-देवताओं के विग्रहों का विशेष महत्व है। इसके बावजूद कई बार प्रतिमाएं खंडित होने या पूजन सामग्री उपयोग के बाद लोग उन्हें पीपल के पेड़ के नीचे अथवा अन्य स्थानों पर खुले में छोड़ देते हैं। इससे धार्मिक आस्था और देवी-देवताओं के विग्रहों के सम्मान को ठेस पहुंचती है। इसी समस्या के समाधान के लिए फाउंडेशन ने व्यवस्थित संग्रहण और विसर्जन की यह पहल की है।इस अभियान का शुभारंभ वार्ड 87 की पार्षद प्रतिभा शर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की मुहिम में अधिक से अधिक लोगों को सहभागी बनना चाहिए, जिससे देवी-देवताओं के विग्रहों को उचित सम्मान मिल सके। इस अवसर पर पार्षद प्रतिभा शर्मा ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर वार्ड की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की तथा उनके शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में फाउंडेशन के सदस्य संतोष सैनी, मनीषा यादव, अनीता सैनी और मनीषा सैनी उपस्थित रहे।



मंदिर परिसर में विशेष संग्रहण बॉक्स रखा गया ।

पुलिस लाइन चांदपोल में दीपावली मिलन और बड़े खाने का आयोजन

जयपुर । जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की रिजर्व पुलिस लाइन चांदपोल में दीपावली मिलन और बड़े खाने का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों, जवानों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक राजस्थान राजीव कुमार शर्मा, महानिदेशक एवं कमाण्डेन्ट जनरल, गृह रक्षा अनिल पालीवाल,आनन्द कुमार श्रीवास्तव, अशोक कुमार राठौड़ और सचिन मित्तल सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों एवं उनके परिजनों से आत्मीयता के साथ मुलाकात की। कार्यक्रम में ओमप्रकाश, डॉ. अजय सिंह, प्रदीप मोहन शर्मा, प्रशांत किरण, उपायुक्त (मुख्यालय) अनुष्ठा कालिया सहित आयुक्तालय के अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद रहे।

खेतों से बिजली केबल और वाहन चोरी करने वाले गिरफ्तार

जयपुर। कालवाड़ थाना पुलिस ने खेतों से बिजली की केबल चोरी करने और वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक स्विफ्ट कार, चार मोटरसाइकिलें और चोरी की गई बिजली केबल के तार बरामद किए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने कापड़ियावास, कंवर का बास, सुंदरियावास और भंभौरी क्षेत्र के खेतों से बिजली केबल चोरी करने की वारदातें स्वीकार की हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि कालवाड़ थाना पुलिस ने खेतों से बिजली की केबल चोरी करने और वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले तेजपाल चौधरी (34) और फूलचंद चौधरी (42) निवासी ग्राम कापड़ियावास हाल हाथोज कालवाड़ तथा संतोष कुमार चौधरी उर्फ शैतान (28) निवासी खौराबीसल को गिरफ्तार किया है।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशे की हालत में सुनसान स्थानों से वाहन चोरी करते थे और रात के समय खेतों में पहुंचकर बिजली की केबल काटकर ले जाते थे। आरोपियों ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों में केबल चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कार और चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इसके अलावा पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की बिजली केबल के तार भी जब्त किए हैं।

कालवाड़ थानाधिकारी दिलीप सिंह कालवाड़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि 29 अक्टूबर को ग्राम महेशवास खुर्द स्थित सरकारी बोरिंग से अज्ञात चोर करीब 640 फीट बिजली की केबल चुरा ले गए। मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम ने संदिग्धों पर निगरानी रखी, आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और मुखबिर तंत्र से सूचनाएं जुटाईं। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।



पुलिस ने खेतों से बिजली की केबल चोरी करने वाली गिरोह का पर्दाफाश कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पल्स पोलियो अभियान: जयपुर प्रथम-द्वितीय में 8.86 लाख बच्चों के टीकाकरण का लक्ष्य

जयपुर । उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण दिवस (एसएनआईडी) के अवसर पर रविवार को जयपुर प्रथम और जयपुर द्वितीय जिलों में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ हुआ। दोनों जिलों में 0 से 5 वर्ष तक के कुल 8 लाख 86 हजार 269 बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 6,811 टीकाकरण बूथ बनाए गए हैं। बूथ दिवस के बाद घर-घर जाकर खुराक से वंचित बच्चों को दवा पिलाई जाएगी।

जयपुर द्वितीय जिले में परियोजना निदेशक (टीकाकरण) डॉ. रघुराज सिंह, कार्यवाहक सीएमएचओ डॉ. सुरेन्द्र गोयल और आरसीएचओ डॉ. प्रमिला मीणा ने यूसीएचसी मानसरोवर सेक्टर-12 में बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान बीसीएमओ सांगानेर डॉ. तरुण तिवारी, विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि डॉ. सुशील गौतम सहित चिकित्सा विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यवाहक सीएमएचओ डॉ. सुरेन्द्र गोयल ने बताया कि जयपुर द्वितीय जिले में 4 लाख 24 हजार 691 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य है। आरसीएचओ डॉ. प्रमिला मीणा के अनुसार अभियान के लिए 14,546 सीएमएचओ डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि अभियान के लिए सभी तैयारियां पूरी की गई हैं। बूथों पर प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी, एएनएम, आशा सहयोगिनियां और आंगनबाडी कार्यकर्ता बच्चों को पोलियो की खुराक पिला रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों से सभी पात्र बच्चों को दो बूंद जिंदगी की अवश्य पिलाने की अपील की।जयपुर प्रथम के आरसीएचओ डॉ. महेश चौधरी ने बताया कि बूथ दिवस के बाद शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी। अभियान की निगरानी के लिए 790 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। इसके साथ ही 140 ट्रांजिट टीमें और 170 मोबाइल टीमें तैनात रहेंगी। जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारी अभियान की नियमित मॉनिटरिंग कर रहे हैं।दोनों जिलों में बूथों पर अभिभावकों में बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के प्रति उत्साह देखा गया।



रविवार को जयपुर प्रथम और जयपुर द्वितीय जिलों में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ हुआ।

- 6 हजार 811 बूथों पर टीकाकरण, 1 हजार 606 सुपरवाइजर
- 293 ट्रांजिट और 805 मोबाइल टीमें तैनात

वैक्सीनेटर और 816 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा 153 ट्रांजिट टीमें और 635 मोबाइल टीमें तैनात हैं। अभियान में कुल 15,362 कार्मिक कार्यरत हैं। जिला स्तरीय अधिकारी नियमित रूप से अभियान की निगरानी करेंगे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महेश नगर में बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर टीकाकरण दिवस की शुरुआत की। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गए 4,164 बूथों पर 4 लाख 61 हजार 578 बच्चों को खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है।

'भारत की आर्थिक विकास दर की मजबूती को दुनिया स्वीकार कर रही'

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत की 7 प्रतिशत जीडीपी विकास दर का उल्लेख किए जाने पर कहा कि भारत की आर्थिक विकास दर की मजबूती को आज पूरी दुनिया स्वीकार कर रही है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों ने भी भारत की विकास दर 7 प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान जताया है।

शेखावत ने कहा कि विश्व बैंक ने हाल ही में भारत की जीडीपी विकास दर 7.1 प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान व्यक्त किया है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 7.2 प्रतिशत और आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन ने 7 प्रतिशत से अधिक विकास दर रहने की संभावना जताई है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक अस्थिरता, सप्लाई चेन में व्यवधान और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी गंभीर चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है।

प्रोबेशन मिलने से दोषसिद्धि खत्म नहीं होतीं: हाईकोर्ट

'सरकारी नौकरी का स्वतः अधिकार भी नही'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि आपराधिक मामले में प्रोबेशन ऑफ ऑफेंडर्स एक्ट का लाभ मिलने से दोषसिद्धि समाप्त नहीं होती और संबंधित व्यक्ति को सरकारी नौकरी पाने का स्वत: अधिकार भी नहीं मिल जाता। मुख्य न्यायाधीश संजय के. अग्रवाल और न्यायाधीश समीर जैन की पीठ ने यह टिप्पणी करते हुए अजमेर निवासी पुरण सिंह पुरोहित की याचिका खारिज कर दी। मामले के अनुसार, पुरोहित को वर्ष 2014 में उत्तर-पश्चिम रेलवे में विकलांग कोटे से ग्रुप-डी खलासी/हेल्पर पद पर नियुक्ति का प्रस्ताव मिला था।

पुलिस सत्यापन में आपराधिक मामले में उनकी दोषसिद्धि सामने आने पर रेलवे ने वर्ष 2015 में नियुक्ति प्रस्ताव रद्द कर दिया था। इस मामले में वर्ष 2004 में उन्हें 350 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। इसके बाद केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण, जयपुर ने वर्ष 2021 में उनका आवेदन खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट में भारत सरकार और रेलवे मंत्रालय की ओर से अधिवक्ता आशीष कुमार ने पक्ष रखते हुए कहा कि रेलवे को नियुक्ति से पहले अभ्यर्थी की पृष्ठभूमि जांचने और नियुक्ति के मापदंड तय करने का अधिकार है।

अदालत ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक दोषसिद्धि नियुक्ति पर स्थायी रोक नहीं होती, बल्कि नियोक्ता को वस्तुनिष्ठ आकलन और सेवा नियमों के आधार पर निर्णय लेना चाहिए।

ARBiT
it happens here...



National Espresso Day

National Espresso Day, observed on November 23, celebrates the rich, bold and aromatic beverage that has become a staple for coffee lovers worldwide. Originating in Italy, espresso is more than just a drink, it's a cultural symbol of energy, warmth and connection. The day honours the invention of the espresso machine, which revolutionised coffee brewing by delivering a concentrated, flavourful shot in seconds. Whether enjoyed as a single shot, macchiato, cappuccino or latte, espresso fuels creativity and conversation. On this day, cafés often offer specials and tastings, encouraging people to savour the craftsmanship behind every cup.

राष्ट्रदूत
MONDAY
23 November 2026
A-B

#RABARI EMBROIDERY

A Silent Protest Against Child Marriage

The young girls found a way to turn this obligation into something unexpected. They began delaying their embroidery work, thereby postponing their marriages





When we think of Indian embroidery, names such as Zardozi, Chikankari and Kantha immediately come to mind. But India's rich embroidery heritage has another lesser-known chapter rooted in its tribal and nomadic communities. One such tradition is Rabari embroidery, an art form that does much more than decorating fabric. It tells the story of a community, reflects a woman's marital status and offers a glimpse into the world in which she lives.

The Rabari community has a long tradition of embroidery, with mirror work being its most recognisable feature. Small mirrors are carefully incorporated into colourful patterns, creating striking designs. However, there is much more to this craft than its mirrors. The embroidery acts as a visual representation of the community, its customs, traditions and the lives of its women.

For Rabari women, embroidery was closely connected to marriage. Traditionally, marriages were fixed at a very early age. Once a girl's marriage was arranged, she was expected to prepare an extensive collection of embroidered pieces. These included garments for herself and her future husband, decorative items for the home and even coverings for the camels that her husband would drive.

There was an unusual condition attached to the marriage tradition: the required embroidery had to be completed before the marriage could take place. Preparing these elaborate pieces demanded considerable time and effort. The young girls, however, found a way to turn this obligation into something unexpected. They began delaying their embroidery work, thereby postponing their marriages. What appeared to be a slow process of completing traditional craftwork became a silent act of protest against early marriage. In this way, embroidery became an unexpected means through which young girls could resist child marriage.

However, the story of Rabari embroidery took another turn when the traditional practice was banned. The decision put the craft itself at risk, and an art form passed down through generations began facing the threat of extinction.

Fortunately, efforts by NGOs and organisations working with traditional artisans helped revive the craft. Rabari embroidery gradually found a new life, allowing women to continue practising their ancestral art.

The story of Rabari embroidery is a reminder that traditional Indian crafts are not simply about colours, patterns and decoration. They often carry deeper social meanings. In this case, an art form that reflected the identity of a community also became connected to women's lives and their silent resistance against an early marriage system. Today, its revival represents an effort to preserve not just an embroidery tradition, but also the cultural stories woven into every stitch.









For one day every few years, my village fills up again. Then, the votes are cast, the cars leave, and Leelki goes back to doing what it does best.

The Day Leelki Woke Up

PART:3



Shailaza Singh
Published Author, Poet and a YouTuber

On the day of the sarpanch election, Leelki woke up before I did. By the time I came out into the courtyard with my tea, the lanes were full of a sound I had been missing all week. Voices. Car doors. Somebody's son shouting Ram Ram to somebody's uncle across the lane. Locks that had not turned in two years were turning. Windows that had forgotten what sunlight looked like were thrown open. The village had come home to vote. For one day, Leelki was full again.

The Bottle at the Door

The evening before, the men had gathered at our house. Charpais in a circle, tea going round, politics going round faster.

In the middle of it, a man came to the door and asked my father to step outside. Quietly, the way you ask for someone when you do not want the others to hear.

My father did not get up.

The man had a bottle of whiskey in his hand and a candidate's name on his lips. The bottle was for my father. The vote was for the candidate.

My father refused both.

He is an army man, and he does not believe in any of this. For him, a vote is not something you swap for a bottle. It is the one thing in the village that cannot be bought, or at least should not be.

The man left. Nobody asked what had happened. Nobody needed to. The conversation simply picked up where it had left off. I sat there doing the arithmetic. One bottle. One vote. Five years. The bottle was not the only visitor. A group of Rajputs also came to tell my father whom he should vote for. He heard them out, and then told them what he tells everyone. He would vote for whoever could bring employment to the village, telemedicine for the sick and better roads. Not for a surname. Not for a bottle.

There were two candidates. One was a lawyer whose extended family had been in politics for years. He had been quietly doing small things for the village, a library here, a little work there. The other was a man nobody in our house had ever heard of, backed, people said, by two monied men.

We supported the lawyer.

From Alto to Fortuner

In every gathering that week, the talk came back to the sarpanch. Not any particular sarpanch, of course, and certainly not either of the two men standing this time. The sarpanch as a species.

A man, they said, becomes sarpanch in an ordinary small car like an Alto. A few years later, he is in a Fortuner. After that, something even bigger. Everybody nodded. Everybody seemed to know exactly where the Fortuner came from. Budgets, contracts, cuts, they said, and very little left over for the village. Sarpanch after sarpanch, the cars kept getting bigger. The lanes of Leelki stayed exactly as they were, crooked, broken and pitch dark after sunset. At least something in the village is consistent.

I asked what a sarpanch actually earns. Later, I looked it up. It is an honorarium of around six thousand rupees a month. A Fortuner costs more than thirty lakh. By my calculation, a sarpanch would have to save his entire honorarium for about forty years, without eating a single roti, to buy one.



#THE VILLAGE REMEMBERS



Arithmetic was never my strong subject. Perhaps, someone can explain it to me. Nobody in the gathering seemed to need an explanation. They also argued about the voting itself. Some had heard of the "electric ballot" in the cities, where you press a button. In Leelki, democracy still came on paper. You put your mark on it, folded it and dropped it into a box, the way we once posted letters to people we missed.

Boondi Democracy

The polling booth was in the government school. I had not been inside it for years and it took me by surprise. A neat paved path. Trees with their trunks painted in tricolour. Swings and a slide and a climbing frame, all freshly painted.

It was the best-kept place in the village. Freshly painted swings, in a village whose children have left.

Outside, volunteers were handing out boondi and bhujia. The snacks, everyone said, were sponsored by the candidates. There was no stall and no banner. The food just appeared, the way food used to appear in Leelki when I was a child.

And everyone ate. The voters ate. The volunteers ate. The policemen on duty ate.

When I was little, any kitchen in this village would feed me for nothing. That day, the village was being fed again, only this time, the food had a sponsor. Democracy, it turns out, goes very well with bhujia.

The candidates were there too, walking about in plain kurtas and rubber chappals, folding their hands at everybody. I barely recognised them. On the posters, they had looked twice as tall and three shades fairer. In real life, they looked like anyone's chacha who had come to drop off a tiffin. That is when I understood what posters are for.

The Faces That Voted

Then, the women arrived. They came up the paved path in a long line, in parrot green and magenta, red and sky blue, like a field of flowers that had decided to walk. Every single one of them had her face covered. One hand held the dupatta over the face. The other held the voter slip and the identity card.

The identity card has a photograph on it. The entire purpose of the card is the face.

One woman had her face covered with one hand and was scrolling through her phone with the other. The veil was very old. The phone was very new. Neither seemed to mind the other.

Walking among them, bareheaded, was a little girl in a white frock. Nobody had covered her face yet. I watched her skip along beside her mother and wondered how many elections she had left before it would be her turn.

The View From Karni Mata

After I had voted, I climbed up to our Karni Mata temple. It stands on the highest ground in the village, and from its roof, you can see everything. From up there, Leelki looked full. Rooftop after rooftop, saffron flags, water tanks, dish antennas, a few solar panels shining in the haze. You cannot see a padlock from the goddess's height. You have to come down into the lanes for that. Then, I looked past the houses, at the fields. They had been ploughed. The tractor lines were still in the soil, straight and neat, waiting. The jaanti trees stood green over them as they always have, the only things in the landscape that never seem to need anything from anybody. But nothing was growing.

After I had voted, I climbed up to our Karni Mata temple. It stands on the highest ground in the village, and from its roof, you can see everything. From up there, Leelki looked full. Rooftop after rooftop, saffron flags, water tanks, dish antennas, a few solar panels shining in the haze. You cannot see a padlock from the goddess's height. You have to come down into the lanes for that. Then, I looked past the houses, at the fields. They had been ploughed. The tractor lines were still in the soil, straight and neat, waiting.

A man was standing in the temple, and I asked him why the fields were empty. They had to sow chana, he said, but the rains had been erratic. Without rain, the chana would not sprout.

Rain and Leelki have a strange relationship. When the farmers need it to sow, with the fields ploughed and the seed ready, it is nowhere to be seen. And when the crop is ready to be cut and the last thing it needs is water, the rain lands up, like that one relative who arrives after the wedding is over and still expects to be fed.

Indra dev, it seems, has a sense of humour. Just not one the farmers of Leelki find funny.

Then, I asked him the question I had been carrying around all week. Why do people leave?

He looked at me as if the answer was lying right there in front of us, which it was. Without crops, he said, how do you feed your cows and your goats? How do you feed yourself? The government gives water for drinking and bathing. It does not give water to grow anything.

I thought of my relatives and their habit of enough. Yes, enough is a lovely habit. But in Leelki, it only works when the rain keeps its side of the bargain.

I looked at the fields again. The field was ready. The farmer was ready. Only the sky had not turned up to vote.

Sea Creatures in the Desert

Not everything in Leelki is waiting, though. On the edge of the village, I found the ponds. They are run by private people from outside the village.

The water under Leelki is salty. You cannot grow chana with it. But it turns out you can grow shrimp.

The ponds are lined with black plastic and filled to the brim, right next to fields that are bone dry. Little machines with green paddlewheels float in the middle, churning the water day and night so that the shrimp can breathe. Near the edge hang round feeding trays. Every day someone lifts them out of the water to check whether the shrimp have eaten their pellets.

A man scooped one out and held it in his palm for me. It was pale and almost transparent, its legs coated with feed, its long whiskers trailing over his fingers.

Someone checks every single day that the shrimp have been fed.

The shrimp do not stay, of course. Companies from Hyderabad and Andhra Pradesh come to collect them. They are packed in ice in white thermocol boxes, loaded into refrigerated trucks and driven away, to plates I will never see.

Nobody in Leelki eats them.

Think about that for a moment. The same salty water that could never grow a crop is now making money, mostly for people from somewhere else. Outsiders have come to Leelki to make a living from its land, while Leelki's own sons have gone to the cities to make theirs. The village still feeds people. It just no longer feeds itself.

Four Hundred Votes

When the result came, the lawyer had been elected sarpanch by four hundred votes. In a village where three houses out of four are locked, four hundred votes is not a small number. It means some of the people who came home on the lovely new roads came home to vote for the library man, not the moneyed men.

Whether he brings the jobs, the telemedicine and the roads my father voted for, nobody knows yet. Leelki will see.

By the next day, the cars had started leaving. The windows closed one by one. The locks turned again. The lanes went quiet.

Leelki was waiting once more. It is very good at it.

It has had a lot of practice.

Packed and Sent

So, here is the latest export report from Leelki.

Item number one: boys. They go to Mumbai, Delhi and Noida and work in trucking and packers and movers, packing up other people's homes into trucks, it is good business, while their own homes sit back in Leelki with a padlock on the door.

Item number two: shrimps. Packed in ice, in white thermocol boxes, also on trucks.

The interesting bit is that the boys at least come home for shaadis and elections. The shrimps don't even do that.

When I was a kid, Leelki fed every bachcha who walked through its doors, including a certain Cheenu Baisa who marched in uninvited and demanded food, and then, it walked us home. Now, it packs whatever grows on its land into boxes for people it will never meet. Somewhere along the way, my village stopped being a rasoi and became a godown.

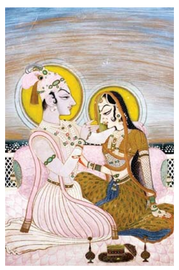
And nobody even put up a board saying "Under New Management."

Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com







#NIHAL CHAND

Facts about Kishangarh Paintings



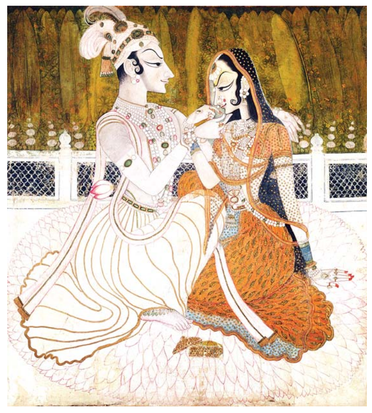
Artists used natural stone colours prepared from minerals and precious stones, they often took nearly 72 hours to mix and prepare properly before use

Kishangarh paintings are among the most elegant forms of Indian miniature art. Developed during the 18th century in the royal court of Kishangarh in Rajasthan, this style became famous for its spiritual beauty, poetic imagination, and refined artistic techniques. The paintings belong to the broader tradition of Rajput painting and reached their peak under the patronage of Raja Sawant Singh and the celebrated artist Nihal Chand.

One of the most important features of Kishangarh paintings is their devotional and romantic themes. The artists mainly focused on the divine love of Radha and Krishna. These paintings beautifully combined romance, spirituality, and poetry, expressing the ideals of Bhakti devotion. Inspired by Vaishnava traditions, especially the Vallabhacharya sect, the paintings portrayed Krishna not only as a god but also as the divine lover. The emotions of love, longing, and devotion were represented through graceful figures, dreamy landscapes, and lyrical compositions.

The Kishangarh style is also known for its connection with Ragamala paintings. Ragamala literally means "garland of ragas." These paintings visually represented musical modes through artistic imagery. In this tradition, six principal ragas were personified, and each raga was associated with five raginis. The paintings translated music into visual form by depicting seasons, moods, emotions, and romantic situations connected with each melody.

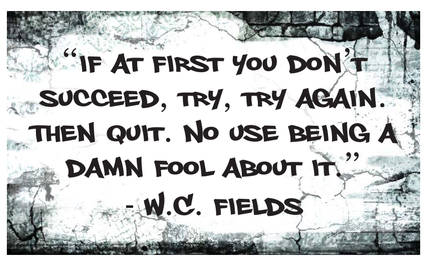
A major contributor to the glory of this school was Nihal Chand, the most renowned painter of Kishangarh. He perfected the unique style of elongated faces, lotus-shaped eyes, pointed noses, and delicate expressions. His masterpieces, especially those portraying Radha and Krishna, are admired for their emotional depth and spiritual charm. He successfully blended Mughal refinement with Rajput aesthetics to create a distinct artistic identity.



The technique of Kishangarh painting was equally remarkable. One important process was called "Ghuttai," which involved polishing the painted surface to give it a smooth and refined finish. Artists used natural stone colours prepared from minerals and precious stones. These colours required great patience and skill, as they often took nearly 72 hours to mix and prepare properly before use. The careful preparation of colours ensured brilliance, durability, and richness in the final artwork.

Thus, Kishangarh paintings are celebrated not only for their artistic beauty but also for their devotional spirit, romantic imagination, musical associations, and highly refined techniques. They remain one of the finest achievements of Indian miniature painting traditions.

THE WALL



BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman



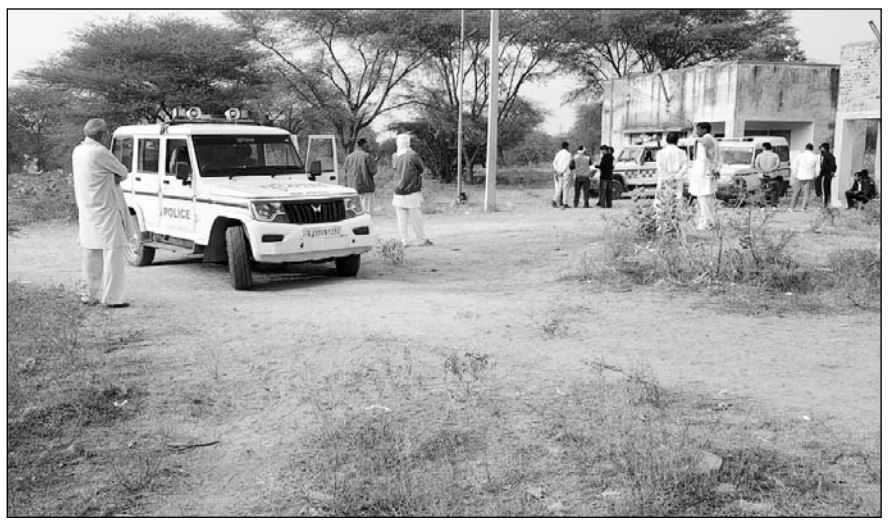
ददरेवा : सड़क हादसे में विवाहिता सोनू की मौत के मामले में आया नया मौड़, हत्या का आरोप लगाया

5 दिन में गिरफ्तारी नही करने पर दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

सादुलपुर , । सादुलपुर के ददरेवा में अज्ञात वाहन की टक्कर से सड़क हादसे में सोनू नामक विवाहिता की मौत मामले में नया मोड़ आ गया है। वही विवाहिता की मौत को लेकर दर्जनों लोग पुलिस थाना राजगढ़ के समक्ष पहुंचकर सोनू के ससुराल पक्ष के आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे है।

वही मामले में आये नए मोड में ददरेवा निवासी मृतका के पिता प्रभुराम पुत्र आशाराम ढोली निवासी ओटू उम्र 53 साल निवासी ओटू पीएस राणिया तहसील राणिया जिला सिरसा हरियाणा ने थानाधिकारी राजगढ को लिखित रिपोर्ट देकर कथित हत्या का आरोप लगाते हुए मृतका सोनू की ससुराल पक्ष के गणेश व शिवरतन को 5 दिन के अन्दर गिरफ्तार करने की मांग की है। तथा चेतावनी दी है कि यदि 5 दिन में उक्त आरोपियों को गिरफ्तार नही किया गया तो रोड जाम कर चक्का जाम प्रदर्शन किया जायेगा। लिखित रिपोर्ट में लोगो के हस्ताक्षर युक्त परिवाद में आरोप लगाया गया है कि उसकी लडकी को घसीट कर मारा गया है व पत्थर की चोट से हत्या की गई है।

गौरतलब है कि 28 अक्टूबर 2026 को राजगढ थाना पुलिस में दर्ज मामले में प्रभुराम पुत्र आशाराम ढोली निवासी ओटू उम्र 53 साल निवासी ओटू पीएस राणिया तहसील राणिया जिला सिरसा हरियाणा ने रिपोर्ट देकर दर्ज करवाए मुकदमा में बताया था कि उसकी पुत्री सोनू की शादी लगभग 8 वर्ष पूर्व गणेश पुत्र शिवरतन ढोली निवासी ददरेवा के साथ सम्पन्न हुई थी। दिनांक 27 अक्टूबर 2026 की रात्रि को मोबाइल पर जयसिंह पूर्व सरपंच ने कॉल कर उसे बताया कि आपकी पुत्री सोनू का एक्सीडेंट हो गया है। जिस पर वह परिवार सहित सादुलपुर के सरकारी अस्पताल पहुंचा, जहां पर उसे लड़की का ससुर व अन्य ददरेवा के व्यक्ति मिले। उन्होंने बताया था कि मामले में उन्हें जानकारी मिली थी कि आपकी बेटी व दामाद पल्लू माता जी की धोक लगाकर वापिस बस से आये थे। ददरेवा बस स्टैण्ड से बस से उतर कर घर जा रहे थे, सादुलपुर से तारानगर सड़क से गांव के अन्दर जाने वाली सडक पर पैदल जा रहे थे। तभी अज्ञात वाहन के चालक ने तेज गति व लापरवाही से वाहन को चलाकर सोनू के टक्कर मार दी एवं मौके से गाड़ी लेकर भाग गया। सोनू के पति व ससुर ने सोनू को संभाला। इतने में गांव के अन्य व्यक्ति भी आ गये, जिन्होंने सोनू को सादुलपुर के श्रीनाथ अस्पताल लेकर आये, वहां पर डॉक्टर ने सोनू को मृत घोषित कर दिया। तथा विवाहिता के पिता ने बताया था कि मुझे शक है कि सोनू के ससुर व पति को उक्त गाड़ी की जानकारी होते हुए भी हमें नहीं बता रहे हैं। तथा मामले की गहनता से जांच कर कानूनी कार्यवाही की जावे। राजगढ थाना पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जाँच शुरू की थी। गौरतलब है कि इस दौरान विवाहिता की मौत मामले में मृतका के पिता प्रभु राम ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ राजगढ़ थाने में मामला दर्ज करवाया था।।वही पोस्टमार्टम कार्यवाही के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रिछपालसिंह चारण, डीएसपी हरिसिंह धायल व राजगढ़ थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने घटना की जानकारी ली थी और मृतका सोनू का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया था।



विवाहिता की मौत को लेकर दर्जनों लोग पुलिस थाना राजगढ़ पहुंच मामले की शीघ्र जांच की मांग की।

- 5 दिन में गिरफ्तार करने की मांग
- पूर्व में मृतका के पिता ने करवाया था अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज

ब्रिक्स देशों की महिला प्रतिभागी वनस्थली विद्यापीठ की छात्राओं के सर्वांगीण कौशल से हुए अभिभूत

वनस्थली विद्यापीठ की छात्राएँ सांस्कृतिक रूप से समृद्ध होने के साथ-साथ आधुनिक तकनीक और नवाचार में भी श्रेष्ठ



ब्रिक्स महिला शिखर सम्मेलन में इक्कीसवीं सदी में महिलाओं की भागीदारी राजनीतिक, उच्च शिक्षा पर मनन किया।

जयपुर। वनस्थली विद्यापीठ में चल रहे ब्रिक्स महिला शिखर सम्मेलन के अलग-अलग सत्रों में इक्कीसवीं सदी में महिलाओं की भागीदारी राजनीतिक, उच्च शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, उद्यिमता, प्रशासन, सामाजिक विकास और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कैसे हो इसको लेकर अलग-अलग सत्रों में मंथन हुआ। एलेना अलेक्सांद्रोवा, हेड ऑफ़ द डिपार्टमेंट ऑफ़ स्पेसियल प्रोग्रामस ऑफ़ सेपरेट डिवीज़न, सेनेझ मैनेजमेंट वर्कशॉप ऑफ़ द एएनओ एवं एकतेरिना मित्यागिना एडवाइजर टू द गवर्नर ऑफ़ द किरोव रीजन, चीफ आर्किटेक्ट, ह्यूमन कैपिटल ट्रैक, प्रोजेक्ट ऑफिस ऑफ़ द सेनेझ मैनेजमेंट वर्कशॉपद प्राइस ऑफ लीडरशिप व्हाट सोशियोलॉजी टेल्स अस अबाउट द रिसोर्सेज एंड बैरियर्स ऑफ़ वीमेन मेनेजरस विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ । एलेना अलेक्सांद्रोवा ने रूस के महिला उत्थान के लिए किए गए प्रयासों के सरकारी योजनाओं को अपने अनुभवों को साझा किया और कहा कि ग्रामीण स्तर तक काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके साथ ही ब्रिक्स देशों में ग्रामीण महिला नेतृत्व विकास पर ठोस योजना बनाकर अलग-अलग देशों में कार्यरत विविध क्षेत्रों की महिलाओं को काम करने की आवश्यकता है। एकतेरिना मित्यागिना ने अपने समाजशास्त्रीय अनुभवों के आधार पर बताया कि महिला नेतृत्व विकास के लिए जमीनी स्तर की समसयाओं को रूस और भारत की महिलाओं की जीवन-शैली को आधार बना कर इसे तुलनात्मक रूप से प्रस्तुत किया और बताया कि रूस की महिलाएँ भारत की तुलना में अपने अधिकारों और अपने भविष्य को लेकर अधिक जागरूक हैं।

- एलेना अलेक्संद्रोवा ने रूस के महिला उत्थान के लिए किए गए प्रयासों के सरकारी योजनाओं को अपने अनुभवों को साझा किया

उन्होंने वनस्थली विद्यापीठ की छात्राओं के सम्बन्ध में बताया कि पहले मैं वनस्थली विद्यापीठ को केवल एक सांस्कृतिक रूप से समृद्ध संस्था मान रही थी परंतु यहाँ आकर मेरी धारणा बदल गयी, यहाँ की छात्राएँ सांस्कृतिक रूप से जितनी समृद्ध हैं उतने ही अत्याधुनिक तकनीक और नवाचारमूलक उद्यिमता में भी दक्ष हैं। एआई, प्रबन्धन, आईटी प्रोफेशनल, उद्यिमता विकास को लेकर अधिक सजग हैं । तदुपरांत एलेना अप्रीना का स्ट्रेटेजिक सेशन-1 "आर्किटेक्चर ऑफ़ द फ्यूचर ए वीमेनस व्यू ऑफ़ द ब्रिक्स कल्चरल कोड" विषय पर आयोजित हुआ। इसमें शताधिक प्रतिभागियों ने नेतृत्व के अवसरों में असमानता, आर्थिक संसाधनों तक सीमित पहुँच, निर्णय-निर्माण में अपर्याप्त प्रतिनिधित्व तथा सामाजिक-सांस्कृतिक आदि अनेक चुनौतियाँ के सम्बन्ध में चर्चा का अपराह्न में सभी अतिथियों का वनस्थली विद्यापीठ परिसर भ्रमण का कार्यक्रम हुआ। पारम्परिक स्वागत विद्यापीठ की अध्यक्ष, प्रो0 सिद्धार्थ शास्त्री, कुलपति, प्रो0 ईना आदित्य शास्त्री, कोषाध्यक्ष, प्रो0 सुधा शास्त्री, वनस्थली सेंटर ऑफ़ आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस के निदेशक व हेड, इंटरनेशनल रिलेशनस, प्रो. अंशुमान शास्त्री, छात्राओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया। स्वागत द्वार पर वनस्थली सेवा दल के बैंड द्वारा मुख्य अतिथियों को सलामी दी गयी।

जोधपुर के खिलाड़ियों ने खेलकूद प्रतियोगिताओं में लहराया परचम

एक सौ से अधिक पदक जीतकर केंद्रीय विद्यालय -1 आर्मी विद्यालय का गौरव बढ़ाया

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 आर्मी, जोधपुर के विद्यार्थियों ने खेलकूद प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। जयपुर संभागीय खेलकूद प्रतियोगिता में विद्यालय के 79 छात्र एवं 65 छात्राओं सहित कुल 144 खिलाड़ियों ने भाग लिया। खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और खेल कौशल का परिचय देते हुए 100 से अधिक पदक हासिल किए।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. हितेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि विद्यालय के लिए यह विशेष गौरव की बात है कि राष्ट्रीय स्तर की खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए विद्यालय के 24 खिलाड़ियों का चयन हुआ। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 7 पदक अपने नाम किए।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के पदक विजेता खिलाड़ियों में दीपेन ने बॉक्सिंग व उमेश ने जूड़ों में स्वर्ण पदक प्राप्त किया । रुद्राक्ष ने टेनिस में रजत पदक एवं वंदना ने तीरंदाजी में पदक। सुशीला ने एथलेटिक्स में पदक। इसी तरह साक्षी एवं हर्षा ने फुटबॉल में कांस्य पदक प्राप्त किया।

विद्यालय के चार खिलाड़ियों ने एक और उपलब्धि हासिल करते हुए एस जी एफ आई (स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए भी चयनित हुए । चयनित खिलाड़ियों में दो छात्र एवं दो छात्राएं शामिल हैं। छात्र वर्ग में दीपेन का बॉक्सिंग एवं उमेश का जूडो में एवं छात्रा वर्ग में वंदना का तीरंदाजी एवं हर्षा का फुटबॉल में चयन हुआ । यह चारों खिलाड़ी एस जी एफ आई राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेकर विद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. हितेन्द्र प्रताप सिंह एवं उप प्राचार्य सुधीर शर्मा ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन, नियमित अभ्यास और प्रशिक्षकों के समर्पण के कारण विद्यालय को यह गौरवपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1 आर्मी, जोधपुर के खिलाड़ियों की यह सफलता पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है।

- राष्ट्रीय प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 7 पदक अपने नाम किए।
- राष्ट्रीय प्रतियोगिता के पदक विजेता खिलाड़ियों में दीपेन ने बॉक्सिंग व उमेश ने जूड़ों में स्वर्ण पदक प्राप्त किया । रुद्राक्ष ने टेनिस में रजत पदक एवं वंदना ने तीरंदाजी में पदक प्राप्त किया ।

अफीम तस्करी तस्करी का आरोपी रिमांड पर

सीकर । 98.40 ग्राम एमडी के साथ गिरफ्तार आरोपी को पुलिस ने अब एक साल पुराने अफीम तस्करी के मामले में पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी को 2 दिन के रिमांड पर लिया है। फिलहाल पुलिस मास्टरमाइंड के बारे में पता लगा रही है।

कोतवाली थाना सुनील कुमार जांगिड़ ने बताया कि 1 नवंबर को और कोतवाली पुलिस ने 98.40 ग्राम एमडी के साथ तस्कर हरिराम बाठोद(35) पुत्र पालचंद को गिरफ्तार किया था। इसे अब 1 साल पुराने अफीम तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया गया है।

सदर थाना पुलिस ने 24 जुलाई 2025 को फॉर्च्यूनर गाड़ी से मनोज नाम के एक युवक को गिरफ्तार किया गया था। उसके पास से करीब 40 लाख रुपए की अफीम मिली थी। तब आरोपी हरिराम भागने में सफल हो गया था। ऐसे में अब उस मामले में इसे गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को अंदेशा है कि हरिराम और इससे जुड़े हुए लोग सीकर शहर में एमडी सहित अन्य नशीले पदार्थ करने के बड़े डीलर है।

जेल में बंद विचाराधीन बंदी की तबीयत बिगड़ी,उपचार के दौरान मौत

सीकर । सीकर की शिवसिंहपुरा जिला जेल में बंद एक विचाराधीन बंदी की तबीयत बिगड़ने के बाद उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक कैदी 63 वर्षीय भाउद्दीन है जो सीकर के मोहल्ला बिसातियान चौक का रहने वाला था।

वह जमीन से जुड़े धोखाधड़ी के मामले में वर्ष 2025 से ज्युडिशियल कस्टडी में शिवसिंहपुरा जेल में बंद था।

जेल अधीक्षक इंद्र कुमार के अनुसार, भाउद्दीन की शुक्रवार शाम को अचानक तबियत खराब हो गई थी। जेल प्रशासन ने तुरंत उसे इलाज के लिए सीकर के अस्पताल पहुंचाया।

वहां डॉक्टर्स ने गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जयपुर के एसएमएस अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जयपुर में इलाज के दौरान शनिवार को भाउद्दीन ने दम तोड़ दिया।

प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण हार्ट फेल होना माना जा रहा है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस ने मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है और मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

यह मामला चर्चा का विषय बन गया है क्योंकि मृतक भाउद्दीन के भाई फखरुद्दीन की भी इसी साल 4 फरवरी को सीकर जेल में तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई थी। महज कुछ ही महीनों के अंतराल में एक ही परिवार के दो भाइयों की जेल में तबीयत बिगड़ने से हुई मौत से परिजन गहरे सदमे में है।

एमडीएस की शांति कुरी ने जीता कांस्य पदक

अजमेर, (निसं)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर की महिला जूडो खिलाड़ी शांति कुरी ने पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता 2026-27 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अर्जित कर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय, देसार, वड़ोदरा में आयोजित पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय जूडो महिला प्रतियोगिता में दिनांक 22 नवम्बर 2026 को 78 किलोग्राम भार वर्ग में शांति कुरी ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल, आत्मविश्वास एवं संघर्षशीलता का परिचय देते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता में महार्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर की ओर से विभिन्न भार वर्गों में कुल सात महिला खिलाड़ियों ने सहभागिता की। इनमें शांति कुरी की यह उपलब्धि इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए खिलाड़ी को बधाई दी तथा कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

डूंगरपुर के व्यापारी से 50 लाख की लूट

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना क्षेत्र में शनिवार को 50 लाख रुपए की हुई लुट की घटना के बाद आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की टीमें टोल नाकों से भागने वाले रूट के फुटेज खंगाल रही है। हालांकि अभी तक लुटेरों का सुराग नहीं लग सका है। मामले को लेकर थाना अधिकारी गोविंद व्यास ने बताया कि शनिवार को श्री डूंगरगढ के रहने वाले बाबूलाल शर्मा की जय भैरूनाथ नाम से ट्रेडिंग कंपनी है। उन्होंने शनिवार को एचडीएफसी बैंक में अपने खाते से चेक के माध्यम से 50 लाख रुपये निकाले थे।

बंदी ने अपनी मांग को लेकर की भूख हड़ताल

उदयपुर । उदयपुर जेल में बंदी ने अपनी मांग को लेकर भूख हड़ताल कर दी है। जिसे जेल चिकित्सालय में भर्ती करवाया है।

झूंझनूं निवासी कुलदीपसिंह पुत्र समुन्द्रसिंह उदयपुर जेल में बंद हैं तथा उसने अपनी मांग को लेकर भूखहड़ताल शुरू कर दी है। जिसे उपचार के लिए जेल चिकित्सालय में भर्ती करवाया है। कुलदीप सिंह ने जेल अधीक्षक राजपाल को अपनी मांग को लेकर जानकारी दी थी। इसके बावजूद कोई सुनवाई नहीं होने पर उसने भूख हड़ताल शुरू कर दी। कुलदीपसिंह हत्या के मामले में 15 नवंबर को शिकायत होने पर डीजी जेल के आदेश से उदयपुर जेल में ट्रांसफर कर दिया था। जो अपने पुराने साथियों के साथ रहना चाहता था या यहां से वापस जयपुर ट्रांसफर करवाना चाहता है।इस पर अमल नहीं होने पर 17 नंवबर से उसने भूखहड़ताल शुरू कर दी थी। इस पर जेल प्रशासन उसे ने चिकित्सालय में भर्ती करवाया है। इस सबंध में पूछने पर जेलर सुखाराम ने कुलदीपसिंह द्वारा भूख हड़ताल शुरू करने से रविवार तक की मेडिकल रिपोर्ट सरकार को भेजने की जानकारी दी है।

स्वास्थ्य विभाग मे टेंडर धांधली की जांच

उदयपुर, (कास)। उदयपुर के मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एल. बामणिया के खिलाफ टेंडरों में धांधली के आरोपों की जांच दो महीने से अटकी हुई है। मामले में एसीबी की ओर से अब तक जांच की प्रगति को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। एसीबी के एएसपी राजीव जोशी के अनुसार जांच में प्रगति होगी तो ही बताएंगे। अभी कुछ खास नहीं है।बता दें कि एसीबी मुख्यालय जयपुर के तत्कालीन एसपी गोरधनलाल सौंकरिया ने 16 सितंबर 2026 को प्राथमिक जांच रजिस्टर्ड करते हुए उदयपुर एएसपी राजीव जोशी को इसका जिम्मा सौंपा था और जल्द रिपोर्ट भेजने के आदेश दिए थे।एसीबी एसपी ने बताया था कि जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही एफआईआर दर्ज करने सहित अग्रिम कार्रवाई तय की जाएगी। एसीबी के आदेश में बताया गया कि सीएमएचओ डॉ. बामणिया पर दवाइयां,सर्जिकल आइटम, उपकरणों की खरीद टेंडर में एजेंसियों की आपत्तियों को अनदेखा करने, टेंडर नियमों में बदलाव करने और चहेती फर्मों को लाभान्वित करने संबंधी आरोप हैं।

ट्रैक्टर ने बुलेट को मारी टक्कर, दो की मौत

सादुलपुर । सादुलपुर के हमीरवास थाना क्षेत्र में हरपालू के पास रविवार सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बोलेट सवार दो युवकों की मोके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का हिसार में इलाज चल रहा है। वही मृतक युवकों का पोस्टमार्टम करवाकर शव परीजनो को सुपुर्द कर दिया है।

मृतकों की पहचान अनिल पुत्र दलबीर निवासी सरदारपुरा व राजेन्द्र निवासी सुन्दरपुर रोहतक के रूप में हुई है। घायल संजय पुत्र दलबीर निवासी सरदारपुरा है।

मृतक के पिता दलबीर पुत्र बुद्धराम जाट उम्र 55 साल निवासी सरदारपुरा, पुलिस थाना हमीरवास जिला चूरू ने थाना पर उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया कि आज दिनांक 22 नवम्बर 2026 को सुबह करीब 5.35 बजे उसके लडके अनिल व संजय अपनी बुलेट मोटरसाईकिल से सरदारपुरा से राजगढ को निकले थे। बुलेट उसका लड़का अनिल चलाकर ले गया था।

समय करीब 5.35 ए.एम. जैसे ही उसके लड़के हरपालू से निकले तो बीच रास्ते में उनका जानकार राजेन्द्र निवासी सुन्दरपुर रोहतक मिल गया, जिसने मोटरसाईकिल रुकवा ली। उसके लडके उक्त राजेन्द्र से बात चित कर रहे थे, तभी राजगढ़ की तरफ से आ रहे ट्रैक्टर के चालक ने तेज गति एवं लापरवाही से चलाकर तीनों के टक्कर मार दी। जिससे उसके लड़के अनिल एवं उसके जानकार राजेन्द्र

निवासी रोहतक की मौके पर ही मृत्यु हो गई तथा उसके दूसरे लडके संजय को चोटें आई, जिसका हिसार में इलाज चल रहा है।

मौके पर मौजूद पवन पुत्र वेदप्रकाश निवासी लीलावठी ने उसे उक्त दुर्घटना एवं दुर्घटना कारित करने वाले वाहन की जानकारी दी, जिस पर वह रिपोर्ट दर्ज करवाने आया है। हमीरवास थाना पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओ के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। जांच सहायक उप-निरीक्षक सुभाषचन्द्र सउनि को सौंपी गई है।

- एक घायल, हमीरवास थाने में मामला दर्ज करवाया पोस्टमार्टम

लोकतंत्र की मजबूती के लिए हर नागरिक की सहभागिता भी जरुरी : कमल मीना

जयपुर। पंचायती राज आम चुनाव-2026 के तहत ब्यावर जिले में निर्वाचन शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुए। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर कमल राम मीना के नेतृत्व में निर्वाचन प्रक्रिया के प्रभावी संचालन, व्यवस्थाओं की सतत मॉनिटरिंग, अधिकारियों के बीच समन्वय एवं समयबद्ध कार्ययोजना से लोकतंत्र का पर्व सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

जिला निर्वाचन अधिकारी के नेतृत्व में सुदृढ व्यवस्थाएं एवं प्रभावी मॉनिटरिंग जिला निर्वाचन अधिकारी कमल राम मीना ने निर्वाचन तैयारियों से लेकर मतदान दिवस एवं निर्वाचन प्रक्रिया के समापन तक व्यवस्थाओं की निरंतर समीक्षा करते हुए प्रशासनिक तंत्र को सक्रिय एवं समन्वित रखा। मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंधों, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी एवं मतदान दलों की व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए। उनके निर्देशन में प्रशासन एवं पुलिस के बीच बेहतर तालमेल, फील्ड अधिकारियों की सक्रियता तथा समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की गई। निर्वाचन व्यवस्थाओं पर सतत नजर रखते हुए आवश्यकतानुसार त्वरित समन्वय एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जिससे मतदान शांतिपूर्ण एवं निर्बाध रूप से संपन्न हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर कमल राम मीना ने मतदान प्रक्रिया में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाने वाले सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती में प्रत्येक मतदाता की सहभागिता महत्वपूर्ण है। मतदाताओं के सहयोग एवं सक्रिय भागीदारी से निर्वाचन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान मिला है। उन्होंने निर्वाचन कार्य में लगे सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, पुलिसकर्मियों एवं अन्य कार्मिकों के प्रयासों की सराहना करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया में सहयोग देने वाले आमजन तथा मीडिया प्रतिनिधियों का भी आभार व्यक्त किया। ब्यावर जिले में पंचायती राज आम चुनाव-2026 का शांतिपूर्ण एवं सफल संपन्न होना प्रभावी नेतृत्व, तथा आमजन के लोकतंत्र के प्रति विश्वास का परिणाम रहा।



जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर कमल राम मीना के नेतृत्व में निर्वाचन प्रक्रिया के प्रभावी संचालन पर आभार जताया।

पुनर्मतदान में 81.21 प्रतिशत मतदान हुआ

जोधपुर, (कासं)। आम चुनाव (पंचायत समिति सदस्य), 2026 के तहत जोधपुर जिले की पंचायत समिति बालेसर में दो मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण पुनर मतदान संपन्न हुआ और कुल 81.21 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

रिटर्निंग ऑफिसर के अनुसार संबंधित दोनों केंद्रों पर कुल 1836 पंजीकृत मतदाताओं में से 1491 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

मतदान केंद्रवार आंकड़ों के मुताबिक वार्ड संख्या 03 के बूथ संख्या 15 (राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, धर्मदिया बैरा देवनगर - बायां भाग) पर कुल 821 मतदाताओं में से 724 मत पड़े, जहां 88.19 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं वार्ड संख्या 10 के बूथ संख्या 63 (राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, धांधलों की ढाणी पाबूनगर) पर कुल 1015 मतदाताओं में से 767 मतदाताओं ने मतदान किया।

धर्मान्तरण प्रकरण में 7 इनामी वांछित स्थाई वारंटी गिरफ्तार

बांसवाड़ा । सज्जनगढ़ थाना पुलिस ने एक दिवसीय एरिया डॉमिनेशन विशेष अभियान के तहत धर्मान्तरण प्रकरण में 5-5 हजार रुपये के 7 ईनामी वांछित स्थाई वारंटी गिरफ्तार किये। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के निर्देशानुसार वांछित अपराधियों की धरपकड़, आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिये एरिया डॉमिनेशन विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपत सिंह के सुपरविजन एवं पुलिस उप अधीक्षक वृत्त कुशलगढ विनोद कुमार के निकट पर्यवेक्षण में सज्जनगढ थानाधिकारी सज्जनगढ धनपत सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने धर्मान्तरण के मामले में 7 ईनामी वांछित स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी सिंह ने बताया कि गत 1 मई को प्रार्थी रवि भाभोर ने आरोपियों के विरूद्ध रिपोर्ट देते हुए बताया कि 1 मई को लगभग 6 बजे प्रार्थी व उसके मित्र प्रशान्त तंवर पुत्र नाथुसिंह तंवर, लव पुत्र कमलेश टेलर, आदिश व अन्य लगभग 10 को सूचना मिली कि कलिंजरा में आरोपीगण धर्मान्तरण सभा आयोजित कर रहे है तथा वहां पर गोकशी की जा रही है। जिस पर हम पुलिस थाना कुशलगढ को सूचना देकर कलिंजरा डेम के सामने पहुंचे ही थे कि तभी आरोपियों ने हमें मौके पर घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी।

कंपनी में काम करते समय नीचे गिरने से श्रमिक की मौत

- उद्योग नगर थाना क्षेत्र की कंपनी में हुआ हादसा, पुलिस ने शव मोर्चरी में रखवाकर शुरू की पोस्टमार्टम की कार्रवाई

अलवर। शहर के उद्योग नगर थाना क्षेत्र में एक कंपनी में काम करते समय नीचे गिरने से 46 वर्षीय श्रमिक की मौत हो गई। हादसे के बाद गंभीर हालत में श्रमिक को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई।

उद्योग नगर थाने की एएसआई साधुराम ने बताया कि मृतक की पहचान कमलेश पुत्र विश्वकर्मा निवासी उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। उसकी उम्र करीब 46 वर्ष थी। कमलेश उद्योग नगर थाना क्षेत्र स्थित एक कंपनी में श्रमिक के रूप में कार्यरत था। काम के दौरान अचानक नीचे गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस की ओर से पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है, ताकि मौत के कारणों की पुष्टि हो सके।

पुलिस कंपनी में हुए हादसे से जुड़े घटनाक्रम की जानकारी जुटा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि श्रमिक किन परिस्थितियों में नीचे गिरा था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आगरा-जयपुर मार्ग पर ड्राइवर ने शराब के नशे में बस दौड़ाई, पुलिस के हवाले किया

- महिला परिचालक पूजा शर्मा बनी यात्रियों की ढाल, पुलिस चौकी पर रुकवाकर बचाई जान।

भरतपुर (निसं)। आगरा से जयपुर जा रही अनुबंधित रोडवेज बस में उस समय हड़कंप मच गया, जब चालक कथित तौर पर शराब के नशे में बस को अनियंत्रित तरीके से चलाने लगा। चालक ने कई जगह बस को सड़क किनारे गड्ढों में उतारने का प्रयास किया और निर्माण कार्य के दौरान बैरिकेडिंग से भी बस टकरा दी।

यात्रियों की शिकायत और चालक की लापरवाही को देखते हुए महिला परिचालक पूजा शर्मा ने सूझबूझ दिखाते हुए यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी और बस को सारस चौराहा स्थित पुलिस चौकी पर रुकवाया। यहां चालक को पुलिस के हवाले कर दिया गया। इसके बाद सभी यात्रियों को दूसरी बस में बैठाकर सुरक्षित रवाना किया गया। जानकारी के अनुसार आगरा बस स्टैंड से जयपुर के लिए रवाना हुई अनुबंधित रोडवेज बस में सफर कर रहे यात्रियों को कुछ देर बाद ही चालक की



शराब के नशे में बस को अनियंत्रित तरीके से चलाने लगा।

गतिविधियों पर संदेह होने लगा। गोलपुर बाईपास के पास यात्रियों ने बस के अनियंत्रित होने की शिकायत महिला परिचालक पूजा शर्मा से की। इसके बाद सड़क निर्माण कार्य के दौरान चालक ने बस को बैरिकेडिंग से टकरा दिया। यात्रियों का आरोप था कि चालक बस पर नियंत्रण नहीं रख पा रहा था और कई जगह बस को गड्ढों में उतारने का प्रयास कर रहा था।

महिला परिचालक पूजा शर्मा के अनुसार चालक के मुंह से शराब की तेज गंध आ रही थी। उन्होंने चालक को बस से उतरने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं उतरा। इसके बाद यात्रियों ने भी चालक को बस से उतारने का प्रयास किया। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए परिचालक बस को सारस चौराहा स्थित पुलिस चौकी तक लेकर पहुंचीं और चालक को पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

महिला परिचालक पूजा शर्मा ने बताया कि सभी यात्रियों को किराये का रिफंड कर दूसरी बस में बैठाकर सुरक्षित रवाना कर दिया गया है। उनकी सूझबूझ और जिम्मेदारी से संभावित बड़ा हादसा टल गया।

सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर प्रजापति नवयुवक समिति ने कसी कमर

- 25 दिसंबर को गूंजेगी प्रतिभाओं की सफलता की गूंज; 10000 पंपलेट छपवाकर समाज के हर घर तक दस्तक देगी समिति

अलवर। समाज की बदलती जरूरतों, फिजूलखर्ची पर अंकुश और सामाजिक समरसता को नई ऊंचाई देने के उद्देश्य से प्रजापति नवयुवक समिति, अलवर ने आगामी बड़े आयोजनों की रूपरेखा तैयार कर ली है। समिति की एक महत्वपूर्ण और ऊर्जावान बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें आगामी 10 मार्च को प्रस्तावित आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर गहन मंथन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कार्यक्रम संयोजक राम बिहारी प्रजापति ने की। इस दौरान सम्मेलन को ऐतिहासिक, भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कई ठोस रणनीतियों पर मुहर लगाई।

बैठक का सबसे प्रमुख आकर्षण जमीनी स्तर पर जनसंपर्क अभियान रहा। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि समिति के पदाधिकारी और सक्रिय कार्यकर्ता अलवर जिले के दूरदराज क्षेत्रों, प्रत्येक गांव और ढाणी तक पहुंचेंगे। टीम के सदस्य घर-घर जाकर समाज के परिवारों से सीधा संवाद करेंगे और विवाह योग्य वर-वधुओं के अभिभावकों को सामूहिक विवाह सम्मेलन की महत्ता से अवगत कराएंगे। वक्ताओं ने कहा कि सामूहिक विवाह आज के समय की आवश्यकता है, जिससे न केवल आर्थिक बोझ कम होता है, बल्कि समाज में भाईचारे और एकता की भावना भी सुदृढ़ होती है। प्रचार-प्रसार को तेज गति देने और समाज के हर अंतिम व्यक्ति तक सूचना पहुंचाने के लिए 10000 पंपलेट छपवाने का फैसला लिया गया है।

सूने मकान से लाखों के जेवरात व 2 लाख रुपए की नकदी चोरी

छबड़ा (निसं)। यहां चोरी की वारदातों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। चोरों ने प्रेमजी होटल वाली गली में एक सूने मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात और करीब 2 लाख रुपए की नकदी चोरी कर ली। घटना के समय परिवार शादी समारोह में शामिल होने कोटा गया हुआ था। देर रात घर लौटने पर मकान के ताले टूटे मिले और अंदर सामान बिखरा हुआ था। पीड़ित ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के आधार पर दो लोगों पर संदेह जताते हुए छबड़ा थाने में परिवाद पेश किया है।

प्रेमजी होटल वाली गली निवासी युसुफ ने थाने में दिए परिवाद में बताया कि 19 नवंबर को वह कोटा में शादी समारोह में शामिल होने गए थे। रात करीब डेढ़ बजे घर लौटे तो मकान के ताले टूटे हुए मिले। अंदर जाकर देखा तो सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था तथा अलमारी में रखे जेवरात और नकदी गायब थी। चोर मकान से करीब दो तोला सोना, आधा किलो चांदी, 2 लाख रुपए नकद, सोने का टूटा हुआ हार, करीब 250 ग्राम की पायल, 20-25 बिछुड़ी, चांदी की चार जोड़ी तोड़ियां सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए।

पीड़ित ने वारदात के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे। परिवाद के अनुसार मकान के समीप स्थित एक घर में लगे सीसीटीवी कैमरे रात 11 बजकर 11 मिनट पर बंद थे। वहीं आगे स्थित मकान के कैमरों में दो व्यक्ति मकान में प्रवेश करते दिखाई दिए। पीड़ित ने इन व्यक्तियों की पहचान आपतात और सादाब के रूप में बताते हुए हुसैन पर भी चोरी करवाने का संदेह जताया है। युसुफ ने पुलिस को दिए परिवाद में सीसीटीवी फुटेज की गहनता से जांच करवाने, चोरी की वारदात का खुलासा करने तथा नियमानुसार जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

कोटा, (निसं)। प्रेम प्रकाश आश्रम में कार्तिक महोत्सव एवं दिव्य सत्संग समारोह के अवसर पर रविवार को सुबह बोरखेड़ा में देवाशीष सिटी के पास छोटी नहर के समीप निर्माणाधीन श्री प्रेम प्रकाश आश्रम में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान सद्गुरु स्वामी भगत प्रकाश महाराज के सानिध्य में निर्माणाधीन आश्रम का निरीक्षण किया। साथ ही मानव सेवा के उद्देश्य से निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। चिकित्सा शिविर प्रभारी डॉ. एच.एन. सोनी ने बताया कि शिविर में डॉ. सुरेश छाबड़ा नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ.पार्थ जेठवानी डायबिटीज थायराइड विशेषज्ञ, डॉ. अकुंर जैन, अस्थि रोग विशेषज्ञ, डॉ. भारती छाबड़ा, डॉ ट्विंकल चंगलानी, दन्त रोग विशेषज्ञ ने अपनी अपनी सेवाएं दी। चिकित्सा सेवाओं के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को चिकित्सा का लाभ मिला। इसके बाद प्रकाश मण्डलाध्यक्ष स्वामी भगतप्रकाश जी महाराज देश-विदेश से पधारे स्वामी मनोहर प्रकाश महाराज, सन्त हरिओम, सन्त कमल, सन्त माणिक, सन्त ढालू राम संत मंडली द्वारा दिव्य सत्संग एवं प्रवचन का आयोजन किया गया।

तीन चिकित्सकों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

- गर्भवती महिला की मौत का मामला
- अनुसंधान अधिकारी और मेडिकल बोर्ड के चिकित्सकों के खिलाफ भी विभागीय जांच के आदेश

भरतपुर (निसं)। ऑपरेशन के दौरान गर्भवती महिला के उपचार में लापरवाही के मामले में एसीजेएम न्यायालय की न्यायाधीश बबीता वर्मा ने तीन चिकित्सकों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर उन्हें न्यायालय में तलब किया है। न्यायालय ने अनुसंधान अधिकारी और मेडिकल बोर्ड के चिकित्सकों के खिलाफ भी विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

अधिवक्ता आरिफ हामिद खान ने बताया कि मुरैना निवासी रॉकी गोयल पुत्र गजेंद्र गोयल ने न्यायालय में इस्तगासे के माध्यम से 13 फरवरी 2023 को निहालगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। परिवाद में बताया गया कि उसकी बहन शिल्पी को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन 30 अक्टूबर 2022 को डॉ. बीएम मंगल के क्लीनिक पर लेकर पहुंचे थे। वहां डॉ. बृजमोहन मंगल ने जांच के बाद करीब आधे घंटे में ही ऑपरेशन कर दिया। ऑपरेशन के अगले दिन शिल्पी की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे आगरा के रवि अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच में मल्टी ऑर्गन फेल्योर की स्थिति सामने आई। उसी रात करीब 8 बजे उसकी मृत्यु हो गई।

मामले की जांच तत्कालीन उप निरीक्षक केदारनाथ गुर्जर ने की थी। चिकित्सकों के मेडिकल बोर्ड से भी प्रकरण की जांच कराई गई। बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर अनुसंधान अधिकारी ने न्यायालय में एफआर (अंतिम रिपोर्ट) पेश कर दी थी। इसके बाद पीड़ित पक्ष की ओर से एफआर के खिलाफ प्रोटेस्ट याचिका पेश की गई।

इस पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने डॉ. बृजमोहन मंगल, डॉ. जमुना दास और डॉ. अरविंद बंसल को प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए गिरफ्तारी वारंट से तलब किया है।

न्यायालय ने अनुसंधान के दौरान दायित्वों का समुचित निर्वहन नहीं किए जाने पर आईजी भरतपुर को पत्र लिखकर तत्कालीन अनुसंधान अधिकारी के विरुद्ध विभागीय जांच कराने और तीन माह में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, मेडिकल बोर्ड के चिकित्सक डॉ. दीपक जिंदल, डॉ. मनोज सिंघल और डॉ. रोड गोयल के विरुद्ध भी संयुक्त निदेशक, चिकित्सा विभाग, भरतपुर को विभागीय जांच कर तीन माह में रिपोर्ट न्यायालय में पेश करने के आदेश दिए हैं। न्यायालय ने इस संबंध में 27 पृष्ठों का आदेश जारी किया है।

पावटा में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

पावटा। भारत को पोलियो मुक्त बनाए रखने और नौनिहालों के सुरक्षित भविष्य के संकल्प के साथ रविवार, 22 नवंबर 2026 को जिलेभर में उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को पोलियो रोधी दवा की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के प्रथम दिन उप जिला अस्पताल पावटा के अधीन संचालित विभिन्न पोलियो बूथों पर कुल 940 बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई गई।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अभियान को सफल बनाने के लिए विभिन्न बूथों पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए नौनिहालों को पोलियो की खुराक पिलाने का कार्य किया। इस अवसर पर डॉ. रवि कुमार बंसल ने क्षेत्र के समस्त अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए टीकाकरण बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अभिभावक अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर 'दो बूंद जिंदगी की' अवश्य पिलवाए। कोई भी बच्चा पोलियो रोधी खुराक से वंचित नहीं रहना चाहिए। अभियान के प्रभावी संचालन एवं मॉनिटरिंग के लिए डॉ. रवि कुमार बंसल द्वारा उप जिला अस्पताल पावटा से अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम गठित की गई।

इसमें नोडल अधिकारी डॉ. एस.के. वर्मा तथा सुपरवाइजर कृपाशंकर शर्मा, नर्सिंग ऑफिसर सत्यनारायण गोंड एवं नर्सिंग ऑफिसर प्रहलाद आर्य सहित अन्य टीम सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने आमजन से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने और अपने आसपास के सभी पात्र बच्चों को पोलियो की खुराक दिलवाने की अपील की, ताकि सामूहिक प्रयासों से भारत को पोलियो मुक्त बनाए रखने के संकल्प को मजबूती मिल सके।

भरतपुर: जिलों के 220 खिलाडियो के साथ आगाज़ होगा

- 71वीं राजस्थान राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2026

भरतपुर। भरतपुर के खेल इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। जिला टेबल टेनिस संघ, भरतपुर के तत्वावधान में 71वीं राजस्थान राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2026 का आयोजन 23 से 27 नवम्बर 2026 तक लोहागढ़ स्टेडियम, भरतपुर में किया जा रहा है। प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन समारोह 23 नवम्बर 2026 को प्रात: 09:00 बजे आयोजित होगा।

इस 71वीं राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में राजस्थान के 13 जिलों से लगभग 220 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता के अंतर्गत कुल 13 इवेंट्स आयोजित किए जाएंगे। इनमें बालक एवं बालिका वर्ग के अंडर-17 एवं अंडर-19 वर्गों के साथ-साथ पुरुष एवं महिला वर्ग के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस प्रतियोगिता मे भरतपुर, जंयपुर, कोटा, बीकानेर, जोधपुर, चूरू, अजमेंर, अलवर, पाली, गंगानगर, भीलवाडा, हनुमानगढ़, बाडमेर, की टीमे भाग ले रही है। खिलाड़ियों के अतिरिक्त राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक तथा खेल अधिकारी भी प्रतियोगिता में अपनी सहभागिता निभाएंगे।

प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए विभिन्न तकनीकी एवं प्रबंधन संबंधी जिम्मेदारियां अनुभवी अधिकारियों को सौंपी गई हैं। अजमेर के अनिल दुबे प्रतियोगिता प्रबंधक की भूमिका निभाएंगे। पाली के किशन गहलोत रेफरी तथा कोटा की पंकजा शर्मा सहायक रेफरी के रूप में अपनी सेवाएं देंगी। वहीं, अजमेर के शिवांक दुबे तकनीकी एवं कंप्यूटर संबंधी व्यवस्थाओं का दायित्व संभालते हुए प्रतियोगिता के सभी मुकाबलों का संचालन निर्धारित खेल नियमों एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में समृद्ध भारत के निदेषक सीताराम गुप्ता, प्रमुख उद्योगपति व समाजिक कार्यकर्ता डा0 नरेन्द्र अग्रवाल, नगर निगम कमिषनर शरवन कुमार विषनोई के साथ अन्य भरतपुर के प्रबुद्वजन भाग लेंगे। जिला टेबल टेनिस संघ द्वारा खिलाड़ियों एवं खेल अधिकारियों के लिए आवास, भोजन, तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

अन्नकूट महोत्सव में हजारों श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी पाई

- भगवान को लगाया 19 ड्रम कढ़ी, पांच क्विंटल बाजरे और दो-दो क्विंटल मूंग-चावल का भोग

अलवर। अपना घर शालीमार स्थित श्रीराम मंदिर में रविवार को विशाल अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और भगवान के दर्शन कर अन्नकूट का प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई थी। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं को पंक्तिबद्ध बैठाकर प्रसाद वितरित किया गया। साथ ही भक्तों को घर ले जाने के लिए भी प्रसाद दिया गया।

मंदिर के पुजारी मुरलीधर शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अपना घर शालीमार में विशाल अन्नकूट महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। सुबह मंदिर में भगवान की विधिवत पूजा-अर्चना की गई और इसके बाद विभिन्न व्यंजनों का भोग लगाया गया। अन्नकूट प्रसाद के लिए विशेष रूप से 19 ड्रम कढ़ी, पांच क्विंटल बाजरे, दो क्विंटल मूंग और दो क्विंटल चावल के साथ खीर एवं मिक्स सब्जी तैयार की गई।

उन्होंने बताया कि भगवान को भोग लगाने के बाद श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण शुरू किया गया। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के बैठने और प्रसाद ग्रहण करने की व्यवस्था की गई थी। बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तों ने कतारबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में सेवा भाव से जुड़े लोगों ने भी व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

अन्नकूट महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर अपना घर शालीमार के निदेशक अशोक सैनी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी ने आयोजन को विशेष बना दिया। दिनभर मंदिर में भजन, पूजा-अर्चना और प्रसाद वितरण के बीच धार्मिक वातावरण बना रहा।

मोबाइल व पर्स लूट का 2 हजार रुपये का ईनाम बदमाश पकड़ा

- करीब 3 महीने से चल रहा था फरार

भरतपुर, (निंस)। रात्रि के समय टेंपो में यात्रा करने वाले यात्रियों से मोबाइल, पर्स और नकदी लूटने वाले गिरोह के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अटलबंध थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस गिरोह के एक और इनामी बदमाश पवन जाटव को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से 2,000 रुपये का इनाम घोषित था और वह जिले के टॉप-10 इनामी बदमाशों में शामिल है। पुलिस के अनुसार, 31 अगस्त 2026 को कमला नगर, आगरा निवासी आमिर पुत्र इमामुद्दीन ने अटलबंध थाने में लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित ने बताया था कि 31 अगस्त की रात करीब 1:30 से 2:00 बजे के बीच वह हीरादास बस स्टैंड से एक टेंपो में बैठकर सारस चौराहा जा रहा था। इसी दौरान काली की बगीची से आगे एक अपाचे मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए तीन युवकों ने टेंपो चालक के साथ मिलकर उसे डराया-धमकाया और उसका बैग छीन लिया। बैग में कपड़े, मोबाइल फोन और 3,000 रुपये नकद रखे थे। वारदात के बाद आरोपी पीड़ित को सड़क पर अकेला छोड़कर टेंपो और बाइक लेकर फरार हो गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक (भरतपुर रेंज) प्रीति चंद्रा और जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) धर्मेंद्र यादव और वृताधिकारी (शहर) योगेश कुमार के सुपरविजन में अटलबंध थानाधिकारी हेमेंद्र चौधरी के नेतृत्व में टीम ने जांच शुरू की।

खोया पाया

मेरे मकान नं. 5/205, मानसरोवर, जयपुर का मूल कब्जा पत्र एवं अदेय प्रमाण-पत्र कहीं खो गया है। कृपया मिलने पर सूचित करें-9314243533 शिवेन्द्र भटनागर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 799/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि मदनमोहन पालीवाल, ए-5. इन्द्रपुरी कॉलोनी, लालकोठी, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास डोरोली फाउण्डेशन, प्लॉट नं. ए-5, इन्द्रपुरी कॉलोनी, लालकोठी, जयपुर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है मे हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 17.11.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 25.01.27
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

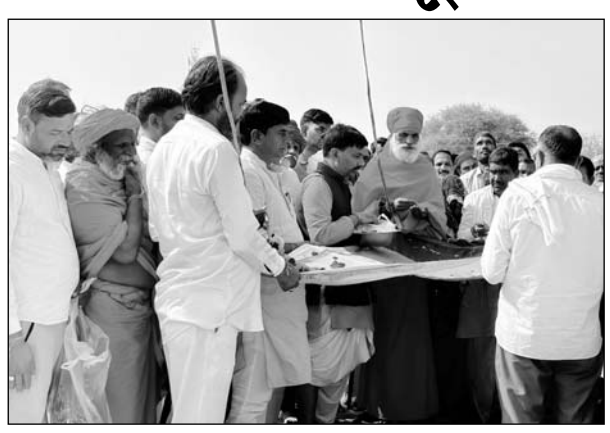
108 कुण्डीय लक्षचण्डी महायज्ञ को लेकर पावटा में गूंजे वैदिक मंत्र

- 7 अप्रैल 2027 से शुरू होगा वर्षपर्यंत दिवा-रात्रि महायज्ञ
- 4 अप्रैल 2028 तक चलेगा भव्य धार्मिक अनुष्ठान; संत-महात्माओं और श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना

पावटा। कस्बे के श्री बाबा बालनाथ आश्रम, पावटा (बावड़ी) में रविवार को आगामी श्री शिवशक्त्यात्मक 108 कुण्डीय लक्षचण्डी महायज्ञ को लेकर भव्य भूमि पूजन एवं धर्मध्वजा स्थापना समारोह श्रद्धा, भक्ति और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुआ। श्री श्री 1008 बाबा बालनाथ जी की दिव्य प्रेरणा एवं श्री श्री 108 बाबा बस्तीनाथ जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया।

भूमि पूजन के साथ ही महायज्ञ की तैयारियों का विधिवत शंखनाद हो गया। कार्यक्रम के दौरान विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक भूमि पूजन संपन्न करवाया। इसके पश्चात विधिवत पूजा अर्चना कर धर्मध्वजा स्थापित की गई। धर्मध्वजा स्थापना के साथ ही पूरा आश्रम परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालुओं ने महायज्ञ के सफल, निर्विघ्न एवं भव्य आयोजन की मंगलकामना करते हुए सनातन धर्म की जयघोष की। समारोह में राजस्थान सरकार की पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व विधायक शकुंतला रावत, पूर्व विधायक फूलचंद भिण्डा, नगरपालिका उपाध्यक्ष प्रतिनिधि जगदीश मीणा, चेयरमैन रोशन धनखड़, सुरेश गिठाला, अनिल सरपंच, कमलेश गुर्जर, डॉ. सुरेंद्र यादव, जीतू हुड्डा, पार्षद प्रत्याशी सुरेश डागर, पार्षद राहुल यादव, बुलाराम, भाजपा नेता जगन चौधरी, डॉ. नीलम यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालु मौजूद रहे।इस अवसर पर विकास यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री शिवशक्त्यात्मक 108 कुण्डीय लक्षचण्डी महायज्ञ का शुभारंभ 7 अप्रैल 2027 से होगा, जो 4 अप्रैल 2028 तक वर्षपर्यंत दिवा-रात्रि आयोजित किया जाएगा।

श्री बाबा बालनाथ आश्रम, पावटा (बावड़ी), जिला कोटपूतली-बहरोड़ में होने वाला यह विशाल धार्मिक अनुष्ठान क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक और आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखेगा। महायज्ञ में देशभर से संत-महात्माओं, धर्माचार्यों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।


जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया।

उपस्थित अतिथियों ने इस आयोजन को क्षेत्र की धार्मिक आस्था, सनातन संस्कृति और सामाजिक एकता को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण धार्मिक अवसर बताया। आयोजन से जुड़े लोगों ने धर्मप्रेमी बंधुओं एवं श्रद्धालुओं से महायज्ञ को सफल बनाने के लिए तन-मन-धन से सहयोग करने की अपील की। भूमि पूजन एवं धर्मध्वजा स्थापना समारोह के साथ ही क्षेत्र में आगामी महायज्ञ को लेकर उत्साह और उत्सुकता का माहौल बन गया है। श्रद्धालुओं को अब इस ऐतिहासिक धार्मिक अनुष्ठान के शुभारंभ का इंतजार है।

चारभुजानाथ मंदिर में उमड़ रहे श्रद्धालु

बूंदी (निसं)। कार्तिक मास के अवसर पर तिलक चौक स्थित जन-जन के आराध्य श्रीचारभुजानाथ मंदिर में प्रतिदिन विशेष धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो जाती है। मंगला आरती के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्तजन पहुंच रहे हैं। आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को केसर-पिस्ता युक्त दूध और पंचमेवा प्रसाद का वितरण किया जा रहा है।

श्री चारभुजा विकास समिति के अध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता पुरुषोत्तम पारीक तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक गर्ग ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्तिक मास में मंदिर में विशेष धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। प्रतिदिन सुबह 5 बजे से श्रद्धालु भजन-कीर्तन में जुट जाते हैं। महिलाएं भजन गाते हुए मंदिर की परिक्रमा करधर्मलाभप्राप्त कर रही हैं। मंदिर के पुजारी पंडित गणेश शर्मा द्वारा भगवान श्रीचारभुजानाथ की प्रतिमा का पंचामृत से अभिषेक कर पुष्पों एवं पुष्पमालाओं से आकर्षक श्रृंगार किया जाता है। इसके बाद शंखनाद के बीच श्रद्धालुओं के साथ सामूहिक आरती की जाती है। सुबह 5:30 बजे होने वाली मंगला आरती में भक्तजन बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ शामिल होते हैं।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 800/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि करणी राम ओला, 64, शिवनगर, मुरलीपुरा, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत दक्षिणमुखी श्री पिपली के बालाजी पावनधाम सेवा समिति, प्लॉट नं. 71, पुराना 64, स्कीम 25, शिवनगर-II, मुरलीपुरा, जयपुर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है मे हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध मे आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले मे निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 17.11.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 25.01.27
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

चोर रात के अंधेरे में वारदात को देते हैं अंजाम

निवाई। ग्रामीण क्षेत्रों में कुओं एवं ट्यूबवेलों पर लगी कृषि विद्युत मोटरों की केबल चोरी की घटनाएं लगातार सामने आने से किसानों में भारी रोष व्याप्त है। अज्ञात चोर रात के समय खेतों में स्थित कुओं एवं ट्यूबवेलों पर पहुंचकर मोटरों में लगी विद्युत केबल काटकर चोरी कर ले जाते हैं। आए दिन हो रही इन वारदातों से किसानों को आर्थिक नुकसान उठाने के साथ ही सिंचाई व्यवस्था बाधित होने की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। किसानों मोतीलाल गुर्जर, देवालाल गुर्जर, रंगलाल गुर्जर, बाबूलाल गुर्जर, भैरूलाल जांगिड़, शंकर कसाणा, हीरालाल पहाडिया, बद्री पहाडिया, केदार पहाडिया, गोविन्द नारायण भैण्डवाल व कैलाश चौधरी ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से एक चोर गिरोह सक्रिय है, जो सुनियोजित तरीके से खेतों में लगे कुओं को निशाना बना रहा है। चोर दिन के समय कुओं की रेकी करते हैं एवं रात होते ही मौका देखकर मोटरों में लगी कीमती विद्युत केबल काटकर ले जाते हैं। सुबह जब किसान खेतों पर पहुंचते हैं तो कुओं एवं ट्यूबवेलो की मोटरों की केबल गायब मिलती है। किसानों ने बताया कि एक कुएं की मोटर में लगने वाली विद्युत केबल की कीमत करीब 15 हजार रुपए तक होती है। ऐसे में एक बार केबल चोरी होने पर किसान को भारी आर्थिक नुकसान झेल

सार-समाचार

सरपंच समोदरा देवी पूजा-अर्चना करके पदभार ग्रहण किया



निवाई। ग्राम पंचायत भरथला में नवनिर्वाचित सरपंच समोदरा देवी व उपसरपंच सूरज कुमावत ने विधिवत पूजा-अर्चना करके पदभार ग्रहण किया है। पदभार ग्रहण समारोह की शुरुआत ग्राम पंचायत में वैदिक रीति-रिवाजों के साथ की गई, जिसमें क्षेत्र की सुख-समृद्धि व विकास की कामना की गई। इस अवसर पर पूर्व सरपंच ने नवनिर्वाचित सरपंच को औपचारिक रूप से कार्यभार सौंपा और उन्हें उज्ज्वल कार्यकाल के लिए हार्दिक बधाई दीं। नवनिर्वाचित सरपंच समोदरा देवी व उपसरपंच सूरज कुमावत का माला पहनाकर स्वागत किया और मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। पंचायत विकास समिति के संरक्षक जितेंद्रसिंह राजावत ने दोनों जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए गांव के विकास, जनहित व मूलभूत समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देने की अपील की। समारोह में दयाराम सरपंच, कैलाश चौधरी, धोलूराम गुर्जर, पूर्व उप सरपंच भंवरलाल गुर्जर, संतरा काकी, नरेंद्रसिंह भरथला, महावीर कुमावत, हंसराज गुर्जर, बजरंग लाल, देवेंद्र सिंह राजावत, सत्येंद्र सिंह राजावत, मणिशंकर व मुकेश कुमार सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

जेसीबी मशीन की चपेट में आने से घायल मजदूर की मौत

अलवर। शहर के जीआरपी थाना क्षेत्र में माल गोदाम के पास जेसीबी मशीन की चपेट में आने से घायल हुए 46 वर्षीय मजदूर की रविवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसा 20 नवंबर को हुआ था। मजदूर की छाती पर जेसीबी मशीन के अगले हिस्से से गंभीर चोट लगी थी। तीन दिन तक निजी अस्पताल में उपचार के बाद उसने दम तोड़ दिया। जीआरपी थाने के हेड कांस्टेबल शंकरलाल नेगट्टा ने बताया कि मृतक नीरज पुत्र शिवकुमार निवासी फिरोजपुर था। वह अलवर में रहकर मजदूरी करता था। 20 नवंबर को माल गोदाम के पास काम के दौरान जेसीबी मशीन के अगले हिस्से से उसकी छाती पर चोट लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रविवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक के चार बच्चे हैं और उसकी पत्नी का पहले ही निधन हो चुका है। ऐसे में परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। फिलहाल जीआरपी पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवाने की कार्रवाई कर रही है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी है।

कम्युनिटी थिएटर टोंक की प्रस्तुति अब बेंगलुरु के प्रतिष्ठित थिएटर फेस्टिवल में होगी

टोंक। नाट्य संस्था कम्युनिटी थिएटर टोंक की चर्चित नाट्य प्रस्तुति द डेथ ऑफ गैलीलियो का मंचन 25 नवंबर को बेंगलुरु में आयोजित प्रतिष्ठित थिएटर फेस्टिवल प्लेइन्टरप्ले में किया जाएगा। यह आयोजन इनलाखस शिवदासनी फाण्डेशन के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। कम्युनिटी थिएटर द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार इस नाटक का चयन एवं मंचन राजस्थान के सबसे बड़े नाट्य महोत्सव जयपुर रंग महोत्सव (2022) तथा एशिया के सबसे बड़े नाट्य महोत्सव भारत रंग महोत्सव (2024) में हो चुका है। अब बेंगलुरु के इस प्रतिष्ठित मंच पर प्रस्तुति देना न केवल संस्था, बल्कि पूरे टोंक शहर के लिए गर्व और खुशी का अवसर है। प्दसौ पेपअर्केदप थ्वनदकंजपवद पिछले पांच दशकों से कला, संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं को छात्रवृत्ति, फेलोशिप और पुरस्कारों के माध्यम से प्रोत्साहित करने वाली प्रतिष्ठित संस्था रही है। संस्था ने थिएटर के क्षेत्र में भी कलाकारों और रचनात्मक प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह महोत्सव प्दसो के थिएटर अवॉर्ड प्राप्त कलाकारों और स्कॉलर्स को एक मंच पर लाने की विशेष पहल है, जहाँ वे अपने नाटकों, अनुभवों, कौशल और रचनात्मक प्रक्रियाओं को साझा कर रहे हैं। इस आयोजन में नाट्य प्रस्तुतियों के साथ कार्यशालाएँ, संवाद और अनुभव साझा करने के सत्र भी शामिल हैं। ऐसे महत्वपूर्ण आयोजन का हिस्सा बनना कम्युनिटी थिएटर टोंक की रंगमंचीय यात्रा में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है। गैलीलियो के जीवन और विचारों के माध्यम से यह प्रस्तुति दर्शकों को सत्य के पक्ष में खड़े होने और अपने समय के महत्वपूर्ण सवालों से संवाद करने के लिए प्रेरित करती है। इस नाटक का निर्देशन राजकुमार रजक द्वारा किया गया है। नाटक का संगीत गर्वित गिदवानी ने कंपोज किया है तथा सिलीगुड़ी के संगीतकार सायन ने इसे सुपरवाइज किया है। संगीत सहायक के रूप में अमन तसेरा, मोहित वैष्णव एवं हरमेंद्र सरताज जुड़े हैं। टोंक की मिट्टी से निकली यह रंगमंचीय प्रस्तुति अब बेंगलुरु के दर्शकों तक पहुँचेगी। निश्चित रूप से यह टोंक के कला, साहित्य और रंगमंच से जुड़े लोगों के लिए गर्व का क्षण है।

58 साल की बेटी बनीं सरपंच, मां ने सौंपा चार्ज

टोंक। जिले में सरंपच चुनाव के नतीजे आने के बाद पदभार सौंपने का अनोखा मामला सामने आया है। निवर्तमान सरपंच 78 साल की झमरी देवी मीणा ने अपनी 58 साल की बेटी पाली देवी मीणा को सरपंच का चार्ज सौंपा। दरअसल, जिले की देवली पंचायत समिति की नवगठित ग्राम पंचायत ठीकरिया कला में बुजुर्ग मां से बेटी ने सरपंच पद की जिम्मेदारी संभाली तो सैकड़ों ग्रामीण भी साथ रहे। इस दौरान बेटी पाली देवी भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि वे मां की विरासत को आगे बढ़ाएंगी और गांव का विकास करेंगी। ग्रामीणों ने भी कहा- अब मां की जगह बेटी सरपंचाई करेगी और गांव के विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगी। आकोड़िया निवासी पूर्व सरपंच झमरी देवी मीणा चंदवाड़ पंचायत की सरपंच थीं। इस बार इनके गांव और तीन गांव मिलाकर ठीकरिया कला नई पंचायत बन गई। इसी ठीकरिया कला में पाली देवी मीणा का ससुराल है और उनके पति रिटायर्ड फौजी है। ऐसे में इस बार हुए सरपंच के चुनाव में निवर्तमान सरपंच झमरी देवी मीणा की जगह परिवार वालों से सहमति के बाद उनकी बेटी पाली देवी ने सरपंच का चुनाव लड़ा और काफी करीबी मुकाबले में 24 वोटों से अपने प्रतिद्वंदी से जीती हैं। पंचायत में कुल 2,336 वोट थे। इनमें से पाली देवी को 469 वोट मिले और उनकी प्रतिद्वंदी माया देवी को 445 मत मिले थे।

राष्ट्रीय तीरंदाजी में दो गोल्ड मेडल जीतने वाले युवराज वर्मा का सम्मान

फुलेरा। मेघालय के शिलांग में आयोजित सीनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में फुलेरा के होनहार खिलाड़ी युवराज वर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मिक्स टीम एवं पुरुष टीम वर्ग में दो स्वर्ण पदक जीतकर क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। उनकी इस गौरवशाली उपलब्धि पर बलाई समाज विकास परिषद फुलेरा की ओर से सम्मान समारोह आयोजित कर उनका अभिनंदन किया गया। परिषद के मीडिया प्रभारी राजकुमार देवाल ने बताया कि युवराज वर्मा की इस ऐतिहासिक सफलता पर परिषद पदाधिकारियों ने उन्हें सम्मानित कर शुभकामनाएं दीं। साथ ही खिलाड़ी की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले उनके कोच बंशी वर्मा का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर बलाई समाज विकास परिषद के अध्यक्ष ताराचंद मेहरड़ा, संरक्षक मोतीलाल वर्मा, संयोजक भंवरलाल सांभरिया, महासचिव एवं पार्षद प्रितेश वर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष सोना वर्मा सहित सूरज करण तंवर, कन्हैयालाल गांधी, पूरणमल बुनकर, दीपक वर्मा, गोपाल ढेनवाल, विनय देवंदा, राजेंद्र वर्मा, गौरव, रामदयाल सोलड़ा, शांति देवी एवं कंचन देवी उपस्थित रहे। परिषद पदाधिकारियों ने युवराज वर्मा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में दो स्वर्ण पदक जीतना न केवल फुलेरा क्षेत्र, बल्कि पूरे समाज के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है। उनकी उपलब्धि से क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को भी खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

शाहपुरा थानाधिकारी रिया चौधरी का डबल एक्शन, मंदिर चोरी व चेन स्नेचिंग गैंग का पर्दाफाश

पावटा। अपराधियों पर शिकंजा कसने और आमजन में विश्वास कायम करने के अभियान के तहत शाहपुरा थाना प्रभारी रिया चौधरी ने एक के बाद एक दो बड़ी वारदातों का खुलासा कर पुलिस की सक्रियता का परिचय दिया है। शाहपुरा पुलिस ने साईवाड़ स्थित बालाजी मंदिर में दानपात्र चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, वहीं भीड़भाड़ वाले इलाकों में महिलाओं के गले से सोने की चेन और जोल्या (जंतर) तोड़कर फरार होने वाली शातिर महिला गैंग की तीन सदस्यों को भी गिरफ्तार किया है। दोनों मामलों में कुल पांच आरोपियों की गिरफ्तारी से क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों को पुलिस ने कड़ा संदेश दिया है।

पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद आईपीएस ने बताया कि क्षेत्र में हुई इन वारदातों को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा लाखन सिंह एवं वृत्ताधिकारी शाहपुरा लक्ष्मीनारायण सैनी के निकटतम सुपरविजन में शाहपुरा थाना प्रभारी रिया चौधरी के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीमें गठित की गई थीं। टीमों ने

- **कुल पांच आरोपियों की गिरफ्तारी से क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों को पुलिस ने कड़ा संदेश दिया है।**

तकनीकी अनुसंधान, सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर तंत्र और लगातार फील्ड स्तर पर निगरानी के जरिए दोनों मामलों का खुलासा किया। साईवाड़ स्थित बालाजी मंदिर में दानपात्र चोरी की घटना से श्रद्धालुओं में रोष था।

18 नवंबर को परिवादी आदित्य प्रजापति निवासी साईवाड़ ने पुलिस थाना शाहपुरा में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि अज्ञात चोर मंदिर से दानपात्र चोरी कर ले गए। पुलिस ने मुकदमा नंबर 348/2026 दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने आसूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की पहचान करते हुए रमेश मीणा उर्फ रम्मो (22) और श्यामसुंदर कुमावत (35), दोनों निवासी साईवाड़ को डिटेन कर पूछताछ की। पूछताछ में दोनों ने वारदात करना स्वीकार किया। पुलिस ने 19 नवंबर को दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय से पुलिस रिमांड प्राप्त किया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किए गए दो दानपात्र और उनमें से निकाली गई 289 रुपये की नकदी बरामद कर जब्त की गई। दूसरी बड़ी कार्रवाई में शाहपुरा पुलिस ने महिलाओं के गले से सोने के जेवरात तोड़ने वाली महिला गैंग का पर्दाफाश किया। पुलिस के अनुसार गैंग की महिलाएं ई-रिक्शा, जीप और अन्य सवारी वाहनों में सफर करती थीं। भीड़भाड़ का फायदा उठाकर अन्य महिलाओं के नजदीक बैठतीं और मौका मिलते ही उनके गले से सोने की चेन एवं जोल्या (जंतर) तोड़कर फरार हो जाती थीं। इन वारदातों से क्षेत्र में महिलाओं के बीच चिंता का माहौल था।

पुलिस के अनुसार 16 अक्टूबर को चतरपुरा निवासी मेवा देवी ई-रिक्शा में शाहपुरा से अपने घर जा रही थीं। इसी दौरान उनके साथ बैठी दो अज्ञात महिलाओं ने उनके गले से सोने का जोल्या चोरी कर लिया। इस संबंध में उनके भाई शिम्भुदयाल गुर्जर ने मुकदमा दर्ज करवाया था। वहीं 18 नवंबर को शाहपुरा के पुराना दिल्ली रोड स्थित डाबर मोहल्ला निवासी ममता देवी के साथ भी ई-रिक्शा में सफर के दौरान इसी तरह की वारदात हुई। दोनों मामलों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाया। महिला गैंग का खुलासा करने के लिए पुलिस ने क्राइम पैटर्न एनालिसिस, तकनीकी सर्विलांस, सीसीटीवी मैपिंग, रूट ट्रेसिंग, मुखबिर तंत्र और फील्ड वेरिफिकेशन का सहारा लिया। जांच में ग्राम मेहरमपुर राजपूत क्षेत्र की मिथलेश देवी उर्फ मीता (32), रीना देवी (30) और रजनी देवी (32) की संदिग्ध गतिविधियां सामने आईं। पुलिस ने तीनों को डिटेन कर पूछताछ की। अनुसंधान में आरोप प्रमाणित पाए जाने पर तीनों को 20 नवंबर को धारा 303(2) एवं 112(2) बीएनएस के तहत बापर्दा गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब तीनों महिलाओं से जुड़ी अन्य संभावित वारदातों और गिरोह में शामिल अन्य लोगों के संबंध में भी गहन अनुसंधान कर रही है। दोनों बड़ी कार्रवाइयों में थाना प्रभारी रिया चौधरी पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में गठित टीमों की अहम भूमिका रही।

उम्र के 80 बसंत पार करने वाले बुजुर्गों का सम्मान

अलवर। उम्र के आठ दशक पार कर चुके बुजुर्गों के चेहरे पर सम्मान का भाव और आंखों में जीवनभर के अनुभवों की चमक उस समय देखने को मिली, जब शहर के पेंशन भवन में 80 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सदस्यों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित कर उनके लंबे जीवन के अनुभवों, सामाजिक योगदान और उपलब्धियों को याद किया गया।

इस अवसर पर पुस्तक का विमोचन भी किया गया। समारोह में नगर निगम की मुख्य अतिथि सुमन लता ने वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करते हुए कहा कि बुजुर्ग किसी भी समाज की अमूल्य धरोहर होते हैं। उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों, संघर्षों और कार्यों से परिवार के साथ-साथ समाज को भी दिशा देने का काम किया है। उनके अनुभव नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शन का काम करते हैं। आज की युवा पीढ़ी को बुजुर्गों के जीवन से धैर्य, अनुशासन, मेहनत और पारिवारिक मूल्यों की सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करना केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी है। जिस समाज में बुजुर्गों को आदर और सम्मान मिलता है, वहां संस्कारों और परंपराओं की जड़ें मजबूत रहती हैं।

संस्था के सचिव सतीश शर्मा ने बताया कि संस्था की ओर से 80 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सदस्यों के सम्मान के लिए यह आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और आत्मीयता प्रकट करना है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों ने अपने जीवन का लंबा समय परिवार, समाज और कार्यक्षेत्र को समर्पित किया है। उनके योगदान को याद करना और उन्हें सम्मान देना समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजन वरिष्ठ नागरिकों को आपस में मिलने-जुलने और अपने अनुभव साझा करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। इससे नई पीढ़ी को उनके जीवन संघर्षों और उपलब्धियों को करीब से जानने का मौका मिलता है।

कार्यक्रम के दौरान पुस्तक का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर सदस्यों एवं गणमान्य लोगों ने वरिष्ठ नागरिकों के जीवन अनुभवों और समाज में उनकी भूमिका पर विचार व्यक्त किए। सम्मान समारोह में बुजुर्गों के प्रति अपनत्व और आदर का भाव देखने को मिला। आयोजन का माहौल भावनात्मक और उत्साहपूर्ण रहा।

जनप्रतिनिधियों का सम्मान

शाहपुरा। पीपलोद ग्राम में रविवार को जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें नगर निकाय व पंचायतीराज चुनाव में नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का समाज सेवी सुभाष पोषवाल की ओर से माल्यार्पण व साफा पहनाकर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में शाहपुरा सभापति रविश खटाणा, पीपलोद सरपंच अर्जुनलाल सराधना, देवीपुरा सरपंच श्रवण स्वामी, खातोलाई सरपंच बागाराम गौरसी, मामटोरी सरपंच सतपाल कसाणा, बियावास सरपंच मुरारी सिंधू, कुम्भावास सक्तपुरा सरपंच शिवदयाल पायला सहित बाबूलाल पोषवाल, रणधीर प्रजापत, राजेंद्र बुनकर, वीरेंद्र चेलरवाल, सुरेश सराधना, साधुराम सराधना, रामस्वरूप पायला, ताराचंद पोसवाल, डॉ. छाजूराम चनेजा आदि का शिक्षाविद धुड़ाराम पोषवाल, सुभाष पोषवाल, धोलूराम दहिया, जयपाल सराधना, पन्नालाल लोमोड़ आदि ने जनप्रतिनिधियों का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु अभिभावक-शिक्षक संवाद

सांभरझील, (निसं)। यहां राजकीय दरबार विद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु अभिभावक व शिक्षकों में संवाद हुआ, जिसमें प्रमुख रूप सस विद्यार्थियों की शैक्षिणक प्रगति, नियमित उपस्थिति को लेकर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। मेगा पीटीएम के अंतर्गत अभिभावकों एवं विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से टीचर बनाम पेरेंट्स रीडिंग प्रतियोगिता सहित विभिन्न रोचक शैक्षिणक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में संचालित रीडिंग प्रमोशन कैंपेन (मिशन पढ़ो) के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों के परिणाम घोषित किए गए। आयोजित पठन गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यालय एवं अभिभावकों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करना, बच्चों में पठन कौशल विकसित करना तथा शिक्षा के प्रति अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा।

विशाल भंडारे के साथ नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का भव्य समापन

पावटा। कस्बे के बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर परिसर में आयोजक केशवानंद आशीष गर्ग एवं संयोजक बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर कमेटी के तत्वावधान में आयोजित नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का रविवार को धार्मिक उल्लास, श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण के बीच विशाल भंडारे के साथ भव्य समापन हुआ। नौ दिनों तक चले इस आध्यात्मिक आयोजन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त किया। कथा के अंतिम दिन वृंदावन धाम से पधारे प्रसिद्ध कथावाचक अभिषेक पाठक महाराज के ओजस्वी एवं भावपूर्ण प्रवचनों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। अंतिम दिन विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर कथा ज्ञान यज्ञ की पूर्णाहुति की गई। इसके पश्चात आयोजित विशाल भंडारे में क्षेत्रभर से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर प्रसादी ग्रहण की। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति, सेवा और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला। कथावाचक अभिषेक पाठक महाराज ने श्रीमद्भागवत की महिमा का वर्णन करते हुए भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं, भक्ति, प्रेम, त्याग, धर्म और मानव जीवन में सद्कर्मों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक ग्रंथ का श्रवण मात्र नहीं, बल्कि मनुष्य को जीवन जीने की सही दिशा दिखाने वाली आध्यात्मिक प्रेरणा है। भगवान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा से मनुष्य के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है।

- **नौ दिनों तक श्रद्धालुओं ने किया कथा अमृत का रसपान, पूर्णाहुति के बाद उमड़ा आस्था का सैलाब; कृष्ण-सुदामा की मित्रता और रुक्मणी विवाह के प्रसंगों ने बांधा समां**



श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण के बीच विशाल भंडारे के साथ भव्य समापन हुआ।

पांच वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं : कुलदीप

टोंक। उप राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के अंतर्गत जिले में पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नानूराम कुलदीप, उप नियंत्रक डॉ. चेतन कुमार जैन एवं जिला अस्पताल टोंक के अभियान नोडल अधिकारी डॉ. रविंद्र सैनी द्वारा पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान की शुरुआत की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शैलेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि जिले में अभियान के तहत 2,18,585 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के प्रथम दिवस बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। आगामी दो दिवस टीकाकरण टीमें घर-घर जाकर बूथ पर छूटे बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी। इसके साथ ही ट्रांजिट एवं मोबाइल टीमों द्वारा अभियान के तीनों दिवस बच्चों को टीकाकृत किया जाएगा, ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नानूराम कुलदीप ने आमजन से अपील की कि पांच वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं तथा अभियान के आगामी दो दिवस स्वास्थ्य विभाग की टीमों का सहयोग कर बच्चों को पोलियो की खुराक दिलवाएं।

- **प्रथम दिवस बूथों पर बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक**
- **टोंक जिले में 2,18,585 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य**



टोंक में बच्चों ने गटकी पोलियो की खुराक।

सार-समाचार

करीब डेढ़ किलो स्मैक के साथ एक युवक गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे नशा मुक्त अभियान के तहत घाड थानाधिकारी हरिराम वर्मा के नेतृत्व में गठित थाना टीम व जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए घाड थाना क्षेत्र के बन्थली रोड़ सरोली मोड से आरोपी रमेश पुत्र भंवर लाल तंवर उम्र 20 साल निवासी पाल खण्डा सरखण्डी थाना घाटोली जिला झालावाड़ को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 किलो 475 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक व एक मोबाईल एवं 1160 रुपये नगद जप्त किया गया। पुलिस के अनुसार जप्त स्मैक की बाजार कीमत करीब 03 करोड़ रुपये बताई गई है। इस कार्यवाही में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज करके अनुसंधान जारी है।

शिविर में ब्लड प्रेशर, ईसीजी और शुगर की निःशुल्क जांच

अलवर। सरिस्का शक्ति फाउंडेशन की ओर से रविवार को मनुमार्ग स्थित सैनी स्कूल में निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों को परामर्श दिया। इस दौरान मरीजों की ब्लड प्रेशर, ईसीजी और शुगर की निःशुल्क जांच भी की गई। शिविर में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। फाउंडेशन की डायरेक्टर सीमा सैनी ने बताया कि संस्था की ओर से समय-समय पर सामाजिक सरोकारों के तहत इस प्रकार के चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाते हैं। इनका उद्देश्य आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि कई बार लोग व्यस्तता या जानकारी के अभाव में समय पर स्वास्थ्य जांच नहीं करवाते। ऐसे शिविरों के माध्यम से उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श और जरूरी जांच की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने बताया कि शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बीएस सैनी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रिचा गुप्ता, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सुरेश गैरा, गैस्ट्रो रोग विशेषज्ञ डॉ. बीके सैनी, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. मनाली गुप्ता एवं डॉ. अलीशा सैनी ने अपनी सेवाएं दीं। चिकित्सकों ने शिविर में पहुंचे मरीजों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं सुनीं और आवश्यक परामर्श दिया। शिविर में ब्लड प्रेशर, ईसीजी और ब्लड शुगर की जांच की व्यवस्था भी की गई थी, जिससे लोगों को अपनी स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी मिल सकी। विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने शिविर में पहुंचकर चिकित्सकीय परामर्श लिया। सीमा सैनी ने कहा कि संस्था का प्रयास है कि समाज सेवा के साथ लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बनी रहे। समय पर जांच और चिकित्सकीय परामर्श से कई बीमारियों की पहचान शुरुआती अवस्था में की जा सकती है। इसी उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक एवं जनहितकारी कार्यक्रम जारी रखने की बात कही।

अलवर में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

अलवर। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को गीतानंद शिशु चिकित्सालय में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया गया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेंद्र शर्मा, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी एवं जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मंजू शर्मा सहित चिकित्सा अधिकारी मौजूद रहे। सीएमएचओ डॉ. योगेंद्र शर्मा ने बताया कि जिले में अभियान के तहत 2 लाख 75 हजार से अधिक बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पोलियो के मामले सामने आने के मद्देनजर विशेष सतर्कता और जागरूकता जरूरी है। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मंजू शर्मा ने बताया कि अभियान के लिए जिले में 1861 बूथ स्थापित किए गए हैं। पहले दिन बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई, जबकि आगामी दो दिनों तक स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाएंगे। अभियान के सफल संचालन के लिए 54 ट्रांजिट टीम, 44 मोबाइल टीम और 213 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के साथ अन्य विभागों का भी सहयोग लिया जा रहा है, ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित नहीं रहे।

पांच वांछित अपराधी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में जिले में चलाये जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड़ विशेष अभियान के तहत वृताधिकारी उनियारा के सुपरविजन में सोप थानाधिकारी राजकुमार के नेतृत्व में गठित थाना टीम द्वारा थाना के प्रकरण में 2 माह से फरार आरोपी सुरजीत कंजर, पिंटू कंजर, महेंद्र कंजर, साहिल दाहिनी गाडा को अपराध प्रमाणित पाये जाने के बाद गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण मे आरोपित से अनुसंधान के बाद आज कोर्ट में पेश किया जाएगा। सोप थानाधिकारी ने बताया कि गत 25 सितम्बर को मनोहरपुरा मालियान थाना सोप में सांयकाल को किरोड़ी लाल पुत्र फूलचन्द सैनी, कैलाश पुत्र गोपी व सोनू पुत्र मुकेश जो अपने घर जा रहे थे, तभी बीच रास्ते में मनोहरपुरा राजकीय प्राथमिक विद्यालय के सामने पहुंचे तो सुरजीत कंजर, पिटू व तनिश कंजर ने उन्हे रोककर शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगे जिसके बाद किरोड़ी सैनी ने पैसे देने से मना किया तो गाली गलोच करने लगे और गुस्से में आकर उनके साथ मारपीट करने लगे तथा अन्य साथियों को मौके पर बुलाकर उन्हे डंडे, लकडियो से मारा, जहा घटना में वह घायल हो गये। जिसके बाद से अपराधी फरारा हो गये थे। बाद में पुलिस टीम ने तकनीकी संसाधनो व मिली सूचना के बाद सभी लड़ाकू चारों आरोपियों को 21 नवम्बर को गिरफ्तार कर अनुसंधान के बाद उन्हे आज कोर्ट मे पेश किया जायेगा। कार्यवाही करते हुए डिग्गी थानाधिकारी गोपाल चौधरी के नेतृत्व में गठित थाना टीम द्वारा थाना प्रकरण में दर्ज एमएमडीआर एक्ट मे करीब 4 माह से फौजदारी एवं 2000 रूपये के इनामी व थाना स्तर पर टॉप-10 फरार आरोपी डम्पर चालक पृथ्वीराज मीणा को पकड़ा।

चाय की थड़ियों से गैस सिलेंडर चुराने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

निवाई। पुलिस ने कस्बे में चाय की थड़ियों से गैस सिलेंडर चोरी करने की वारदातों का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से चोरी के चार गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देशानुसार क्षेत्र में चोरी, नकबजन व धोखाधडी की रोकथाम को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव व डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा के सुपरविजन में पुलिस की विशेष टीम का गठन किया। टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए आरोपी मुकेश पुत्र मदन गुर्जर निवासी सेंदरिया व हीरालाल सैनी पुत्र रामदेव माली निवासी बापू नगर को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि जीतराम राव पुत्र सीताराम राव निवासी बुरियो का खेड़ा थाना बरौनी एवं हाल किरायेदार कीर कॉलोनी ने मामला दर्ज करवाया था कि 18 नवंबर को दोपहर करीब 3 बजे गंगा जमुना गार्डन पास उनकी चाय की दुकान के बाहर से कोईचोर गैस सिलेंडर की टंकी चुरा ले गया। इसके अतिरिक्त 11 नवंबर को गणगौरी बाजार नसिया मंदिर के पास स्थित रामराय शर्मा की चाय की थड़ी एवं 18 नवंबर को हाउसिंग बोर्ड के प्रथम गेट के पास स्थित गणेश चौधरी की चाय की थड़ी से भी चोर द्वारा गैस की टंकी चोरी किए जाने की जानकारी सामने आई। इस पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। वारदातों के खुल



क्रिकेट बोर्ड केन विलियमसन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले का सम्मान करता है और चयनकर्ता अब बदलाव के दौर में अच्छी टीम तैयार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

-गेविन लार्सन

न्यूजीलैंड क्रिकेट की चयनसमिति के अध्यक्ष, विलियमसन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी



मुशफिकुर रहीम

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से पहले बांग्लादेश की टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के अनुभवी बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम गोइन इंजरी के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट 23 नवंबर से सेंचुरियन में खेला जाना है। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार मुशफिकुर को पहले टेस्ट के दौरान चोट लगी थी। इसके बाद उनका एमआरआई स्कैन कराया गया, जिसमें पेल्विक बोन के आसपास सूजन और जलन का पता चला है।

क्या आप जानते है : भारत ने 1975 और 1979 की विजेता वेस्ट इंडीज टीम को हराकर बड़ा उलटफेर किया।

वेलिंगटन टेस्ट में भारत की पकड़ मजबूत, न्यूजीलैंड के सामने विकेट बचाने की चुनौती

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड), 22 नवंबर। वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने अपनी बल्लेबाजी के दम पर न्यूजीलैंड को बैकफुट पर धकेल दिया है। पहली पारी में 352 रन की विशाल बढ़त हासिल करने के बाद भारतीय टीम ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है।

दूसरी पारी में न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 119 रन बना लिए हैं, लेकिन टीम अब भी भारत से 233 रन पीछे है। रचिन रवींद्र 27 रन और डेवोन कॉनवे 59 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच अब तक 59 रन की साझेदारी हो चुकी है। पांचवें दिन न्यूजीलैंड के सामने टेस्ट बचाने की चुनौती होगी, जबकि भारतीय टीम बाकी बचे आठ विकेट लेकर जीत दर्ज करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

न्यूजीलैंड को दूसरी पारी में कप्तान टॉम लाथम और हेनरी निकोल्स के रूप में दो झटके लगे हैं। लाथम को एक बार फिर पारी के पहले ओवर में ही जसप्रीत बुमराह ने पवेलियन भेजा। लाथम खाता नहीं खोल सके। वहीं, पहली पारी में नाबाद 175 रन बनाने वाले हेनरी निकोल्स 31 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा ने आउट किया।

इससे पहले भारतीय टीम ने चौथे दिन सुबह चार विकेट पर 486 रन से आगे खेलना शुरू किया।



विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने आक्रामक खेल जारी रखा और छक्का लगाते हुए टेस्ट करियर का नौवां शतक पूरा किया। उन्होंने अंशुल कंबोज के साथ पांचवें विकेट के लिए 68 रन और ध्रुव जुरेल के साथ छठे विकेट के लिए 75 रन की साझेदारी निभाई। इस दौरान कंबोज 38 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पंत 153 गेंदों में 10 चौकों और छह छक्कों की मदद से 128 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

जुरेल ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने वॉशिंगटन सुंदर के साथ सातवें विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी की। सुंदर 24 रन बनाकर आउट हुए। भारतीय टीम का आठवां विकेट आकाश दीप के रूप में गिरा। वह 13 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वहीं जुरेल 79 गेंदों में सात चौके और एक छक्के की मदद से 78 रन बनाकर आउट हुए। उनके आउट होते ही भारतीय टीम ने पारी घोषित कर दी। इस तरह भारत ने अपनी पहली पारी में नौ विकेट पर 720 रन बनाए।

पहली पारी में पंत के अलावा सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने भी शतक लगाया था। उन्होंने 290 गेंद में नौ चौके और दो छक्के की मदद से 136 रन बनाए थे। यशस्वी जायसवाल 85 रन और देवदत्त पडिक्कल 80 रन बनाकर आउट हुए थे। कप्तान गिल दो रन से शतक से चूक गए थे और 98 रन बनाए बनाए थे।

न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स ने तीन और रचिन रवींद्र ने दो विकेट लिए थे। मैट हेनरी, काइल जेमीसन, जैकब डफी और नाथन स्मिथ को एक-एक सफलता मिली थी।

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 368 रन बनाए थे। एक समय मेजबान टीम ने 70 के स्कोर पर पांच विकेट गवां दिए थे, जिसके बाद हेनरी निकोल्स और ग्लेन फिलिप्स ने न सिर्फ पारी को संभाला बल्कि छठे विकेट के लिए 216 रनों की साझेदारी करने के साथ स्कोर 300 रनों के पार पहुंचाने में अहम भूमिका अदा की। ग्लेन फिलिप्स जहां 118 रन बनाकर आउट हुए तो वहीं निकोल्स 175 रन बनाकर नाबाद रहे। भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह ने चार, आकाश दीप ने तीन विकेट, अंशुल कंबोज ने 2 विकेट और प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट लिया था।

न्यूजीलैंड में शतक बनाना मेरा लक्ष्य था: ऋषभ पंत



वेलिंगटन, 22 नवंबर । भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा कि न्यूजीलैंड में शतक बनाना उनका लक्ष्य था। चुनौतीपूर्ण पिच पर लंबे समय तक क्रीज पर टिककर टीम के लिए योगदान देना उनकी प्राथमिकता थी। पंत ने कहा कि उन्हें मैदान पर रहना बेहद पसंद है और वह बल्लेबाजी के साथ-साथ फील्डिंग और विकेटकीपिंग का भी पूरा आनंद लेते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में खेले जा रहे पहले टेस्ट की पहली पारी में ऋषभ पंत ने शानदार शतक जड़ा। उन्होंने अपने चिरपरिचित आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 153 गेंदों में 10 चौकों और छह छक्कों की मदद से 128 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी ने भारतीय टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। रविवार को चौथे दिन का खेल समाप्त होने के बाद पंत ने अपनी बल्लेबाजी, शतक पूरा करने की रणनीति और मैदान पर खेल का आनंद लेने को लेकर खुलकर बात की।

पंत ने कहा कि मुझे लगता है कि यह वास्तव में बेहतरीन पारी थी। न्यूजीलैंड में शतक बनाना मेरी प्राथमिकता थी। ऐसी पिच पर, जहां रन बनाने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है और बाकी बल्लेबाज भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों, वहां मेरी कोशिश ज्यादा से ज्यादा समय तक क्रीज पर टिकने और टीम के लिए अपना योगदान देने की थी।

अपनी आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति के बारे में पंत ने कहा कि वह मैदान पर बहुत ज्यादा योजनाएं बनाकर नहीं उतरते। उन्होंने कहा कि सच कहूं तो मैं इस बारे में बहुत ज्यादा नहीं सोचता। ज्यादातर समय गेंदबाज की सोच को समझने की कोशिश करता हूं लेकिन चीजों को काफी सरल रखता हूं। जब भी गेंद मेरे सामने आती है, मैं उसे हिट करने की कोशिश करता हूं। अगर गेंद मेरे पसंदीदा क्षेत्र में होती है तो मैं उस पर शॉट खेलने से नहीं हिचकिचाता।

शतक पूरा करने के लिए छक्का लगाने की योजना के सवाल पर पंत ने बताया कि आमतौर पर वह छक्के के साथ शतक पूरा करना पसंद करते हैं लेकिन इस बार उन्होंने धैर्य से काम लिया।

उन्होंने कहा कि जब भी मैं शतक के करीब होता हूं तो मेरी कोशिश छक्के के साथ उसे पूरा करने की रहती है। हालांकि, ऐसा करने के प्रयास में कई बार शतक पूरा करने से चूक भी गया हूं इसलिए इस बार मैंने धैर्य रखा और सही मौके का इंतजार किया। जब मिड-ऑफ का फील्डर ऊपर आ गया तो मुझे लगा कि शॉट खेलने का यह सही मौका है। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में पूर्व दिग्गज ब्रेंडन मैकुलम को पीछे छोड़ने पर पंत ने कहा कि बचपन में उनके मन में ज्यादा छक्के लगाने जैसे लक्ष्य जरूर होते थे लेकिन अब उनका ध्यान लगातार अच्छा प्रदर्शन करने पर है। उन्होंने कहा, "बचपन में मेरे मन में ऐसे छोटे-छोटे लक्ष्य होते थे, जैसे ज्यादा से ज्यादा छक्के लगाना। लेकिन अब अपने करियर के इस पड़ाव पर मैं इन चीजों के बारे में नहीं सोचता। मैं सिर्फ लगातार अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं और जहां भी खेलूं, अपनी छाप छोड़ना चाहता हूं।" पंत ने आगे कहा कि उन्हें मैदान पर रहना बेहद पसंद है। जब भी मैं मैदान पर उतरता हूं, चाहे बल्लेबाजी कर रहा हूं या फील्डिंग, मेरी कोशिश हर पल का आनंद लेने की होती है। सच कहूं तो मैदान पर होना ही मुझे खुशी देता है। मैं वहां बिताए हर दिन का आनंद लेता हूं।

एसएमएस स्टेडियम में फिट इंडिया-संडेज ऑन साइकिल का 99वां संस्करण आयोजित



जयपुर, 22 नवंबर। फिट इंडिया अभियान के तहत रविवार को एसएमएस स्टेडियम में 'फिट इंडिया-संडेज ऑन साइकिल' का 99वां संस्करण आयोजित किया गया। माय भारत के सहयोग से आयोजित इस विशेष कार्यक्रम की थीम 'नशा मुक्ति अभियान' रही। इसमें सुबोध कॉलेज और कनोडिया कॉलेज के करीब 125 विद्यार्थियों सहित युवाओं और फिटनेस प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जुंबा और फिटनेस गतिविधियों से हुआ। इसके बाद सुधीर शर्मा ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पांच किलोमीटर की यह रैली अमर जवान ज्योति से शुरू होकर विधानसभा, पृथ्वीराज रोड, स्टेच्यू सर्किल और अंबेडकर सर्किल होते हुए वापस अमर जवान ज्योति पहुंची। इस दौरान प्रतिभागियों ने नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की शपथ ली। डॉ. आंचल पुरी ने नेत्रदान के महत्व पर जागरूकता सत्र आयोजित कर लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में माय भारत के सहायक निदेशक शरद त्रिपाठी, दिव्या, डॉ. आंचल पुरी, यूथ आइकन अंकित शर्मा, एनएसएस समन्वयक डॉ. अनंत विजया सोनी और डॉ. राकेश धाबी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को खेल, साइकिलिंग और नियमित व्यायाम के प्रति प्रोत्साहित करने के साथ नशामुक्त समाज का संदेश देना रहा। फिट इंडिया के 'फिटनेस का डोज-आधा घंटा रोज' संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

राजीव मेहता पांच दिसंबर को होने वाले आईओए अध्यक्ष चुनाव में भरेंगे पर्चा

नई दिल्ली, 22 नवंबर। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के पूर्व महासचिव राजीव मेहता पांच दिसंबर को होने वाले अध्यक्ष पद के चुनाव में उतरने की तैयारी में हैं और पूर्व खेल प्रशासक सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं। मेहता के करीबी एक सूत्र ने रविवार को बताया कि उन्होंने शीर्ष पद के लिए चुनाव लड़ने का फैसला लगभग कर लिया है। वह निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के साथ ही ओलंपिक चार्टर के तहत आईओए की स्वायत्तता का सम्मान किए जाने की उम्मीद कर रहे हैं।" मेहता 2014 से 2022 तक आईओए के महासचिव रहे थे। वह फिलहाल भारतीय तलवारबाजी संघ और एशियाई तलवारबाजी परिसंघ दोनों के महासचिव हैं।

इस बीच, आईओए के उपाध्यक्ष और ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग को अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है। नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन रविवार को आईओए के निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार श्रीवास्तव को कोई नामांकन पत्र नहीं मिला। श्रीवास्तव ने एक अधिसूचना में कहा, "आईओए की 2026 की कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्षों, कोषाध्यक्ष, संयुक्त सचिव और अन्य कार्यकारी परिषद सदस्यों के पदों के लिए आज कोई नामांकन पत्र प्राप्त नहीं हुआ।" विभिन्न पदों के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम समयसीमा मंगलवार शाम साढ़े चार बजे तक है।

भारत ने थाईलैंड को 7-0 से दी शिकस्त, दीपिका ने लगाई हैट्रिक

नई दिल्ली, 22 नवंबर। गत चैंपियन भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को थाईलैंड को 7-0 से करारी शिकस्त दी। यह टूर्नामेंट में भारत की लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले भारतीय टीम मलेशिया और दक्षिण कोरिया को हरा चुकी है। भारत की ओर से नवनीत कौर ने चौथे मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर टीम का खाता खोला। इसके बाद दीपिका ने 10वें मिनट में शानदार मैदानी गोल कर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। थाईलैंड की टीम अभी संभल भी नहीं पाई थी कि अगले ही मिनट दीपिका ने एक और गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया।

शानदार लय में खेल रही भारतीय टीम ने लगातार हमले जारी रखे। मुमताज खान ने 28वें मिनट में गोल कर भारत की बढ़त 4-0 कर दी। मुमताज का यह टूर्नामेंट में तीसरा गोल था।

वह इससे पहले वह शुरुआती दो मुकाबलों में भी गोल कर चुकी थीं। मध्यांतर तक भारतीय टीम ने मुकाबले पर पूरी तरह अपना दबदबा बना लिया था। तीसरे क्वार्टर में भी भारतीय खिलाड़ियों का आक्रामक अंदाज जारी रहा। खेल दोबारा शुरू होने के तुरंत बाद 32वें मिनट में सुनेलिता टोप्पो ने गोल दागकर भारत को 5-0 से आगे कर दिया। इसके बाद दीपिका ने 56वें मिनट में अपना तीसरा गोल कर हैट्रिक पूरी की और भारत की बढ़त 6-0 कर दी। मैच के अंतिम क्षणों में नवनीत कौर ने पेनल्टी स्ट्रोक पर एक और गोल दागकर भारत की जीत 7-0 से सुनिश्चित कर दी।

जयपुर ने 9-5 के स्कोर से रामबाग को हराकर जीता कोटा कप टूर्नामेंट



जयपुर, 22 नवंबर। जयपुर पोलो सीजन 2026 के तहत कोटा कप (04 गोल्स) टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रविवार को राजस्थान पोलो क्लब ठाउंड (आरपीसी) पर खेला गया। फाइनल मुकाबले में टीम जयपुर और रामबाग आमने-सामने रहीं। टीम जयपुर ने 9-5 के स्कोर से टीम रामबाग को शिकस्त देकर कप अपने नाम कर लिया। विजेता टीम जयपुर की ओर से एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 5 गोल दागे। वहीं, कुलदीप सिंह राठौड़ ने 3 गोल और दिव्यमान सिंह दुजोद ने 1 गोल किया। टीम में विश्वराज सिंह राठौड़ भी शामिल रहे। दूसरी तरफ, टीम रामबाग के लिए जुआन जोस अल्बर्डी ने 4 गोल, जबकि प्रताप सिंह कानोता ने 1 गोल किया। टीम से मिर्जा मोहम्मद बेग और रणशेय पुरोहित भी खेले।

हॉकी : न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का सीरीज पर कब्जा, आखिरी मैच 2-2 से ड्रॉ

ऑकलैंड (न्यूजीलैंड), 22 नवंबर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की इंडिया-न्यूजीलैंड सेंचुरी ऑफ स्पोर्टिंग यूनिटी सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली। दोनों टीमों के बीच रविवार को ऑकलैंड के लॉयड एल्स्मोर हॉकी स्टेडियम में खेला गया सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। भारतीय टीम ने सीरीज के पहले मुकाबले में 3-2 से जीत दर्ज की थी, जबकि बाकी दोनों मैच ड्रॉ रहे। आखिरी मुकाबले में भारत के लिए कप्तान संजय (16वें मिनट) और सेल्वम कार्थि (18वें मिनट) ने गोल किए, जबकि न्यूजीलैंड के लिए डायलन थॉमस (9वें मिनट) और बेंजी कुलहेन (55वें मिनट) ने गोल किए। तीसरे और आखिरी मुकाबले में मेजबान न्यूजीलैंड ने आक्रामक शुरुआत की। टीम को नौवें मिनट में डायलन थॉमस ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर 1-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि, भारतीय टीम ने जल्द ही वापसी की। कप्तान संजय राणा ने 16वें मिनट में गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

इसके दो मिनट बाद ही सेल्वम कार्थि ने 18वें मिनट में फील्ड गोल करते हुए भारत को 2-1 से आगे कर दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी बढ़त बरकरार रखने के लिए मजबूत खेल दिखाया। तीसरे और चौथे क्वार्टर में भारतीय टीम बढ़त बनाए हुए थी। हालांकि, मुकाबला समाप्त होने से पांच मिनट पहले यानी 55वें मिनट में बेंजी कुलहेन ने गोल करके न्यूजीलैंड को 2-2 की बराबरी पर ला दिया।

विल जैक्स ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बाकी बचे टी-20 मैचों से बाहर

मेलबर्न, 22 नवंबर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान हाथ में चोट लगने के कारण इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स बाकी वाइट-बॉल सीरीज से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इसकी पुष्टि की है। हालांकि, उनकी जगह किस खिलाड़ी को टीम में शामिल किया जाएगा, इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है। इंग्लैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया एक्स पर बताया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार रात खेले गए टी-20 मैच में हाथ में चोट लगने के कारण विल जैक्स ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड पुरुष टीम के बाकी व्हाइट बॉल दौरे से बाहर हो गए हैं।

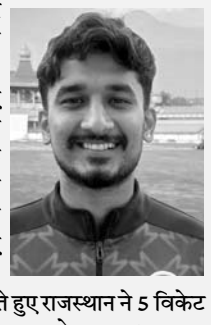
बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मार्करम करेंगे कप्तानी

सेंचुरियन, 22 नवंबर । दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश के खिलाफ सोमवार यानी 23 नवंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए अपनी प्लेइंग-11 घोषित कर दी है। टीम ने पहले टेस्ट की तुलना में दो बदलाव किए हैं। नियमित कप्तान टेम्बा बावुमा की गैरमौजूदगी में एडेन मार्करम टीम की कप्तानी करेंगे। वहीं, टोनी डी जोरजी को बावुमा की जगह प्लेइंग-11 में शामिल किया गया है। इसके अलावा तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे की भी टीम में वापसी हुई है।

आईसीसी के अनुसार बावुमा पहले टेस्ट के दौरान बल्लेबाजी करते समय दाहिनी पिंडली में खिंचाव आने के कारण बाहर हो गए हैं। उनकी जगह शामिल किए गए टोनी डी जोरजी ने अब तक 17 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने कुल 919 रन बनाए हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 177 रन है, जो उन्होंने 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ ही बनाया था। वहीं, गेंदबाजी विभाग में एनरिक नॉर्टजे की वापसी हुई है।

सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी राजस्थान की चौथी जीत, कुणाल सिंह राठौड़ का शानदार शतक

जयपुर, 22 नवंबर। बीसीसीआई की सीनियर सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में राजस्थान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मिजोरम को 67 रन से हराकर टूर्नामेंट में अपनी चौथी जीत दर्ज की। मुंबई में खेले गए मुकाबले में राजस्थान की जीत के नायक कुणाल सिंह राठौड़ रहे, जिन्होंने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए शानदार शतक जड़ा।



पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने 5 विकेट पर 224 रन का विशाल स्कोर बनाया। कुणाल सिंह राठौड़ ने 60 गेंदों पर 8 चौकों और 8 छक्कों की मदद से नाबाद 116 रन की शतकीय पारी खेली। मुकुल चौधरी ने 12 गेंदों पर 28, कार्तिक शर्मा ने 23 और महिपाल लोमरोड़ ने 11 गेंदों पर नाबाद 23 रन बनाए। मिजोरम के ख्यांग्ते वनरोतलिंगा ने 30 रन देकर 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मिजोरम की टीम निर्धारित ओवरों में 5 विकेट पर 157 रन ही बना सकी। चिन्मय सुथार ने 48 और ख्यांग्ते वनरोतलिंगा ने नाबाद 34 रन बनाए। राजस्थान की ओर से हिमांशु नेहरा ने 29 रन देकर 2 विकेट और राहुल चाहर ने 31 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि मानव सुथार ने एक विकेट हासिल किया। इस तरह राजस्थान ने मुकाबला 67 रन से अपने नाम कर टूर्नामेंट में चौथी जीत हासिल की।

राज्य टेबल टेनिस चैंपियनशिप में जयपुर की टीम घोषित



जयपुर, 22 नवंबर। भरतपुर में 23 से 27 नवंबर तक आयोजित होने वाली 71वीं राजस्थान राज्य टेबल टेनिस चैंपियनशिप में जयपुर की टीम दमखम दिखाएगी। जयपुर जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन ने प्रतियोगिता के लिए अंडर-17, अंडर-19 बॉयज-गर्ल्स तथा मेन्स-वुमेन्स वर्गों की टीम घोषित कर दी है।

- **23 से 27 नवंबर तक भरतपुर में होगा आयोजन, छह वर्गों में उतरेंगे जयपुर के खिलाड़ी**

जयपुर टीम में शामिल खिलाड़ी

मेन्स सिंगल्स: सौरभ कपूर, भवित सिंह बिष्ट, तुषार रामचंदानी, नैतिकवीर यादव एवं अरिंजय कुच्छल।

वुमेन्स सिंगल्स: समृद्धि व्यास, ख्याति शर्मा, आरना सहनेय, प्रत्यूषा शर्मा एवं अनुष्का आचार्य।

अंडर-19 बॉयज: सौरभ कपूर, तुषार रामचंदानी, भवित सिंह बिष्ट एवं अरिंजय कुच्छल।

अंडर-19 गर्ल्स: समृद्धि व्यास, आरना सहनेय, ख्याति शर्मा एवं राधिका सोनी।

अंडर-17 बॉयज: नैतिकवीर यादव एवं युवान बकलिवाल।

अंडर-17 गर्ल्स: समृद्धि व्यास एवं आरना सहनेय।

टीम के कोच अंतरराष्ट्रीय स्तर के पूर्व टेबल टेनिस खिलाड़ी विवेक भार्गव होंगे। जयपुर जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष किशन माहेश्वरी ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

अखिल भारतीय पुलिस लॉन टेनिस चैंपियनशिप 2026 में राजस्थान पुलिस ने जीता रजत पदक

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने दी बधाई

जयपुर, 22 नवंबर। बेंगलुरु में 16 से 21 नवंबर 2026 तक आयोजित ऑल इंडिया पुलिस लॉन टेनिस चैंपियनशिप-2026 में राजस्थान पुलिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया है। प्रतियोगिता के मिश्रित युगल (मिक्स्ड डबल्स) वर्ग में राजस्थान पुलिस के आईपीएस अधिकारी राजेन्द्र सिंह सिसोदिया और वंदिता राणा की जोड़ी ने उपविजेता रहते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल, टीम भावना और दृढ़ संकल्प के साथ मुकाबलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राजस्थान पुलिस को गौरवान्वित किया।

प्रतियोगिता के दौरान आयोजित समारोह में खिलाड़ियों को कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री जी. परमेश्वर, कैबिनेट मंत्री रिजवान तथा पुलिस महानिदेशक, कर्नाटक द्वारा पदक प्रदान किए गए।



डीजीपी ने दी बधाई एवं शुभकामनाएं : महानिदेशक पुलिस राजस्थान राजीव कुमार शर्मा ने इस शानदार उपलब्धि पर आईपीएस राजेन्द्र सिंह सिसोदिया एवं वंदिता राणा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल करना राजस्थान पुलिस के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। दोनों अधिकारियों ने अपनी खेल प्रतिभा, मेहनत, अनुशासन और टीम भावना से प्रदेश पुलिस का गौरव बढ़ाया है। डीजीपी शर्मा ने दोनों खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा व्यक्त की कि वे भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राजस्थान पुलिस का नाम रोशन करते रहेंगे।

- **बेंगलुरु में 16 से 21 नवंबर तक आयोजित प्रतियोगिता के मिक्स्ड डबल्स वर्ग में आईपीएस राजेंद्र सिंह सिसोदिया और वंदिता राणा की जोड़ी बनी उपविजेता**
- **कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर, कैबिनेट मंत्री रिजवान और डीजीपी कर्नाटक ने प्रदान किए पदक**

एक लाख लोगों ने राज्य के हस्तशिल्प, निवेश व पर्यटन का प्रदर्शन देखा

मुख्यमंत्री भजनलाल के ''विकसित राजस्थान'' के विज़न पर आधारित है, प्रगति मैदान में राजस्थान पवेलियन

नई दिल्ली/जयपुर, 22 नवम्बर। नई दिल्ली में आयोजित हो रहे 45वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में राजस्थान पवेलियन प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, हस्तशिल्प, औद्योगिक क्षमताओं, निवेश संभावनाओं एवं आधुनिक तकनीकी नवाचारों का आकर्षक प्रदर्शन कर रहा है।

प्रगति मैदान के हॉल संख्या-3 के ग्राउंड फ्लोर पर लगभग एक हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में स्थापित पवेलियन अब तक करीब एक लाख आगंतुकों का स्वागत कर चुका है। पार्टनर स्टेट के रूप में राजस्थान इस वर्ष भी मेले में सहभागी है।

इस मंच के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 'विकसित राजस्थान' के विजन को मुख्य रूप से प्रस्तुत किया जा रहा है। राजस्थान पवेलियन में प्रदेश के 41 जिलों के ओडीओपी उत्पादों एवं 24 जीआई टैग उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। वहीं, 44 स्टॉलों के माध्यम से शिल्पकारों, उद्यिमयों, उत्पाद निर्माताओं एवं महिला स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन का अवसर प्रदान किया गया है। आईआईटीएफ-2026 में राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन, हस्तशिल्प एवं विकास की संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा।

- **भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में राजस्थान के पवेलियन के 44 स्टॉलों में प्रदेश के शिल्पकारों, उद्यमियों, उत्पाद निर्माताओं तथा महिला स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन का अवसर प्राप्त हुआ।**

दीपक विवाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पारंपरिक कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति दी गई थी। शुक्रवार को जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने सख्त शर्तों के साथ यह अस्थायी व्यवस्था दी थी। कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि केवल देवस्थानम (मंदिर प्रशासन) की अधिकृत टीम और अधिकारी ही पुरातत्व विभाग (एएसआइ), पुलिस और मदुरै जिला कलेक्टर की निगरानी में यह अनुष्ठान करेंगे। इस दौरान किसी भी जुलूस, नारेबाजी या आम जनता के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया था। साथ ही, जरूरत पड़ने पर सीआरपीएफ की तैनाती के निर्देश भी दिए गए थे। दरअसल, विवाद की जड़ पहाड़ी की चोटी पर स्थित हजरत सुल्तान सिकंदर बादशाह औलिया दरगाह और दीपथून स्तंभ के बीच महज लगभग 50 मीटर की दूरी है। दशकों से दीप निचली ढलान पर स्थित दीप मंडपम में जलाया जाता रहा है।

सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान रवाना

अमृतसर (पंजाब), 22 नवंबर। श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर पाकिस्तान स्थित ऐतिहासिक गुरुधामों के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का जत्था रविवार को पाकिस्तान रवाना हो गया। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के कार्यालय से 1822 श्रद्धालुओं का जत्था अटारी-वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान के लिए रवाना हुआ। जत्थे में श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज भी शामिल हैं।

- **यह जत्था पाकिस्तान में श्री ननकाना साहिब, श्री पंजा साहिब, गुरुद्वारा सच्चा सौदा आदि ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन करेगा।**

यह जत्था पाकिस्तान में श्री ननकाना साहिब, श्री पंजा साहिब, गुरुद्वारा सच्चा सौदा सहित विभिन्न ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिबानों में नतमस्तक होकर गुरु घरों का आशीर्वाद प्राप्त करेगा। धार्मिक यात्रा पूरी करने के बाद जत्था दिसंबर को भारत वापस लौटेगा।

इस बार एसजीपीसी की ओर से कुल 1828 श्रद्धालुओं के पासपोर्ट वीजा जारी करवाने के लिए पाकिस्तान सरकार को भेजे गए थे, लेकिन पाकिस्तान सरकार ने इनमें से 1822 श्रद्धालुओं को ही वीजा जारी किया। इस कारण छह श्रद्धालु वीजा नहीं मिलने के चलते यात्रा में शामिल नहीं हो सके।

'हर सभ्यता को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस मंच में एससीओ के सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। यह आयोजन दिल्ली के ऐतिहासिक पुराना किला में हुआ था। इस घोषणापत्र में मुख्य रूप से सभ्यताओं के बीच समानता और सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को शामिल किया गया है। मंच में सदस्य देशों के बीच हुई चर्चा और उनके सुझावों के आधार पर यह दस्तावेज तैयार किया गया। दुनिया की प्रत्येक सभ्यता को समान सम्मान और अपनी बात रखने का बराबर अधिकार मिलना चाहिए।

रघुराज प्रताप सिंह, उर्फ राजा भैया...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। वे मायावती के सबसे प्रमुख राजनीतिक विरोधियों में से एक बन गए थे। ज्ञातव्य है कि मायावती उन कुछ मुख्यमंत्रियों में शामिल थीं, जिन्होंने कुंडा में उनके प्रभाव को सीधे चुनौती दी थी।

लेकिन राजनीतिक तूफानों के बीच टिके रहने की उनकी क्षमता उल्लेखनीय रही है।

जब 1997 में बहुजन समाज पार्टी ने कल्याण सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार से समर्थन वापस ले लिया था, तो सरकार को सत्ता में बने रहने के लिए विधायकों की संख्या जुटाने की जरूरत थी। कल्याण सिंह, जिन्होंने कभी राजा भैया को सार्वजनिक रुप से ''कुंडा का गुंडा'' कहा था, ने आखिरकार उनसे समर्थन मांगा। इसके बाद राजनीतिक समीकरण तेजी से बदले और जल्द ही राजा भैया को कल्याण सिंह मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया गया।

वे कल्याण सिंह, राजनाथ सिंह, राम प्रकाश गुप्ता, मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव सहित, अलग-अलग मुख्यमंत्रियों की सरकारों में मंत्री रह चुके हैं।

वर्षों तक वे एक निर्दलीय विधायक बने रहे। इस दौरान उन्होंने अपने राजनीतिक हितों के अनुसार अलग-अलग सरकारों को समर्थन दिया, लेकिन साथ ही उन्होंने अपनी अलग पहचान और प्रभाव भी बनाए रखा। उन्होंने निर्दलीय विधायक की राजनीति से आगे बढ़कर, अपना अलग राजनीतिक मंच बनाने की कोशिश के फलस्वरुप, नवम्बर 2018 में ''जनसत्ता दल लोकतांत्रिक'' नाम की पार्टी बनाई।

- **और, अब अखिलेश यादव ने हिन्दुस्तान टॉइम्स लीडरशिप उत्सव में राजा भैया का नाम यू.पी. के कुख्यात गुंडे के रूप में गिनाया।**
- **सरकारें बदलीं, मु.मंत्री आए-गए, पर राजा भैया की कुंडा पर व किसी हद तक राजपूतों पर पकड़ बदस्तूर कायम है।**

अब तक यह पार्टी मुख्य रूप से उनके व्यक्तिगत प्रभाव और प्रतापगढ़ क्षेत्र तक ही सीमित रही है। लेकिन राजा भैया की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं अक्सर कुंडा से कहीं बड़ी रहीं हैं। उनकी राजनीतिक गतिविधियों और सार्वजनिक कार्यक्रमों से संकेत मिलता है कि वे खुद को ठाकुर समुदाय की आवाज के रूप में स्थापित करना चाहते हैं और उत्तर प्रदेश की व्यापक राजनीतिक बिसात पर एक अहम खिलाड़ी बनना चाहते हैं।

राजा भैया के राजनीतिक सफर का शायद सबसे दिलचस्प अध्याय समाजवादी पार्टी के साथ उनका लंबा जुड़ाव और बाद में उससे हुआ अलगाव है।

जब मायावती सत्ता में थीं, तब राजा भैया को गिरफ्तार किया गया था और उनके खिलाफ ''पोटा'' के तहत मामला दर्ज किया गया था। लेकिन 2003 में जब मुलायम सिंह यादव दोबारा मुख्यमंत्री बने, तो उनके खिलाफ दर्ज मामले वापस ले लिए गए। जेल से रिहा होने पर, समाजवादी पार्टी के कई बड़े नेता उनका स्वागत करने पहुंचे थे। यह इस बात का संकेत था कि समाजवादी पार्टी कुंडा के इस प्रभावशाली नेता को कितना राजनीतिक महत्व देती थी।

कई वर्षों तक दोनों के बीच संबंध मजबूत बने रहे। जब 2012 के विधानसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी की जीत हुई, तो राजा भैया को अखिलेश यादव के मंत्रिमंडल में मंत्री बनाया गया था।

लेकिन समय के साथ दोनों के रिश्तों में खटास आ गई।

2022 के विधानसभा चुनावों से पहले, अखिलेश यादव ने राजा भैया के साथ गठबंधन करने से इनकार कर दिया और कुंडा में उनके खिलाफ प्रचार भी किया। लेकिन राजा भैया अपनी सीट बचाने में सफल रहे।

दोनों के बीच की कड़वाहट उस समय साफ दिखाई दी, जब, कुंडा के विधायक राजा भैया के साथ अपने रिश्तों के बारे में पूछे जाने पर, अखिलेश ने कहा, ''कौन राजा भैया''?

2027 के विधानसभा चुनावों से पहले, दोनों के बीच राजनीतिक विरोध ने एक नया रूप ले लिया है। अखिलेश यादव ने एक बार फिर राजा भैया पर निशाना साधा है। उन्होंने राजा भैया को कथित माफिया तत्वों के साथ जोड़ते हुए योगी सरकार की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

राम कथा के आयोजन ने इस राजनीतिक खाई को और गहरा कर दिया है। भगवान राम और भगवान कृष्ण पर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की विवादित टिप्पणियों के बाद, समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में उनके कार्यक्रमों का विरोध किया था। इसके बावजूद, राजा भैया ने कुंडा में इस कार्यक्रम का आयोजन किया।

सपा व कांग्रेस में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खुले हैं। नगीना सांसद आजाद ने एक समाचार एजेंसी को दिए एक साक्षात्कार में यह बात कही।

आजाद ने बताया कि उन्होंने सभी विपक्षी दलों से गठबंधन बनाने के लिए संपर्क किया था। उन्होंने जिम्मेदार नेताओं को औपचारिक संदेश भी भेजे थे। जब उन्हें लगा कि वे साथ नहीं आना चाहते, तो उन्होंने अलग मोर्चा बनाने का फैसला किया। उनका अनुभव बताता है कि भाजपा को हराने के लिए बड़े वोट शेयर वाले बड़े गठबंधन की आवश्यकता है। उन्होंने 2017 और 2022 के चुनावों का उदाहरण दिया। आजाद ने सपा-कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वे 2017, 2019, 2022 और 2024 में भी गंभीर नहीं थे। उन्होंने कहा कि इन विपक्षी दलों में भाजपा को रोकने की इच्छा नहीं है।

आजाद ने दावा किया कि मायावती के नेतृत्व वाली बसपा में लोगों का विश्वास कम हुआ है। उन्होंने बताया कि 2007 में बसपा का वोट शेयर 30 फीसदी था, जो अब घटकर नौ फीसदी रह गया है। यह 21 फीसदी का अंतर दर्शाता है कि चुनाव दर चुनाव लोगों का विश्वास घटा है। उन्होंने कहा कि आज बसपा का लोकसभा, विधानसभा या राज्यसभा में एक भी प्रतिनिधि नहीं है। इसके विपरीत, आजाद समाज पार्टी का समर्थन आधार लगातार बढ़ रहा है।

आजाद ने अपनी पार्टी के असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम के साथ गठबंधन को भाजपा की बी-टीम कहने के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि लोग ऐसे टिप्पणी करने वालों को जवाब देंगे, क्योंकि यह तर्क संविधान के विरुद्ध है। उन्होंने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि 2022 में कांग्रेस ने सपा के खिलाफ 399 सीटों पर चुनाव लड़ा और करीब 300 सीटों पर जमानत जब्त हुई। उन्होंने पूछा कि क्या तब कांग्रेस बी-टीम थी।

कांग्रेस के राष्ट्रीय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सचिवों को आवश्यक दिशा निर्देश और पार्टी के संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए उन्हें क्या-क्या करना है, इस बारे में आवश्यक जानकारी देंगे।

पंचायत राज संस्था के चुनाव में कांग्रेस पार्टी को मिली अच्छी सफलता के बाद कांग्रेस पार्टी के छोटे से बड़े नेता उत्साहित हैं। राहुल गांधी ने भी प्रदेश कांग्रेस के संगठन से जुड़े नेताओं को चुनाव में अच्छी उपलब्धि के लिए शाबाशी दी है।

सीमा पर तनाव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जहां भारतीय और चीनी सैनिक कई जगहों पर आमने-सामने हैं।

दोनों पक्षों ने इस इलाके में बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात किया है और आने वाली सर्दियों में पहाड़ी सीमा पर और भी ज्यादा ऑपरेशनल चुनौतियां सामने आएंगी। यह ताजा बैठक 6 और 7 सितंबर को पूर्वी सेक्टर में हुई कोर कमांडर स्तर की पहली बैठक के बाद हुई। ये बातचीत वाचा-दमाई बॉर्डर पर्सनल मीटिंग पॉइंट्स पर हुई।

आइज़नकोट,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

द येशिवा वर्ल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, यह चेतावनी भी दी गई है कि लिकुड वार्ता का इस्तेमाल गठबंधन बनाने में देरी के लिए कर सकती है, ताकि आइज़नकोट का जनादेश समाप्त हो जाए।



INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II. New Delhi-110070, India. ICIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. *Offer valid only on purchase of new Hero Two Wheeler & Hero GoodLife Enrollment on the corresponding purchase till 31st July 2026. #The Cashback of 5% upto ₹5000 is applicable on the transaction between ₹30 000 to ₹1 00 000. The new revised ex-showroom price is valid for a limited period only. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice. *Ex-showroom price of HF Deluxe Canvas Self start variant applicable in Rajasthan.*Terms & Conditions apply.

अधिकृत डीलर: जयपुर: सूर्या हीरो, सीकर रोड़, लेन नं. 8, वीकेआईए, 9289922901, सुप्रीम हीरो, गोविन्द मार्ग, राजापार्क, 9289922197, आकड़ हीरो, अजमेर रोड, 9289922192, शुभम हीरो, सहकार मार्ग, 9289922207, कोटपूतली: चौधरी हीरो, 9289922797, मानपुर: सुखराम हीरो, 9783877225, एसोशिएट डीलर: मानसरोवर: आर.एल. मोटर्स, 9579258884, जगतपुरा: टीनिटी मोटर्स, 8003088062, करबला (जयपुर): सुपर मोटर्स, 8824088678, सिरसी रोड़ मीनावाला: रजत स्पीड जोन, 9261499995, बगरू: लाम्बा मोटर्स, 97728 81888, भांकरोटा: हरितवाल ऑटोमोबाइल्स, 9314013185, चाकसू: नाकोडा ऑटोमोबाइल, 9950560918, बस्सी: वरधानी ऑटोमोबाइल्स, 9414312552, सर्राफ ऑटोमोबाइल्स, 9414751333, दूदू: श्री गणेश ऑटोमोबाइल्स, 9352727667, शाहपुरा: सत्यम मोटर्स, 8104361919, हरमाड़ा: बी.एल. ऑटोमोबाईल्स, 9314050594, फुलेरा: अग्रवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414818930, जमवा रामगढ़: उदय ऑटोमोबाइल्स, 9828090676, जोबनेर: केशव ऑटोमोबाईल्स, 8769505565, पावटा: पंकज मोटर्स, 96104 26700, कानोता: के.पी. ऑटोमोबाइल्स, 9414228404, मनोहरपुर: श्री कृष्णा मोटर्स, 8560000816, 9414643816, अचरोल: हैप्पी ऑटोमोबाइल, 9829321200, 7073888288 आंतेला: सैनी ऑटोमोबाइल्स, 7790999997, जयपुर: हार्दिक मोटर, 9828085118, रेनवाल मांजी: सालासर मोटर्स, 9001094391, मेड़: किरण मोटर्स, 9314039090, वाटिका: बालाजी मोटर्स, 8875558222, 9549997999, तुंगा: जय बालाजी मोटर्स, 8094528008, 9549652279, कोटखावादा: श्री राम मोटर्स, 9414866716, विराटनगर: बागड़ा मोटर्स, 9928776482, वैशाली नगर: सिद्धिक मोटर्स, 9610444469, कुकस: आदित्य मोटर्स, 9829494009, दौलतपुरा: त्रिवेणी मोटर्स 6377644292, प्रताप नगर: आनंद मोटर्स 9773343232, सांगानेर: मुहाना मोटर्स, 9351591591, रायसर: श्री बालाजी मोटर्स, 9414493720, झोटवाड़ा: प्राइम मोटर्स, 9358048181, एम आर मोटर्स, 0141-2348111, बेनर रोड: पूनिया मोटर्स, 9928868990, पालड़ी मीणा: बॉर्डर मोटर्स, 9376000602, बोराज: ओम मोटर्स, 9351825554.

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908